● वर्ष : 17 ● अंक : 170 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित शुक्रवार 10 अप्रैल 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

भारत ने कॉप-33 की मेजबानी से पीछे हटाया कदम, जलवायु कूटनीति में बड़ा संकेत

- **सरकार ने नहीं बताए स्पष्ट कारण, एशिया-प्रशांत समूह को अब नए मेजबान की तलाश**

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत ने वर्ष 2028 में होने वाले संयुक्त राष्ट्र के जलवायु सम्मेलन कॉप-33 की मेजबानी के अपने प्रस्ताव को वापस ले लिया है। इस फैसले को वैश्विक जलवायु कूटनीति के मंच पर एक महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2023 में दुबई में आयोजित कॉप-28 सम्मेलन के दौरान भारत को कॉप-33 की मेजबानी के लिए प्रस्तावित किया था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इसके बाद केंद्र सरकार ने इस दिशा में तैयारियां भी शुरू कर दी थीं। जुलाई 2025 में पर्यावरण मंत्रालय ने सम्मेलन की पेशेवर और लॉजिस्टिक जरूरतों को पूरा करने के लिए एक विशेष कॉप-33 सेल का गठन भी किया था। हालांकि, अब तक भारत के इस फैसले के पीछे के कारणों को लेकर आधिकारिक तौर पर कोई विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। वहीं दूसरी तरफ विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम रणनीतिक, कूटनीतिक या संसाधन संबंधी कारणों से जुड़ा हो सकता है, लेकिन सरकार की ओर से अभी तक इस पर स्पष्ट बयान नहीं दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र के तहत जलवायु मामलों को संचालित करने वाली संस्था यूएनएफसीसीसी (यूनाइटेड नेशन्स फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज) कॉप सम्मेलनों के आयोजन के नियम तय करती है। यह सम्मेलन हर वर्ष आयोजित होता है और इसकी मेजबानी विभिन्न क्षेत्रीय समूहों के बीच रोटेशन के आधार पर तय की जाती है। इन क्षेत्रीय समूहों में अफ्रीकी समूह, एशिया-प्रशांत समूह, पूर्वी यूरोप, लैटिन अमेरिका एवं कैरिबियन और पश्चिमी यूरोप व अन्य समूह शामिल हैं। संबंधित क्षेत्र के देशों के बीच सर्वसम्मति से मेजबान देश का चयन किया जाता है और फिर उसका नाम यूएनएफसीसीसी सचिवालय को भेजा जाता है। भारत के इस फैसले के बाद अब एशिया-प्रशांत समूह को किसी अन्य देश के नाम पर सहमति बनानी होगी। यह बदलाव न केवल क्षेत्रीय स्तर पर बल्कि वैश्विक जलवायु नेतृत्व की दिशा में भी नए समीकरण पैदा कर सकता है।

नारी शक्ति सशक्तीकरण पर पीएम मोदी का आह्वान, महिला आरक्षण को बताया ऐतिहासिक अवसर

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नारी शक्ति को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल का आह्वान करते हुए महिला आरक्षण को देश के लोकतांत्रिक विकास का महत्वपूर्ण कदम बताया है। अपने एक विस्तृत लेख में उन्होंने कहा कि भारत 21वीं सदी में एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर खड़ा है, जहां समानता, समावेशन और जनभागीदारी को नई दिशा देने का अवसर सामने है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आने वाले समय में संसद को एक महत्वपूर्ण दायित्व निभाना है, जिससे लोकतंत्र अधिक प्रतिनिधिक और व्यापक बन सके। महिला आरक्षण से लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी और उन्हें निर्णय प्रक्रिया में उचित स्थान मिलेगा। उन्होंने इसे केवल एक विधायी प्रक्रिया नहीं, बल्कि देश की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब बताया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि यह ऐतिहासिक अवसर ऐसे समय में आ रहा है, जब देश में विभिन्न सांस्कृतिक और धार्मिक पर्वों का उत्सव मनाया जा रहा है। असम में रोंगाली बिहू, ओडिशा में पणा संक्रांति, पश्चिम बंगाल में पोइला बैशाख, केरल में विषु, तमिलनाडु में पुथांडु और उत्तर भारत में बैसाखी जैसे त्योहार नई ऊर्जा और आशा का संदेश दे रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 11 अप्रैल से शुरू होने वाली महात्मा ज्योतिराव फुले की जयंती और 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती का उल्लेख करते हुए कहा कि ये तिथियां सामाजिक न्याय और समानता के मूल्यों की प्रेरणा देती हैं। इसी क्रम में 16 अप्रैल को संसद का विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा, जिसमें महिला आरक्षण से जुड़े विधेयक पर चर्चा और पारित करने का प्रयास होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश की लगभग आधी आबादी होने के बावजूद महिलाओं का प्रतिनिधित्व राजनीति में अपेक्षाकृत कम है। उन्होंने जोर दिया कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से न केवल निर्णय प्रक्रिया समृद्ध होगी, बल्कि शासन की गुणवत्ता में भी सुधार आएगा।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

सीज फायर हवा-हवा, अमेरिका और इजरायल का अहंकार चूर-चूर

अमेरिका और इजरायल ने मिलकर ईरान के ऊपर हमला किया था। अभी तक ईरान को लेकर जो साजिश इजरायल और अमेरिका ने रची थी, उसमें से कोई भी साजिश कामयाब नहीं हो पाई है। जिस तरह से ईरान पर हमला करके धर्मगुरु अयातुल्लाह खामेनेई और ईरान के प्रथम पंक्ति के नेताओं की इजरायल द्वारा हत्या की गई, स्कूल में मिसाइल दागकर 180 से ज्यादा बच्चियों की हत्या की गई, इसके बाद ईरान एकजुट हुआ। अपने धर्म गुरु की हत्या को शहादत मानते हुए संपूर्ण ईरान ने एकजुटता का परिचय दिया है। जिस तरह से कर्बला की जंग का इतिहास है लगभग उसी तरह से ईरान अब इस लड़ाई को लड़ रहा है। अमेरिका ने चीन और पाकिस्तान के माध्यम से एक बार फिर ईरान को वार्ता के लिए आमंत्रित करते हुए 15 दिन का सीजफायर दोनों ने स्वीकार किया था, लेकिन इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू नहीं चाहते हैं कि अमेरिका युद्ध से बाहर हो। इजरायल ने लेबनान पर हमला किया, लेबनान ने जवाबी हमला किया।

इसके बाद ईरान को भी इस कार्रवाई पर हस्तक्षेप करना पड़ रहा है, जिसके कारण यह युद्धविराम हवा-हवाई की तरह है। युद्ध विराम चलेगा या नहीं इसको लेकर भी तरह-तरह की आशंका जताई जाने लगी हैं। अमेरिका द्वारा ईरान के ऊपर जो हमला किया गया है वह पूरी तरह से अंतर्राष्ट्रीय नियम और कानून के अनुसार अवैध है। इजरायल और अमेरिका अंतर्राष्ट्रीय कानून से ऊपर होकर पिछले कई वर्षों से फिलिस्तीन और गाजा पट्टी पर कहर बरपा रहे थे। नेतन्याहू और ट्रंप अपने आप को भगवान से भी ऊपर मानते हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री पिछले 20 वर्षों से ग्रेटर इजरायल का सपना दिखाकर सत्ता में बने हुए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नेतन्याहु के चुनाव जीतने और सत्ता में बने रहने के लिए यही फार्मूला अमेरिका में अपनाया।

ट्रंप दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के लिए अपना आदर्श भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को मानते हैं। उन्होंने दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के लिए दक्षिणपंथी विचारधारा को अमेरिका में बढ़ाने का काम किया। उन्हें सफलता भी मिली। वह दूसरी बार राष्ट्रपति बन गए। उसके बाद उन्हें ऐसा लगा कि अमेरिका सारी दुनिया में नेतृत्व करता है। ऐसी स्थिति में वह जो चाहे कर सकते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के कानून का उल्लंघन करते हुए यह हमला किया है। उन्होंने अमेरिकी संसद (कांग्रेस) से इसकी अनुमति नहीं ली। अमेरिकी संविधान के अनुच्छेद 2 (4) का उल्लंघन किया। विश्व युद्ध के बाद जो अंतर्राष्ट्रीय कानून बने उनका भी इस युद्ध में इजरायल और अमेरिका ने मिलकर उल्लंघन किया है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूएन के अनुच्छेद 52 का उल्लंघन किया गया है। युद्ध में नागरिकों को निशाना नहीं बनाया जा सकता है

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

नीरव मोदी का दांवः प्रत्यर्पण से बचने के लिए यूरोपीय मानवाधिकार अदालत में लगाई याचिका

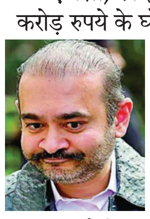

एजेंसी, लंदन । पंजाब नेशनल बैंक के हजारों करोड़ रुपये के घोटाले के मुख्य आरोपी और भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी ने भारत प्रत्यर्पण से बचने के लिए अब अपनी अंतिम कानूनी चाल चली है। ब्रिटेन की अदालतों में अपील की सभी राहें बंद होने के बाद, नीरव मोदी ने स्ट्रासबर्ग स्थित यूरोपीय मानवाधिकार अदालत का दरवाजा खटखटाया है। यह कदम तब उठाया गया है जब लंदन की हाई कोर्ट ने 25 मार्च 2026 को उसकी अपील दोबारा खोलने की याचिका को पूरी तरह खारिज कर दिया था। नीरव मोदी पर पीएनबी के साथ लगभग 6,498 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का संगीन आरोप है। वर्ष 2018 में घोटाले का खुलासा होने के बाद वह देश छोड़कर ब्रिटेन भाग गया था, जहाँ 2019 में उसे गिरफ्तार किया गया था। यद्यपि 2021 में वहां की निचली अदालत ने उसे भारत को सौंपने का आदेश दिया था, लेकिन वह लगातार कानूनी अपीलों के जरिए प्रत्यर्पण की प्रक्रिया को लटकाता रहा है। अब ईसीएचआर में याचिका दाखिल करने का उद्देश्य प्रत्यर्पण पर अंतरिम रोक हासिल करना है, जिससे उसे कुछ समय की और मोहलत मिल सकती है। हालिया कानूनी कार्यवाही के दौरान नीरव मोदी के वकीलों ने एक अजीबोगरीब दावा पेश किया था। उन्होंने दलील दी थी कि यदि उसे भारत भेजा गया, तो जांच एजेंसियां पूछताछ के दौरान उसके साथ टॉर्चर और अमानवीय व्यवहार कर सकती हैं।

पीएम मोदी ने हर एक वोट का बताया महत्व कहा- सभी को अपने मत का उपयोग करना चाहिए

एजेंसी, नई दिल्ली । आज देश के तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर न केवल वोट का महत्व बताया, बल्कि हर एक मतदाता से अपने मत के उपयोग करने की अपील की। केरल, असम और पुडुचेरी विधानसभा चुनाव के लिए मतदान प्रक्रिया सुबह 7 बजे से शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीनों राज्यों की जनता से मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है, मैं केरल की जनता से 2026 के विधानसभा चुनावों में भारी संख्या में मतदान करने का आह्वान करता हूं। रिकॉर्ड तोड़ भागीदारी केरल के लोकतांत्रिक मूल्यों को नई ऊर्जा प्रदान करेगी। मैं विशेष रूप से राज्य के युवाओं और महिलाओं से आगे आकर वोट देने का अनुरोध करता हूं। पीएम मोदी ने एक और सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, असम विधानसभा चुनाव 2026 के लिए मतदान शुरू होने के साथ ही मैं असम की जनता से अपील करता हूं कि वे बड़ी संख्या में अपने मताधिकार का प्रयोग करें। मुझे आशा है कि राज्य के युवा और महिला मतदाता उत्साहपूर्वक भाग लेंगे और इस चुनाव को लोकतंत्र और जन कर्तव्य का उत्सव बनाएंगे।

इजरायल ने दो टूक कहा- भरोसेमंद नहीं है पाकिस्तान, अमेरिका ने सिर्फ यूज किया

एजेंसी, तेल अवीव

भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने पाकिस्तान की विश्वसनीयता पर कड़ा प्रहार किया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इजरायल पाकिस्तान को एक भरोसेमंद या क्रेडिबल प्लेयर के रूप में नहीं देखता है। अजार के अनुसार, अमेरिका अपनी रणनीतिक जरूरतों और विशिष्ट कारणों से पाकिस्तान की मध्यस्थता सेवाओं का उपयोग कर रहा है, ठीक उसी तरह जैसे उसने पहले कतर और तुर्की जैसे समस्याग्रस्त देशों का उपयोग किया था। मध्य पूर्व में शांति की उम्मीदों के बीच घोषित युद्धविराम शुरू होते ही विवादों की भेंट चढ़ता नजर आ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के साथ घोषित दो हफ्ते के युद्धविराम को अभी 24 घंटे भी पूरे नहीं हुए थे कि धरातल पर स्थितियां तनावपूर्ण हो गईं। इस पूरे घटनाक्रम ने न केवल युद्धविराम की स्थिरता पर सवाल उठाए हैं, बल्कि वैश्विक कूटनीति में पाकिस्तान की भूमिका को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है। विवाद की मुख्य जड़ लेबनान को लेकर किए गए अलग-अलग दावे बने। ईरान और पाकिस्तान का तर्क है कि सीजफायर की शर्तों में लेबनान पर हमले रोकना शामिल था, लेकिन इजरायल ने इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया। इजरायल के स्पष्ट इनकार के बाद लेबनान में भारी हवाई हमले हुए, जिनमें सैकड़ों लोगों के मारे जाने की सूचना है। इन हमलों ने स्पष्ट कर दिया कि मध्यस्थता करने वाले देश शर्तों को लेकर स्पष्टता सुनिश्चित करने में विफल रहे हैं।

मौसम का बदला मिजाजः 13 राज्यों में भारी बारिश, ओला और आंधी का अलर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

अप्रैल के महीने में देश भर में मौसम के अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। जहां इस समय चिलचिलाती धूप और लू का प्रकोप होता था, वहीं इस बार दिल्ली-एनसीआर से लेकर कोलकाता और भोपाल से लेकर जयपुर तक आसमान में बादलों का डेरा है। तेज हवाएं, भारी बारिश और ओलावृष्टि ने न केवल तापमान को गिरा दिया है, बल्कि एक बड़े मौसमी बदलाव की ओर इशारा किया है। मौसम विभाग ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए देश के 13 राज्यों के लिए अलर्ट जारी किया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, वर्तमान में कोई एक चक्रवाती तूफान सक्रिय नहीं है, बल्कि कई मौसमी प्रणालियां एक साथ काम कर रही हैं। उत्तर-पश्चिम से आ रहे सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से उठने वाली समुद्री नमी के आपस में टकराने से वातावरण में भारी अस्थिरता पैदा हो गई है। इसी टकराव के कारण अचानक गरज-चमक के साथ आंधी और बारिश जैसी घटनाएं बढ़ गई हैं। 11 अप्रैल के आसपास एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने वाला है, जो मौजूदा स्थिति को और अधिक चुनौतीपूर्ण बना सकता है। देश की राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में 10 और 11 अप्रैल को 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। वहीं, उत्तर प्रदेश के आगरा, अलीगढ़ और मथुरा जैसे क्षेत्रों में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली आंधी और ओलावृष्टि ने जनजीवन प्रभावित किया है।

बिजली गिरने की बढ़ती घटनाओं ने सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ा दी हैं। बिहार में अगले 72 घंटे बेहद अहम माने जा रहे हैं, जहां दरभंगा और मुजफ्फरपुर समेत कई जिलों में वज्रपात का खतरा बना हुआ है। मध्य भारत और राजस्थान में भी साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर साफ दिख रहा है। मध्य प्रदेश के भोपाल और ग्वालियर संभागों में धूल भरी आंधी के साथ बारिश का दौर जारी है। राजस्थान के जयपुर और बीकानेर में अगले 24 घंटों के लिए ओलावृष्टि का अलर्ट है। हालांकि तापमान में 2 से 4 डिग्री की गिरावट से आम जनता को गर्मी से राहत मिली है, लेकिन यह बदलाव किसानों के लिए आफत बनकर आया है।

लेबनान में ताजा इजरायली हमलों में 254 लोगों की मौत

एजेंसी, बैरूत : लेबनान में ताजा इजराइली हमलों ने भारी तबाही मचाई है। एक ही दिन में हुए हमलों में 254 लोगों की मौत हो गई, जबकि 1165 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। इस बड़े हमले के बाद देश में राष्ट्रीय शोक का ऐलान किया गया है और हालात लगातार गंभीर बने हुए हैं। लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने स्थिति को बेहद चिंताजनक बताते हुए कहा कि उनकी सरकार इजराइली हमलों को रोकने के लिए सभी राजनीतिक और कूटनीतिक प्रयास कर रही है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भी हस्तक्षेप की अपील की है ताकि हालात को नियंत्रण में लाया जा सके। स्वास्थ्य मंत्री रकान नासेरद्दीन ने बताया कि बड़ी संख्या में घायलों के कारण देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर भारी दबाव पड़ रहा है। अस्पतालों में संसाधनों की कमी महसूस की जा रही है, जिसके चलते उन्होंने वैश्विक स्तर पर चिकित्सा सहायता की मांग की है। इस बीच संघर्ष विराम (सीजफायर) को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विवाद और गहरा गया है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने स्पष्ट किया है कि लेबनान इस समझौते का हिस्सा नहीं है।

यूपी में रिटायर्ड अधिकारी के घर बाथरुम से लेकर बेडरुम तकः नोट ही नोट, चौतरफा बिछी मिली करंसी

एजेंसी, कानपुर

विजिलेंस विभाग की कानपुर यूनिट ने वाणिज्य कर विभाग के सेवानिवृत्त एडिशनल कमिश्नर केशव लाल के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। यह कार्रवाई उनकी सेवा अवधि के दौरान ज्ञात कानूनी स्रोतों से प्राप्त आय की तुलना में किए गए भारी-भरकम निवेश और बेतहाशा खर्चों के प्रमाण मिलने के बाद की गई है।

अगस्त 2023 से चल रही विस्तृत जांच में उनकी कुल संपत्ति 100 करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान लगाया गया है, जिसके बाद शासन से अनुमति मिलते ही भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है। केशव लाल की काली कमाई का खुलासा सबसे पहले साल 2017 में हुआ था, जब वे कानपुर में तैनात थे। उस दौरान आयकर विभाग ने उनके नोएडा सेक्टर-34 स्थित आवास पर छापेमारी की थी। इस छापेमारी के दृश्य बेहद चौंकाने वाले थे; अधिकारियों को उनके घर से 10 करोड़ रुपये की नकदी और करीब 3 करोड़ रुपये के सोने के आभूषण मिले थे। छापेमारी के दौरान नोटों की गड्डियां किसी साधारण जगह नहीं, बल्कि पूजा घर, अलमारियों, बिस्तर के गद्दों और यहां तक कि बाथरूम के फ्लश टैंक के भीतर छिपाकर रखी गई थीं। उस समय वह इस विशाल धनराशि का कोई संतोषजनक स्रोत बताने में पूरी तरह विफल रहे थे।

नितिन नबीन ने कहा- ममता बांग्लादेशियों की तो भाजपा बंगालियों की करती है चिंता

एजेंसी, कोलकाता

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर अपनी राय रखते हुए विपक्ष के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों से लेकर नेताओं की बयानबाजी तक पर बेबाक टिप्पणी की है। एक विशेष बातचीत के दौरान, नबीन ने पश्चिम बंगाल को लेकर बड़ा दावा करते हुए कहा कि राज्य में भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने केवल बांग्लादेशियों के हितों की चिंता की है, जबकि राज्य की आम जनता को उपेक्षित रखा गया है। नबीन ने स्पष्ट किया कि अब बंगाल की जनता की असली चिंता भारतीय जनता पार्टी ही करेगी। तमिलनाडु की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में बदलाव की लहर है और भाजपा वहां बेहद मजबूत स्थिति में है। इसके साथ ही उन्होंने के. अन्नामलाई की नाराजगी की खबरों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि वे पूरी तरह सक्रिय हैं और चुनाव प्रचार में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। नितिन नबीन ने राजनीति में भाषा की मर्यादा का मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस पर कड़ा प्रहार किया। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के बीच चल रहे विवाद पर उन्होंने कहा कि पासपोर्ट के नाम पर शब्दों के साथ जो खेल खेला गया है, उसकी सच्चाई जल्द ही सबके सामने आएगी। राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि उनके ज्ञान का दायरा काफी सीमित है और एनडीए के लिए सबसे बड़ी चुनौती गांधी परिवार और कांग्रेस की विचारधारा ही है।

खड़गे के 'जहरीले सांप' वाले बयान पर बीजेपी का पलटवार, नितिन नवीन ने गांधी परिवार पर लगाए गंभीर आरोप

- **बीजेपी अध्यक्ष बोले- खड़गे सज्जन व्यक्ति हैं, ये गांधी परिवार के शब्द**

एजेंसी, नई दिल्ली

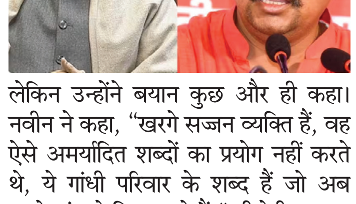

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा बीजेपी और आरएसएस पर की गई 'जहरीले सांप' वाली टिप्पणी ने राजनीतिक घमासान को जन्म दे दिया है। इस बयान पर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी और इसे सांप्रदायिक आधार पर लोगों को भड़काने वाला करार दिया। नितिन नवीन ने एक इंटरव्यू में कहा कि खरगे का बयान पूरी तरह जनता को सांप्रदायिक रूप से भड़काने के लिए दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने खरगे को एक-एक बात सिखाई थी, लेकिन उन्होंने बयान कुछ और ही कहा। नवीन ने कहा, "खरगे सज्जन व्यक्ति हैं, वह ऐसे अमर्यादित शब्दों का प्रयोग नहीं करते थे, ये गांधी परिवार के शब्द हैं जो अब उनके मुंह से निकल रहे हैं।" बीजेपी अध्यक्ष ने पवन खेड़ा बनाम असम के मुख्यमंत्री मामले का भी उल्लेख करते हुए कहा कि राष्ट्रीय हित के मामलों में बीजेपी हर हाल में अपनी जिम्मेदारी निभाएगी। उन्होंने बताया कि पासपोर्ट में नाम के साथ हेर-फेर का खेल सामने लाया जाएगा। उनका मानना है कि राजनीति में शब्दों की एक सीमा होनी चाहिए, लेकिन जब राष्ट्रीय हित की बात आती है, तो उसे उजागर करना जरूरी है। खरगे का यह बयान असम में चुनाव प्रचार के दौरान सामने आया। उन्होंने कथित तौर पर कहा कि अगर सामने से कोई जहरीला सांप गुजर रहा हो, तो नमाज पढ़ते हुए भी उसे मार देना चाहिए और भाजपा व आरएसएस को उन्होंने इसी जहरीले सांप से तुलना की। इस बयान के बाद दिल्ली में केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा के नेतृत्व में भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को शिकायत सौंपी। शिकायत में कहा गया कि खरगे ने भाजपा की तुलना जहरीले सांप से की और किसी विशेष समुदाय की धार्मिक भावनाओं को भड़काने का प्रयास किया। प्रतिनिधिमंडल ने प्राथमिकी दर्ज करने और उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

राघव चड्ढा के किस तरफ बढ़ रहे हैं सियासी कदम, खुद की पार्टी बनाने में दिख रही दिलचस्पी

एजेंसी, नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी (आप) और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के बीच बढ़ती दूरियां अब एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई हैं। पार्टी की ओर से की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई और चड्ढा के हालिया सोशल मीडिया पोस्ट ने दिल्ली से लेकर पंजाब तक की राजनीति में अटकलों का बाजार गर्म कर दिया है। हर किसी की निगाहें अब इस बात पर टिकी हैं कि क्या राघव चड्ढा आप से नाता तोड़कर अपनी नई राह चुनेंगे। हाल ही में राघव चड्ढा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक रील शेयर की, जिसने उनके भविष्य की योजनाओं को लेकर नई चर्चा छेड़ दी है। इस रील में एक सोशल मीडिया क्रिएटर ने सुझाव दिया है कि चड्ढा को अब अपनी खुद की पार्टी बना लेनी चाहिए, जिसे जेन-जी पार्टी जैसा कोई नाम दिया जा सकता है। क्रिएटर का तर्क है कि किसी दूसरी पार्टी में जाने के बजाय अपनी पार्टी बनाने से उन्हें युवाओं का एकतरफा समर्थन मिलेगा। चड्ढा ने इस रील को दिलचस्प विचार करार देते हुए साझा किया है, जिसे उनके संभावित विद्रोह के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

ख़ास ख़बर

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम का स्थापना दिवस कल

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम शुक्रवार को अपना 25वां स्थापना दिवस मनाएगा। जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। इस अवसर पर राज्यमंत्री दुर्गा दास उइके और जनजातीय कार्य मंत्रालय की सचिव रंजना चोपड़ा भी उपस्थित रहेंगी। यह कार्यक्रम नई दिल्ली के विश्व युवा केंद्र में आयोजित किया जाएगा। जनजातीय मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा ति राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम की साल 2001 में स्थापना की गई थी। यह जनजातीय समुदायों के आर्थिक विकास के लिए कार्य करने वाला एक प्रमुख सरकारी उपक्रम है। यह संस्था राज्य चैनलाइजिंग एजेंसियों के माध्यम से रियायती वित्तीय सहायता प्रदान कर विभिन्न आय-सृजन गतिविधियों को बढ़ावा देती है। इस समारोह के दौरान देशभर के सफल अनुसूचित जनजाति उद्यमियों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने निगम की योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता प्राप्त कर अपने व्यवसाय स्थापित किए हैं। ये उद्यमी पारंपरिक भोजन, स्वास्थ्य सेवाएं, पोल्ट्री, डेयरी, हस्तशिल्प, मत्स्य पालन, खुदरा व्यापार और सिलाई जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हैं। कार्यक्रम में जनजातीय संस्कृति को दर्शाते हुए सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होंगी, जिनमें पारंपरिक नृत्य और नुक्कड़ नाटक शामिल हैं। निगम के 25 वर्षों की जनजातीय सशक्तीकरण एवं समावेशी विकास की यात्रा का जश्न में अधिकारी भी भाग लेंगे।

जनकपुरी हादसा: दिल्ली पुलिस ने दाखिल की चार्जशीट, 30 अप्रैल को सुनवाई

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने द्वारका कोर्ट में जनकपुरी में दिल्ली जल बोर्ड के खुले गड्ढे में गिरकर बाइक सवार की मौत के मामले में चार्जशीट दाखिल की है। जुडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास हरजोत सिंह औजला ने चार्जशीट पर 30 अप्रैल को सुनवाई करने का आदेश दिया। कोर्ट ने 30 अप्रैल को जांच अधिकारी और एसएचओ को तलब किया है। दिल्ली पुलिस ने चार्जशीट में आपराधित साजिश और गैर इरादतन हत्या का आरोप लगाया है। दिल्ली पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 05, 238ए, 238(बी), 61(2) और 340(2) के तहत आरोप लगाए हैं। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में राजेश कुमार प्रजापति और योगेश प्रजापति समेत तीन लोगों को आरोपित बनाया है। कोर्ट ने 8 अप्रैल को ठेकेदार राजेश कुमार प्रजापति की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। राजेश प्रजापति ने पुलिस थाने में गैरकानूनी रुप से हिरासत में रखने का आरोप लगाया था। कोर्ट ने कहा था कि सामने वाले गेट की सीसीटीवी फुटेज, गिरफ्तारी मेमो, जनरल डायरी एंट्री और कॉल डिटेल ये साबित करते हैं कि आरोपित को गैरकानूनी रुप से हिरासत में नहीं रखा गया था। पांच और छह फरवरी की दरम्यानी रात को निजी बैंक में काम करने वाले कर्मचारी कमल ध्यानी अपने घर लौट रहे थे। इस दौरान दिल्ली जल बोर्ड द्वारा कथित रूप से खुला छोड़े गए गहरे गड्ढे में बाइक समेत गिरने से ध्यानी की मौत हो गई थी।

एनएसयूआई के 56वें स्थापना दिवस पर राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने कार्यकर्ताओं को दी शुभकामनाएं

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। कांग्रेस की भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने गुरुवार को अपना 56वां स्थापना दिवस इंदिरा भवन में बड़े उत्साह के साथ मनाया। इसमें देशभर से छात्रों, नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने सभी कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं दीं और संगठन की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाने के संकल्प को दोहराया। उन्होंने कहा कि छात्र विरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष को मजबूत करना एनएसयूआई की प्रमुख जिम्मेदारी है। एनएसयूआई की संस्थापक इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्होंने कहा कि उनके विचार और आदर्श आज भी संगठन का मार्गदर्शन कर रहे हैं। इंदिरा भवन में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विनोद जाखड़ ने छात्र आंदोलनों की भूमिका, कैंपस से जुड़े रहने के महत्व और देश के भविष्य को आकार देने में युवाओं की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई का यह स्थापना दिवस समारोह छात्रों को सशक्त बनाने, लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने और युवाओं के नेतृत्व में एक प्रगतिशील भविष्य के निर्माण के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।कार्यक्रम बड़ी संख्या में छात्रों की भागीदारी दर्ज की गई। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों ने अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता के माध्यम से कार्यक्रम को और जीवंत बना दिया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, राज्यसभा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा, अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अल्का लांबा, भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब तथा अंशुल त्रिवेदी, एआईसीसी कोऑर्डिनेटर एवं एनएसयूआई प्रभारी की उपस्थिति रही।

कटरा - बनिहाल के बीच विशेष अनारक्षित ट्रेन का सफल संचालन

- **कल दिनांक 10 अप्रैल को भी श्री माता वैष्णो देवी कटरा - बनिहाल के बीच विशेष अनारक्षित ट्रेन का संचालन किया जाएगा**

लोकतंत्र की शान: उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल ने आज कटरा और बनिहाल के बीच एक विशेष ट्रेन संख्या 04689/04690 (श्री माता वैष्णोदेवी कटरा- बनिहाल- श्री माता वैष्णोदेवी कटरा) का सफलतापूर्वक संचालन कर एक और उपलब्धि हासिल की। इस विशेष ट्रेन सेवा के माध्यम से लगभग 1000 से अधिक यात्रियों ने अपनी यात्रा पूरी की, जिससे क्षेत्र में रेल कनेक्टिविटी को नई मजबूती मिली है। यह विशेष सेवा भारी बरसात से रोड़ यातायात प्रभावित होने के कारण यात्रियों को कश्मीर से कटरा के बीच बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। कटरा से रवाना हुई, इस ट्रेन में स्थानीय लोगों के साथ-साथ बड़ी संख्या में पर्यटकों ने भी उत्साहपूर्वक यात्रा की। साथ ही जम्मू मंडल द्वारा उठाए गए, इस कदम की खुब सराहना करते हुए, अपनी यात्रा का आनंद उठाया। रेलवे प्रशासन के अनुसार, इस सफल संचालन का उद्देश्य दुर्गम क्षेत्रों के बीच सुरक्षित और तीव्र परिवहन सुनिश्चित करना है। स्टेशन पर सुरक्षा और सुविधाओं के कड़े प्रबंध किए गए थे ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। आने वाले समय में मांग व परिस्थिति को देखते हुए, ट्रेन के संचालन को बढ़ाया भी जाएगा। क्षेत्र में जारी भारी बारिश और भूस्खलन के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग (NH-44) पर सड़क यातायात बाधित हो गया। यात्रियों, विशेषकर श्री माता वैष्णो देवी आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों की परेशानियों को देखते हुए, रेलवे ने कटड़ा और बनिहाल के बीच विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। मुख्य उद्देश्य फंसे हुए यात्रियों को सुरक्षित और सुगम यात्रा का विकल्प प्रदान करना है। आज अपने पहले दिन लगभग 1000 में अधिक यात्रियों ने सफर किया व इस स्पेशल ट्रेन सेवा की सराहना भी की। रेलवे द्वारा दिनांक 10 अप्रैल को भी श्री माता वैष्णो देवी कटरा – बनिहाल- श्री माता वैष्णो देवी कटरा के मध्य इस विशेष अनारक्षित ट्रेन का संचालन किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक यात्रियों को राहत प्रदान की जा सके। यात्रियों से अनुरोध है कि वे इस विशेष ट्रेन सेवा का अधिकाधिक लाभ उठाएं।

भारत-अमेरिका का ट्रेड पोर्टल लॉन्च, 500 अरब डॉलर के व्यापार का लक्ष्य

लोकतंत्र की शान

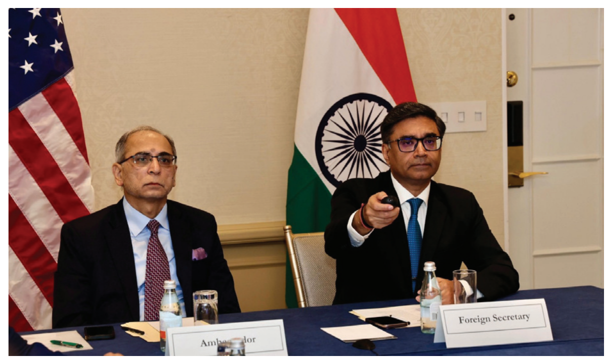

वाशिंगटन डी.सी.। 'भारत-अमेरिका व्यापार सुविधा' पोर्टल को विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने वर्चुअली लॉन्च किया। इस पोर्टल का मुख्य उद्देश्य 2030 तक दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक ले जाने के लक्ष्य को गति देना है। यह पोर्टल भारतीय निर्यातकों और अमेरिकी आयातकों के बीच एक सेतु का कार्य करेगा, जिससे व्यापारिक प्रक्रियाओं को सरल बनाया जा सकेगा। तीन दिवसीय अमेरिका दौरे पर पहुंचे मिसरी ने इस अवसर पर कहा कि यह पोर्टल दोनों देशों के बीच व्यापार को मजबूत करने का माध्यम बनेगा। इससे मौजूदा आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूती मिलेगी और नए व्यावसायिक संबंध विकसित करने में मदद मिलेगी। माना जा रहा है कि इससे एमएसएमई और स्टार्टअप्स को बढ़ावा मिलेगा, क्योंकि यह मंच विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों और स्टार्टअप्स को वैश्विक स्तर पर अवसर प्रदान करने और उनकी बाजार तक पहुंच को आसान बनाने पर केंद्रित है। यह डिजिटल पहल दोनों देशों की आपूर्ति श्रृंखलाओं (सप्लाई चेन) को सुदृढ़ करेगी और नए वाणिज्यिक जुड़ाव बनाने में मदद करेगी। लॉन्च कार्यक्रम के दौरान अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा भी उपस्थित थे। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भी भारतीय व्यवसायों और निर्यातकों से इस पोर्टल का अधिकतम लाभ उठाने का आग्रह किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस संबंध में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जानकारी देते हुए लिखा विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने आज वर्चुअली भारत-अमेरिका व्यापार सुविधा पोर्टल लॉन्च किया। इसका मकसद व्यापार के नए अवसर खोलना, व्यापार करने में आसानी को बेहतर बनाना, एमएसएमई और स्टार्टअप्स को सहयोग देना और 2030 तक 500 अरब डॉलर के व्यापार लक्ष्य को पाने की कोशिशों को तेज करना है। जायसवाल ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि यह पोर्टल भारत और अमेरिका के बीच व्यापार की पूरी क्षमता को सामने लाने की दिशा में एक और कदम है। उन्होंने इस पहल को डिजाइन करने और इसे आगे बढ़ाने में न्यूयॉर्क स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास की भूमिका की भी सराहना की। विदेश सचिव अपने इस दौरे के दौरान अमेरिका के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर व्यापार और रक्षा संबंधों की समीक्षा भी करेंगे। साथ ही वैश्विक मुद्दों, खासकर पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी चर्चा करेंगे।

सीएपीएफ बिल के विरोध में सैन्य कर्मियों के परिजनों का राजघाट पर प्रदर्शन

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के मौजूदा और पूर्व कर्मियों के परिजनों ने हाल ही में पारित केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, (सीएपीएफ) 2026 के खिलाफ गुरुवार को राजघाट पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने इस विधेयक को 'काला कानून' बताते हुए सरकार से इसे वापस लेने और संगठित समूह-ए सेवा (ओजीएएस) और पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) लागू करने की मांग की। इस विधेयक पर विरोध सीएपीएफ अधिकारियों के करियर में ठहराव आने और राज्यों के अधिकारों में कटौती होने की वजह से हो रहा है। बिल में डीजी और स्पेशल डीजी की पोस्ट पर केवल आईपीएस अधिकारियों को डेपुटेशन पर लाने का प्रावधान है, जबकि बल के कैडर अधिकारियों के लिए स्पष्ट व्यवस्था नहीं की गई है। इसी तरह एडीजी और आईजी स्तर पर भी आईपीएस अधिकारियों को प्राथमिकता दी गई है। यह विधेयक संसद के दोनों सदनों में पारित किया गया था। इसे सबसे पहले 1 अप्रैल को राज्यसभा में ध्वनिमत से मंजूरी मिली और अगले दिन लोकसभा से भी पारित कर दिया गया। यह विधेयक सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी और एसएसबी जैसे बलों से संबंधित है और इसके लागू होने के बाद सीएपीएफ से जुड़े सभी प्रशासनिक अधिकार केंद्रीय गृह मंत्रालय के पास होंगे।

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी कतर दौरे पर

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी गुरुवार (9 अप्रैल) को दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर कतर रवाना हो रहे हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि पश्चिम एशिया संकट के बीच मंत्री हरदीप पुरी 9-10 अप्रैल को दो दिवसीय कतर के आधिकारिक दौरे पर रहेंगे। चूंकि, भारत अपनी जरूरत का एक बड़ा हिस्सा कतर से मंगवाता है, इसलिए यह यात्रा भारत की रसोई और इंडस्ट्री के लिए बेहद अहम है। भारत अपनी जरूरत का लगभग 40 फीसदी लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) कतर से आयात करता है। पश्चिम एशिया संकट के दौरान ईरान ने कतर के बड़े नेचुरल गैस प्लांट्स पर मिसाइल हमला किया, जिससे कतर की 17 फीसदी एक्सपोर्ट कैपेसिटी प्रभावित हुई है। कतरएनर्जी के मुताबिक इन प्लांट्स को ठीक होने में 3 से 5 साल लग सकते हैं। ऐसे में भारत के लिए गैस की बिना रुकावट सप्लाई सुनिश्चित करना सबसे बड़ी चुनौती है, जिस पर चर्चा करने के लिए हरदीप पुरी कतर के अधिकारियों से मिलेंगे। उल्लेखनीय है कि घरेलू रसोई गैस सप्लाई को लेकर फैल रही चिंताओं के बीच पेट्रोलियम मंत्रालय ने साफ किया है कि देश में एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई पूरी तरह सामान्य है। सात अप्रैल को एक ही दिन में रिकॉर्ड 53.5 लाख से अधिक घरेलू रसोई गैस सिलेंडर डिलीवर किए गए। ऑनलाइन बुकिंग में 95 फीसदी का उछाल आया है, जिससे सप्लाई चेन पारदर्शी हुई है। ब्लैक मार्केटिंग को रोकने के लिए डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) का इस्तेमाल 91 फीसदी तक बढ़ गया है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हथियार डीलर संजय भंडारी की याचिका खारिज

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय की जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने हथियार डीलर संजय भंडारी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में भगोड़ा घोषित करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने 21 अगस्त, 2025 को फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने संजय भंडारी की याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि ट्रायल कोर्ट ने पाया था कि 655 करोड़ की संपत्ति अर्जित की गई थी। ईडी की ओर से पेश एएसजी एसवी राजू ने कहा था कि संजय भंडारी को ट्रायल कोर्ट ने जुलाई 2025 में भगोड़ा घोषित किया था। ट्रायल कोर्ट के समक्ष इस बात के सबूत थे कि संजय भंडारी के पास 655 करोड़ रुपये हेराफेरी कर जुटाए गए। राजू ने कहा था कि जब ट्रायल कोर्ट ने आदेश जारी किया उस वक्त संजय भंडारी पर सौ करोड़ का टैक्स बकाया था। संजय भंडारी पर 196 करोड़ रुपये टैक्स की चोरी का भी आरोप है। सुनवाई के दौरान संजय भंडारी की ओर से पेश वकील कपिल सिब्बल ने कहा था कि ईडी ने कानून का पालन नहीं किया है। ईडी याचिकाकर्ता को भगोड़ा घोषित करा कर चार सौ से पांच सौ करोड़ रुपये लेना चाहती है और दावा करने की अनुमति भी नहीं दे रहे हैं। सिब्बल ने कहा था कि ईडी के पास इस बात के कोई सबूत नहीं हैं कि याचिकाकर्ता पर सौ करोड़ टैक्स की देनदारी है। जब टैक्स के आकलन का काम ही पूरा नहीं हुआ है तो टैक्स की देनदारी का सवाल कैसे पैदा होता है। पांच जुलाई, 2025 को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने संजय भंडारी को भगोड़ा घोषित कर दिया था। भगोड़ा घोषित करने के बाद कोर्ट आरोपित की संपत्तियों की कुर्की और जब्ती की कार्रवाई शुरु करता है। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिसंबर 2023 में ईडी की ओर से संजय भंडारी के खिलाफ दाखिल पूरक चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। पूरक चार्जशीट में संयुक्त अरब अमीरात के बिजनेसमैन सीसी थम्पी और ब्रिटेन स्थित व्यवसायी सुमित चड्ढा का नाम शामिल किया है। संजय भंडारी कथित तौर पर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा का करीबी सहयोगी है। ईडी के मुताबिक उसने सुमित चड्ढा और उसकी पत्नी को समन जारी किया था लेकिन दोनों जांच एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए। ईडी की चार्जशीट में कहा गया है कि यूपीए के शासनकाल में भंडारी ने कमीशन लिया और लंदन में संपत्ति खरीदी, जिसके लाभार्थी मालिक रॉबर्ट वाड्रा हैं। रॉबर्ट वाड्रा ने ईडी के आरोपों को गलत बताया था। इस मामले में पहले ईडी ने हथियार डीलर संजय भंडारी के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दक्षिण दिल्ली में पंचशील पार्क में पंचशील शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में स्थित संपत्ति को कब्जे में लिया था, जो एसबी हॉस्पिटेलिटी एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर रजिस्टर्ड कराई गई है। ईडी ने 2017 में भंडारी और दूसरे आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

भारतीय ज्ञान परंपरा को मुख्यधारा की शिक्षा में शामिल करने पर जोर, साधना सप्ताह बैठक से निकला स्पष्ट संदेश

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 'साधना सप्ताह 2026' के तहत भारतीय ज्ञान परंपरा (आईकेएस) पर हुए संवाद सत्र से एक स्पष्ट और ठोस निष्कर्ष सामने आया कि आईकेएस को अलग विषय के रूप में नहीं, बल्कि उच्च शिक्षा के हर क्षेत्र में एकीकृत किया जाएगा। बैठक में भारतीय ज्ञान परंपरा को अब नीति-निर्माण, शोध और शिक्षण पद्धति का हिस्सा बनाने पर जोर दिया गया। सत्र में इस बात पर सहमति बनी कि आईकेएस को केवल सांस्कृतिक विरासत के रूप में नहीं, बल्कि आधुनिक समस्याओं के समाधान और नवाचार के स्रोत के रूप में देखा जाना चाहिए। शिक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि उच्च शिक्षा विभाग ने 'साधना सप्ताह 2026' के तहत भारतीय ज्ञान परंपरा पर एक इंटरएक्टिव सत्र का सफल आयोजन किया। यह सप्ताह 2 से 8 अप्रैल तक मनाया गया, जो क्षमता निर्माण आयोग के स्थापना दिवस और मिशन कर्मयोगी के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद के बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मोहन राघवन ने मुख्य वक्ता के तौर पर अपने संबोधन में कहा कि आईकेएस को अलग-थलग पढ़ाने से उसका पूरा लाभ नहीं मिलेगा। इसे विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रबंधन और मानविकी जैसे विषयों के साथ जोड़ना होगा। यही इस बैठक का केंद्रीय संदेश रहा। उन्होंने प्रौद्योगिकी, विज्ञान और भारतीय ज्ञान परंपरा के समन्वय पर अपने अनुभव साझा किए। डॉ. राघवन ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का बाजार मूल्य भले ही व्यापक हो, लेकिन इसकी वास्तविक शक्ति उच्च शिक्षा में इसके परिवर्तनकारी प्रभाव में निहित है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा को एक अलग विषय के रूप में नहीं, बल्कि बहुविषयक ढांचे के रूप में देखा जाना चाहिए, जो विज्ञान, इंजीनियरिंग, मानविकी और प्रबंधन जैसे विषयों को समृद्ध बना सकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा प्रणाली में शामिल करने से रटने की परंपरा से आगे बढ़कर एक समग्र शिक्षण मॉडल विकसित किया जा सकता है, जिसमें ज्ञान, अनुप्रयोग और मूल्यों (धर्म) का संतुलित समावेश हो। यह दृष्टिकोण न केवल शोध और नवाचार को प्रोत्साहित करता है, बल्कि छात्रों में आलोचनात्मक सोच और सांस्कृतिक समझ भी विकसित करता है। डॉ. राघवन ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा को अपनाने वाले संस्थान अंतःविषयक पाठ्यक्रम शुरू कर सकते हैं, मौलिक अनुसंधान को बढ़ावा दे सकते हैं और ऐसे स्नातक तैयार कर सकते हैं जो न केवल पेशेवर रूप से सक्षम हों, बल्कि सामाजिक रूप से जिम्मेदार और सांस्कृतिक रूप से जागरूक भी हों। उन्होंने इसे एक ऐसे भविष्य-उन्मुख शिक्षा तंत्र के निर्माण के लिए आवश्यक बताया, जो वैश्विक प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ अपनी जड़ों से जुड़ा हो। बैठक में यह भी उभरकर आया कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली में रटने (रोट लर्निंग) की प्रवृत्ति को खत्म कर एक समग्र (होलिस्टिक) मॉडल अपनाने की जरूरत है। आईकेएस इस बदलाव का आधार बन सकता है, क्योंकि इसमें ज्ञान के साथ-साथ मूल्य और व्यवहारिक समझ भी शामिल होती है। चर्चा के दौरान यह बात भी सामने आई कि आईकेएस को अपनाने वाले संस्थानों में इंटरडिसिप्लिनरी कोर्स, नए शोध कार्यक्रम और इनोवेशन को बढ़ावा मिलेगा। इससे ऐसे विद्यार्थी तैयार होंगे, जो केवल तकनीकी रूप से दक्ष नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से भी जागरूक होंगे। बैठक में शामिल अधिकारियों ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारतीय ज्ञान परंपरा को शासन (गवर्नेंस) में भी शामिल किया जाना चाहिए, ताकि नीतियां अधिक मानवीय और जमीनी जरूरतों के अनुरूप बन सकें। इस बैठक का निष्कर्ष यह रहा कि आने वाले समय में आईकेएस को उच्च शिक्षा और प्रशासनिक ढांचे में व्यवस्थित रूप से लागू करने की दिशा में काम तेज किया जाएगा। यह पहल भारत को एक ऐसा शिक्षा मॉडल देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है, जो वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी होने के साथ-साथ अपनी परंपराओं से भी जुड़ा हो। सत्र के दौरान प्रतिभागियों के साथ प्रश्नोत्तर का एक सजीव संवाद भी हुआ, जिसमें भारतीय ज्ञान परंपरा की उपयोगिता और उसके व्यावहारिक क्रियान्वयन पर चर्चा की गई। प्रतिभागियों ने शिक्षा और प्रशासन में पारंपरिक ज्ञान को समाहित करने के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किए। इस कार्यक्रम में शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। विभाग ने इस आयोजन के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि वह मिशन कर्मयोगी के तहत एक ज्ञान-आधारित, अनुकूलनशील और मानवीय शासन प्रणाली के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।

राकांपा नेता पार्थ पवार ने राज्यसभा के सदस्य के रूप में ली शपथ

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता पार्थ पवार ने राज्यसभा सदस्य के रूप में गुरुवार को शपथ ली। उन्हें राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने संसद भवन में शपथ दिलाई। इस दौरान सदन के नेता एवं स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, राकांपा की नेता एवं महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार, राकांपा के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल और अन्य नेता मौजूद रहे। 35 वर्षीय पार्थ पवार राकांपा नेता अजीत पवार के पुत्र हैं, जिनका विगत 28 जनवरी को एक विमान हादसे में निधन हो गया था। इससे पहले उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार राज्यसभा सदस्य चुनी गई थीं, लेकिन महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद पार्थ पवार को राज्यसभा के लिए चुना गया। इससे पहले पार्थ पवार ने 2019 में मावल लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

सिख विरोधी दंगा : जगदीश टाइटलर के खिलाफ मामले में एक गवाह का बयान दर्ज

लोकतंत्र की शान

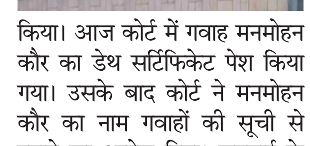

नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट में गुरुवार को 1984 सिख विरोधी दंगों से जुड़े पुलबंगश गुरुद्वारा हिंसा के आरोपित जगदीश टाइटलर के खिलाफ दर्ज मामले में एक गवाह का बयान दर्ज किया गया। स्पेशल जज जीतेंद्र सिंह ने मामले की अगली सुनवाई 24 अप्रैल को करने का आदेश दिया। आज गवाह निधि भारद्वाज के बयान दर्ज किए गए। आरोपित जगदीश टाइटलर की ओर से पेश वकील अनिल कुमार शर्मा ने निधि भारद्वाज का क्रास-एग्जामिनेशन किया। आज कोर्ट में गवाह मनमोहन कौर का डेथ सर्टिफिकेट पेश किया गया। उसके बाद कोर्ट ने मनमोहन कौर का नाम गवाहों की सूची से हटाने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान सीबीआई ने गृह मंत्रालय के अंडर सेक्रेटरी सीपी विनोद कुमार को अगले गवाह के रुप में समन जारी करने की मांग की, जिसके बाद कोर्ट ने विनोद कुमार को 24 अप्रैल को अपने बयान दर्ज कराने के लिए समन जारी करने का आदेश दिया। कोर्ट ने 4 अगस्त, 2023 को जगदीश टाइटलर को अग्रिम जमानत दी थी। कोर्ट ने 26 जुलाई, 2023 को जगदीश टाइटलर के खिलाफ दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। सीबीआई ने इस मामले में टाइटलर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 147, 109 और 302 के तहत आरोप लगाया है। सीबीआई के मुताबिक टाइटलर ने भीड़ को उकसाया था, जिसके बाद भीड़ ने पुलबंगश के गुरुद्वारे में आग लगा दी थी।

संक्षिप्त समाचार

व्यापारी सुरक्षा फोरम 74/22 ने पुरानी हसनपुर गैस एजेंसी के खिलाफ खोला मोर्चा, सप्लाई इंस्पेक्टर का किया घेराव

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुर: गुरुवार को व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान 74/22 के पदाधिकारी ने पुरानी हसनपुर गैस एजेंसी हसनपुर की मनमानी रोकने और गैस की होम डिलीवरी सुचारु करने और केवाईसी में हो रही दिक्कतों के समाधान के न होने को लेकर हसनपुर सप्लाई इंस्पेक्टर मोहित कुमार का घेराव कर सभी समस्याओं से अवगत कराया गया एवं प्रस्ताव रखा की जो भी व्यक्ति अपने गैस के कनेक्शन पुरानी गैस एजेंसी से नई गैस एजेंसी सचिन गैस एजेंसी पर ट्रांसफर करना चाहे उस उपभोक्ता को नई एजेंसी पर ट्रांसफर कर दिया जाए जिसे लेकर सप्लाई इंस्पेक्टर ने कहा कि जो भी उपभोक्ता अपनी गैस का कनेक्शन ट्रांसफर करना चाहते हैं नई एजेंसी पर उनकी एक लिस्ट बनाकर दे दी जाए, वही उन्होंने आश्वासन दिया कि आज से होम डिलीवरी भी सुचारू रूप से की जाएगी, सप्लाई इंस्पेक्टर का घेराव करने करने वालों में प्रदेश महामंत्री मुकेश गुप्ता, जिला संगठन मंत्री सचिन गुप्ता, पंकज भटनागर, रानू रस्तोगी, प्रशांत शर्मा, लोकेश अग्रवाल, कृष्ण कुमार, प्रमोद अग्रवाल, अंकित गुप्ता, राहुल गुप्ता, भारत लाल प्रजापति आदि सहित दर्जनों व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान 74/22 के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे l

बरसात, ओलावृष्टि, आंधी तूफान से किसानों को हुए नुकसान की भरपाई करें सरकार: शमशेर सैफी

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा: अमरोहा /हसनपुर: भारतीय किसान यूनियन भारत भूमि के जिला अध्यक्ष शमशेर सैफी ने उत्तर प्रदेश में बेमौसम बरसात, ओलावृष्टि, आंधी तूफान से किसानों को हुए भारी नुकसान की भरपाई के लिए उत्तर प्रदेश सरकार से किसानों को अधिक से अधिक मुआवजा देने की मांग की है, बता ते चले कि उत्तर प्रदेश में बेमौसम बरसात एवं आंधी तूफान ओलावृष्टि के चलते किसानों की खड़ी फसल को भारी नुकसान हुआ है जिससे किसानों के सामने आर्थिक संकट पैदा हो गया है जिसको लेकर विभिन्न किसान संगठन मुआवजे की मांग कर रहे हैं, इसी क्रम में भारतीय किसान यूनियन भारत भूमि के अमरोहा जिले के जिला अध्यक्ष शमशेर अली सैफी ने उत्तर प्रदेश सरकार से किसानों को बेमौसम बरसात ओलावृष्टि आंधी तूफान से हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई करने की मांग की है तथा उन्होंने कहा कि यदि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जल्द ही किसानों को हुए नुकसान की भरपाई उचित मुआवजे के साथ नहीं की गई तो उनका संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगा, साथ ही भारतीय किसान यूनियन भारत भूमि के जिला अध्यक्ष शमशेर अली सैफी ने क्षेत्र में अवैध रूप से मिट्टी के खनन तथा हरे-भरे आम के बाग के कटान को लेकर भी अपना विरोध दर्ज कराया है l

आईपीएस आलोक कुमार भाटी का संभल से तबादला, मनोज कुमार रावत बने संभल के नए अपर पुलिस अधीक्षक

लोकतंत्र की शान : संभल। जनपद संभल में तैनात आईपीएस अधिकारी आलोक कुमार भाटी का तबादला कर दिया गया है। अब उन्हें आजमगढ़ जनपद में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके कार्यकाल के दौरान कानून-व्यवस्था को लेकर कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए, जिसकी सराहना भी की गई। वहीं, उनकी जगह मनोज कुमार रावत को संभल का नया अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) नियुक्त किया गया है। मनोज कुमार रावत इससे पहले गोंडा जनपद में तैनात थे और अब उन्हें संभल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रशासनिक स्तर पर हुए इस फेरबदल को लेकर पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई है। नए अपर पुलिस अधीक्षक से जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने की उम्मीद जताई जा रही है।

देहरादून से लौट रही बारात बनी हादसे का शिकार रोडवेज से भीषण टक्कर में मची चीख-पुकार

लोकतंत्र की शान : खिज़र अहमद , नजीबाबाद। खुशियों के बीच लौट रही एक बारात मंगलवार शाम दर्दनाक हादसे का शिकार हो गई। देहरादून से नांगल सोती लौट रही बारातियों से भरी बस की गैंडीखाता के पास सामने से आ रही रोडवेज बस से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर चीख-पुकार मच गई और पूरा इलाका दहल उठा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नांगल सोती क्षेत्र के ग्राम शहजादपुर निवासी नजीर के पुत्र सलमान की बारात देहरादून गई थी। वापसी के दौरान गैंडीखाता के पास यह हादसा हुआ। हादसे में बस में सवार दर्जनों बाराती घायल हो गए, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। टक्कर के बाद बारातियों की बस का चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया। स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला गया। चालक के दोनों पैर टूट गए हैं, जिसे गंभीर हालत में हरिद्वार के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं और सभी घायलों को तत्काल मंडावली स्थित ओम चौधरी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

तुलसी नगर आवासीय योजना नगर पालिका को होगी हस्तान्तरित

लोकतंत्र की शान :बांदा। विकास प्राधिकरण द्वारा तिन्दवारी रोड से चिल्ला रोड को जाने वाले छोटे बाईपास पर 36 मीटर रोड पर 19.12 हेक्टेयर में तुलसी नगर आवासीय योजना विकसित की गयी है। उ०प्र० नगर योजना एवं विकास अधिनियम 1973 की धारा 34 के अन्तर्गत विकास प्राधिकरणों को उनके द्वारा विकसित की गयी कालोनियों को स्थानीय निकायों तथा जल संस्थानों को हस्तान्तरित किये जाने का प्राविधान है। जिस हेतु बांदा विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित तुलसी नगर आवासीय योजना को नगर पालिका परिषद बांदा को हस्तान्तरण किया जाना है। योजना को नगर पालिका परिषद, बांदा को हस्तान्तरित किये जाने की स्वीकृति बांदा विकास प्राधिकरण की 73वीं बोर्ड बैठक में प्रदान की गयी है। बोर्ड की स्वीकृति के क्रम में तुलसी नगर आवासीय योजना नगर पालिका परिषद, बांदा को हस्तगत की जानी है। तुलसी नगर आवासीय योजना में कतिपय स्थानों पर मरम्मत / जीर्णोद्धार आदि का कार्य कराया जाना है जिस हेतु नगर पालिका परिषद द्वारा कराये जाने वाले कार्यों का आगणन तैयार प्राक्कलन की धनराशि रू0 533.54 लाख से प्राधिकरण को अवगत कराया गया है। जिसके क्रम में नगर पालिका परिषद, बांदा को वित्तीय वर्ष 2026-27 में 300.00 लाख की धनराशि हस्तान्तरित की जानी है एवं अवशेष धनराशि उपभोग प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के उपरान्त उपलब्ध करा दी जायेगी जिसकी स्वीकृति जिलाधिकारी द्वारा प्रदान की जा चुकी है।

सीएम योगी के निर्देश पर उप मुख्यमंत्री व कृषि मंत्री ने किया हवाई सर्वे

लोकतंत्र की शान

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक और कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने गुरुवार को आपदा से सर्वाधिक प्रभावित बाराबंकी, अयोध्या, अंबेडकरनगर, आजमगढ़, अमेठी, सुल्तानपुर, फतेहपुर, उन्नाव तथा लखनऊ जनपदों का हवाई सर्वेक्षण किया। योगी सरकार ने प्रदेश में इस सप्ताह हुई असामयिक वर्षा, तेज हवाओं और चक्रवात के कारण किसानों की फसलों को हुए भारी नुकसान का जायजा लेने के लिए त्वरित कदम उठाए हैं।

किसानों के लिए खड़ी है सरकार – उप मुख्यमंत्री व कृषि मंत्री ने किसानों को आश्वस्त किया संकट की घड़ी में सरकार साथ खड़ी है। योगी सरकार पीड़ित किसानों को आर्थिक सहायता समेत हरसंभव मदद के लिए प्रतिबद्ध है। किसानों को बताया गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर फसल नुकसान की वास्तविक स्थिति का आकलन करने और किसानों को तत्काल राहत पहुंचाने के उद्देश्य से इन सभी जनपदों के प्रशासन को विस्तृत सर्वेक्षण करने के सख्त निर्देश जारी किए गए हैं।

आजमगढ़ व फतेहपुर में देखी जमीनी हकीकत – हवाई सर्वेक्षण के उपरांत आजमगढ़ तथा फतेहपुर जनपदों में स्थिति की जमीनी हकीकत परखने के लिए महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक भी आयोजित की गई। इन बैठकों में जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, उप निदेशक कृषि और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान फसल सर्वेक्षण कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा की गई और सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे पूरी तत्परता के साथ आपदा प्रभावित किसानों की फसलों का सर्वेक्षण कार्य शीघ्र पूर्ण कर शासन को विस्तृत आख्या प्रेषित करें, ताकि प्रभावित अन्नदाताओं को अविलंब राहत राशि उपलब्ध कराई जा सके।

बुनकरों की आय, सम्मान और स्थायित्व सुनिश्चित करना प्राथमिकता: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लोकतंत्र की शान

लखनऊ :- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बुनकर केवल परंपरा के संवाहक नहीं, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था के सशक्त आधार हैं। ऐसे में उनकी आय, सम्मान और आजीविका की स्थिरता सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बुनकरों के सामने कच्चे माल की बढ़ती लागत, डिजाइन और आधुनिक तकनीक का अभाव तथा सीमित बाजार पहुंच जैसी चुनौतियां हैं। इन समस्याओं का समाधान केवल योजनागत सहायता से नहीं, बल्कि एक सुदृढ़ एवं समन्वित तंत्र विकसित कर ही संभव है। मुख्यमंत्री ने इस दिशा में परिणामोन्मुख, क्लस्टर-आधारित नई कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। गुरुवार को हथकरघा विभाग की समीक्षा बैठक में अवगत कराया गया कि प्रदेश में लगभग 1.99 लाख बुनकर कार्यरत हैं और उत्तर प्रदेश इस क्षेत्र में देश में छठवें स्थान पर है। कालीन, दरी एवं मैट के उत्पादन में प्रदेश अग्रणी है, जबकि बेडशीट, फर्निशिंग और ब्लैंकेट जैसे उत्पादों में भी राज्य की मजबूत उपस्थिति है। वर्ष 2024-25 में देश का कुल हथकरघा निर्यात 1178.93 करोड़ रहा, जिसमें उत्तर प्रदेश का योगदान 109.40 करोड़ (लगभग 9.27 प्रतिशत) रहा।

पुल निर्माण के लिए आए सीमेंट को अवैध रूप से बेचे जाने को लेकर ग्रामीण ने किया हंगामा

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर: गुरुवार को कोतवाली क्षेत्र में पुल निर्माण सामग्री को कथित रूप से बेचने के आरोप को लेकर ग्रामीणों और भाकियू कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। इस दौरान पुलिस से तीखी नोकझोंक भी हुई। मामला गांव करनखाल का है, जहां पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा पूठ मार्ग पर पुल का निर्माण कराया जा रहा है। आरोप है कि निर्माण कार्य में इस्तेमाल होने वाला सीमेंट ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरकर कहीं और ले जाया जा रहा था। शक होने पर ग्रामीणों ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ लिया और तुरंत डायल 112 को सूचना दी।

सूचना पर भाकियू बीआर अंबेडकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय सिंह भाटी भी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद ग्रामीण ट्रैक्टर-ट्रॉली को लेकर कोतवाली पहुंच गए और ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने व संबंधित जेई के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग करने लगे।कोतवाली में ग्रामीणों और भाकियू कार्यकर्ताओं ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप है कि विभागीय कर्मचारियों की मिलीभगत से सीमेंट की कालाबाजारी की जा रही थी। वहीं, कार्यदायी संस्था के कर्मचारियों ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि निर्माण कार्य के दौरान सीमेंट की कमी होने पर पास की दुकान से 80 कट्टे उधार लिए गए थे, जिन्हें अब वापस किया जा रहा था।ग्रामीणों और भाकियू नेताओं ने एसडीएम से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

नजीबाबाद: मंडी समिति में अतिक्रमण पर बुलडोजर कार्रवाई, व्यापारियों में हड़कंप

लोकतंत्र की शान, खिज़्र अहमद

नजीबाबाद–कोटद्वार रोड स्थित मंडी समिति में आज प्रशासन ने अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलाया। बताया जा रहा है कि आपसी झगड़े और शिकायत के बाद प्रशासन हरकत में आया और मौके पर पहुंचकर अवैध कब्जों को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी। कार्रवाई के दौरान मंडी परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और व्यापारियों में हड़कंप मच गया। कई दुकानदारों और व्यापारियों ने प्रशासन से समय की मांग की, जिसके बाद मंडी कमेटी और व्यापारियों ने आपसी सहमति से खुद अतिक्रमण हटाने का आश्वासन दिया। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने फिलहाल कार्रवाई को रोक दिया है और व्यापारियों को अतिक्रमण हटाने के लिए कुछ समय दिया गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि अगर तय समय में अतिक्रमण नहीं हटाया गया या फिर दोबारा शिकायत मिली, तो सख्त कार्रवाई फिर से शुरू की जाएगी। मंडी सचिव ने भी कहा कि नियमों का पालन सभी के लिए अनिवार्य है और किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने व्यापारियों से अपील की कि वे स्वयं आगे आकर अतिक्रमण हटाएं, ताकि आगे किसी प्रकार की कड़ी कार्रवाई से बचा जा सके। प्रशासन ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर भविष्य में इस तरह की स्थिति दोबारा बनी, तो बिना किसी पूर्व सूचना के सीधे बुलडोजर कार्रवाई की जाएगी।

दीपा सराय (संभल): वार्ड संख्या 27 में सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण, जनप्रतिनिधियों ने दिए आवश्यक निर्देश

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल नगर पालिका परिषद क्षेत्र के दीपा सराय क्षेत्र में वार्ड संख्या 27 में चल रहे सड़क निर्माण कार्य का आज निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर चौधरी मुबाशिर खान (सदस्य, गुलज़ार, नगर पालिका परिषद संभल – वार्ड संख्या 27) मौके पर पहुंचे और कार्य की प्रगति का गहन अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य में प्रयुक्त सामग्री, गुणवत्ता एवं कार्य की गति को गंभीरता से परखा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदार को निर्देश दिए कि सड़क निर्माण कार्य पूरी पारदर्शिता, गुणवत्ता और निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए, ताकि आमजन को बेहतर सुविधा मिल सके। इस मौके पर चौधरी मुबाशिर अली खान (वरिष्ठ नेता, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन, ज़िला संभल) भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है और जनता की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्थानीय नागरिकों ने जनप्रतिनिधियों के इस सक्रिय एवं जिम्मेदार रवैये की सराहना करते हुए कहा कि क्षेत्र में सड़क, नाली एवं अन्य विकास कार्यों में तेजी आई है, जिससे लोगों को राहत मिल रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इसी प्रकार निरंतर निगरानी और प्रयासों से क्षेत्र का समग्र विकास होता रहेगा। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने दोनों जनप्रतिनिधियों की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे जमीनी स्तर पर जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को सुनते हैं और उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं।

बर्खास्त सिपाही ने युवती को प्रेम जाल में फंसाकर किया दुष्कर्म, गिरफ्तार

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर: गुरुवार को हसनपुर कोतवाली क्षेत्र से पुलिस की छवि को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक बर्खास्त सिपाही ने युवती को प्रेम जाल में फंसाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पीड़िता के अनुसार, आरोपी अखिलेश कुमार करीब तीन साल पहले हसनपुर कोतवाली में तैनात था। एक पारिवारिक मामले में मदद के बहाने उसने घर आना-जाना शुरू किया और वही युवती के अकेलेपन का फायदा उठाकर उसे अपने जाल में फंसा लिया। उसने शादी का झांसा देकर दबाव बनाया और विरोध करने पर जबरन दुष्कर्म किया। आरोपी ने वर्दी का रौब दिखाकर पीड़िता को धमकाया भी। जांच में सामने आया कि वह फर्जी प्रमाण पत्रों के आधार पर पुलिस में भर्ती हुआ था और 2025 में बर्खास्त कर दिया गया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

पूर्व हसनपुर मंडल अध्यक्ष ने पुरानी गैस एजेंसी पर लगाए गंभीर आरोप

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर: गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी हसनपुर मंडल के पूर्व अध्यक्ष संजय शर्मा ने हसनपुर नगर की पुरानी हसनपुर गैस एजेंसी हसनपुर पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि पुरानी हसनपुर गैस एजेंसी हसनपुर के द्वारा उपभोक्ताओं को बेहद परेशान किया जा रहा है उन्होंने आरोप लगाया कि पुरानी गैस एजेंसी द्वारा गैस ट्रांसफर के नाम पर उपभोक्ताओं को दूसरी एजेंसी पर भेजा जाता है जहां से घंटों लाइन में लगने के बाद ट्रांसफर ना होने की जानकारी होने पर उपभोक्ता परेशान होते हैं, उन्होंने जिलाधिकारी को पत्र के माध्यम से अवगत कराते हुए हसनपुर गैस एजेंसी को निरस्त किए जाने तथा एजेंसी के समस्त उपभोक्ताओं के कनेक्शन अन्य एजेंसी पर ट्रांसफर किए जाने को लेकर भी पत्र भेजा है, उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि पुरानी एजेंसी के द्वारा गैस ट्रांसफर होने के नाम पर उपभोक्ताओं को परेशान करते हुए गैस की जमकर कालाबाजारी की जा रही है तथा होम डिलीवरी भी नहीं की जा रही है तथा उपभोक्ताओ को एक दूसरे एजेंसी पर चक्कर लगवाए जा रहे हैं उन्हें गैस नहीं मिल पा रही है उच्च अधिकारियों के शिकायत करने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हो रही है तथा उपभोक्ताओं के साथ एजेंसी स्वामी दुर्व्यवहार कर रहे हैं, पूर्व मंडल अध्यक्ष संजय शर्मा ने जिला अधिकारी से अनुरोध करते हुए कहा है कि पुरानी हसनपुर गैस एजेंसी हसनपुर के विरुद्ध कठोर से कठोर कार्रवाई करके आम नागरिकों को राहत प्रदान की जाए l

नन्हें मियां दरगाह का 97वां उर्स मुबारक धूमधाम से शुरू

» **खुर्शीद मंसूरी ने फीता काटकर किया शुभारंभ, कव्वालियों से सजी महफिल-ए-शमा और लंगर में उमड़ी अकीदतमंदों की भीड़**

लोकतंत्र की शान, खिज़्र अहमद

नजीबाबाद। मोहल्ला पाईबाग स्थित नन्हें मियां दरगाह हजरत बाबा नन्हें मियां चिश्ती रहमतुल्लाह अलैह का 97वां उर्स मुबारक हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़े ही शान-ओ-शौकत और अकीदत के साथ मनाया जा रहा है। उर्स के पहले दिन बुधवार को कार्यक्रम का शुभारंभ साहनपुर चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी ने फीता काटकर किया। इस दौरान उन्होंने अपनी ओर से दरगाह पर अकीदत की चादर भी पेश की और देश में अमन-चैन की दुआ मांगी। इसके बाद नमाज अदा की गई और गरीबों में लंगर तकसीम किया गया। नमाज-ए-ईशा के बाद महफिल-ए-शमा का आयोजन किया गया, जिसमें मशहूर कव्वाल जफर यूनुस साबरी, शौकत अली राहत मंडावर और अरमान साबरी सहित अन्य कलाकारों ने अपने-अपने कलाम पेश कर सूफियाना माहौल बना दिया। कव्वालियों ने महफिल में मौजूद अकीदतमंदों को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम के दौरान अजीम अख्तर, सूफी नजाकत अली, बाबा मो. हसन, डॉ. जुनैद अंसारी, इदरीस अब्बासी, अब्बास खलीफा, शरीफ अहमद उर्फ मनू खलीफा, कामरान अली अंसारी और शराफत चौधरी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। उर्स के दौरान क्षेत्र में धार्मिक माहौल बना हुआ है और बड़ी संख्या में अकीदतमंद दरगाह पर पहुंचकर दुआएं मांग रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

हरभजन सिंह ने वैभव सूर्यवंशी को किया सेल्यूट, बुमराह की पहली बॉल पर मारा था छक्का

लोकतंत्र की शान : पटना। IPL में मुंबई के खिलाफ मैच में राजस्थान के वैभव सूर्यवंशी ने दुनिया के शीर्ष गेंदबाजों में शुमार जसप्रीत बुमराह की पहली गेंद पर छक्का जड़ा था। इसपर अब उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया दी है। वैभव ने कहा कि मैं बस यही कोशिश कर रहा था कि बॉलर को न देखकर बॉल को खेलने का ट्राई करूं। इतने बड़े बॉलर सामने थे तो मैं नर्वस जरूर था, लेकिन मैं खेलने का ट्राई कर रहा था। इसलिए मैंने बुमराह को न देखकर बॉल को देखा।मेरे लिए यह यादगार पल रहेगा कि बुमराह की पहली बॉल पर छक्का मारा था। मुझे यशस्वी जायसवाल ने बोला था कि मारते रहो। वहीं, उनके इस प्रदर्शन पर हरभजन सिंह ने उन्हें सेल्यूट किया। वैभव सूर्यवंशी ने जसप्रीत बुमराह, शार्दुल ठाकुर और ट्रेंट बोल्ट की पहली गेंद पर छक्का जड़ा था। हालांकि उन्हें ट्रेंट बोल्ट के खिलाफ मारे गए सिक्स ज्यादा पसंद आए। वैभव की इस धमाकेदार पारी की खूब तारीफ हुई। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने वैभव सूर्यवंशी से मिलकर उनकी सराहना करते नजर आए। हार्दिक ने वैभव को सीने पर हाथ ठोककर शाबाशी दी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। मैच के बाद उन्होंने कहा, 16 या 17 साल के लड़के को इस तरह निडर होकर खेलते देखना वाकई अद्भुत है। हमारे पास वैभव सूर्यवंशी के लिए कोई खास योजना नहीं थी। वह बिल्कुल 'आउट ऑफ सिलेबस' खिलाड़ी निकले और उन्होंने बेहद शानदार खेल दिखाया। वैभव सूर्यवंशी ने जसप्रीत बुमराह के ओवर में 2 सिक्स लगाए थे। पहली ही गेंद पर उन्होंने लॉन्ग-ऑन के ऊपर से शानदार सिक्स लगाया था। इसके बाद शॉर्ट गेंद पर पुल शॉट खेलते हुए डीप स्क्वेयर लेग के पार सिक्स लगा दिया। इसके अलावा उन्होंने शार्दुल ठाकुर और ट्रेंट बोल्ट के पहले बॉल पर भी छक्का मारा था। वैभव सूर्यवंशी ने 14 बॉल पर 39 रन बनाया था। वैभव की पारी में 5 छक्के और 1 चौके शामिल हैं।

पूर्व असिस्टेंट इंजीनियर की संपत्ति 295 प्रतिशत अधिक, बेउर जेल में हैं बंद

लोकतंत्र की शान : पटना। बेतिया के पूर्व असिस्टेंट इंजीनियर रौशन कुमार घूस लेने के आरोप में जेल में बंद हैं। इधर, उनकी संपत्ति उनकी सरकारी सैलरी से 295 प्रतिशत अधिक मिली है। इस वजह से रौशन कुमार की मुसिबत और अधिक बढ़ गई है। उनके ऊपर कानूनी शिकंजा और ज्यादा कस गया है। रौशन कुमार के खिलाफ स्पेशल विजिलेंस यूनिट (SVU) ने आय से अधिक संपत्ति का दूसरा केस दर्ज किया है। पुलिस को उनके बेतिया स्थित घर से करीब 42 लाख 500 रुपए मिले हैं। रंगे हाथ रिश्वत में 5 लाख रुपए और स्मार्ट वॉच लेते हुए SVU की टीम ने इन्हें 1 मार्च को बेतिया में छापेमारी कर पकड़ा था। तब इनके उपर प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के तहत पहला केस दर्ज किया गया था। तब से रौशन पटना के बेउर जेल में बंद हैं। ADG पंकज कुमार दाराद ने नई FIR 12/2026 दर्ज किए जाने की पुष्टि की है। रौशन कुमार की असिस्टेंट इंजीनियर की नौकरी परमानेंट नहीं थी। शिक्षा विभाग में कॉन्ट्रैक्ट पर नौकरी हुई थी। बेतिया के जिला शिक्षा परियोजना पदाधिकारी कार्यालय में पोस्टिंग थी। उनकी सैलरी मात्र 40 हजार रुपए की थी। SVU के अनुसार, अक्टूबर 2023 में नौकरी लगने के बाद से लेकर गिरफ्तार किए जाने तक में कुल 29 महीने ही रौशन ने काम किया। इसी बीच कुल सैलरी 11 लाख 60 हजार रुपए रही। इसमें 3 लाख 86 हजार 666 रुपए इसने खर्च किए। इनकी कुल बचत 7 लाख 73 हजार 334 रुपए रही। बावजूद इसके जब जांच एजेंसी की टीम ने इसके बेतिया स्थित रौशन के घर पर छापेमारी की थी, तब एक कार्टून के अंदर से 42 लाख 500 रुपए कैश बरामद हुए थे। इसी आधार पर SVU ने 34 लाख 27 हजार 166 रुपए आय से अधिक संपत्ति का नया केस 8 अप्रैल को दर्ज किया। जो रौशन की आमदनी से 295 प्रतिशत अधिक है।

चोरी गिरोह सहित 8 अपराधी गिरफ्तार, 2 बाइक बरामद, जानलेवा हमले के आरोपी भी पकड़े गए

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने बिदुपुर थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए चोरी गिरोह सहित विभिन्न मामलों में कुल आठ अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान पुलिस ने चोरी की दो मोटरसाइकिलें भी बरामद की हैं। बिदुपुर थाना पुलिस ने 7 अप्रैल 2026 को चोरी की दो मोटरसाइकिलों के साथ चार अभियुक्तों को पकड़ा। इनकी पहचान अमित कुमार, कुंदन सिंह, मिट्टू कुमार और शैलेंद्र कुमार के रूप में हुई है। ये सभी चोरी गिरोह के सदस्य बताए जा रहे हैं। इससे पहले, 5 अप्रैल 2026 को बिदुपुर थाना क्षेत्र के फुलपुरा में एक व्यक्ति पर जानलेवा हमला करने के आरोप में तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। इनमें सतीश कुमार (पिता सुनील कुमार), रितेश कुमार (पिता सुरेंद्र राय) और अनिल राय (पिता बुलाकी राय) शामिल हैं। एसडीपीओ सुबोध कुमार ने बताया कि बिदुपुर थाना क्षेत्र से विभिन्न कांडों में फरार चल रहे आठ अभियुक्तों को थाना अध्यक्ष के नेतृत्व में गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने पुष्टि की कि गिरफ्तार किए गए आठ में से चार अभियुक्त पेशेवर चोर हैं और उनके पास से दो चोरी की बाइक बरामद हुई हैं। तीन अन्य को हत्या के प्रयास के आरोप में पकड़ा गया है। एक अन्य मामले में, बिदुपुर थाना कांड संख्या 21/24 के तहत चोरी के आरोप में संजीत कुमार (पिता रामबालक शर्मा) को भी गिरफ्तार किया गया है। यह मामला एक गैराज से चोरी के सामान की बरामदगी से जुड़ा है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में अमित कुमार, कुंदन सिंह, मिट्टू कुमार (सभी मथुरापुर, बिदुपुर), शैलेंद्र कुमार (कुतुबपुर, बिदुपुर), सतीश कुमार, रितेश कुमार, अनिल राय (सभी फुलपुरा, बिदुपुर) और संजीत कुमार (दाउदनगर, बिदुपुर) शामिल हैं।

2 आरोपी अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार, जमीन विवाद में दूसरे को फंसाने की थी साजिश

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले के जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र से पुलिस ने दो व्यक्तियों को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। ये दोनों एक जमीन विवाद में दूसरे व्यक्ति को फंसाने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस को 8 अप्रैल, 2026 को गुप्त सूचना मिली थी कि रामपुर करारी बरारी स्थित वकील राय के दालान में अवैध हथियार छिपाए गए हैं। वैशाली पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-1, हाजीपुर, श्री सुबोध कुमार के नेतृत्व में जुड़ावनपुर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। पुलिस टीम के मौके पर पहुंचने पर, दालान से कपूरी राय और गुड्डू कुमार भागने लगे, जिन्हें पीछा कर पकड़ लिया गया। दालान की तलाशी के दौरान, भूसे के बोरे के नीचे कपड़े में लिपटा एक देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्तों ने स्वीकार किया कि उनका वकील राय से जमीन का विवाद चल रहा है। उन्होंने बताया कि वे वकील राय को फंसाने के उद्देश्य से अवैध आग्नेयास्त्र को दालान में छिपाने गए थे, तभी पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में जुड़ावनपुर थाना कांड संख्या 78/26 दर्ज किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। पुलिस उनके आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान कपूरी राय (पिता बालेश्वर राय) और गुड्डू कुमार (पिता बिंदेश्वर राय) के रूप में हुई है। दोनों रामपुर करारी बरारी, वार्ड-08, थाना-जुड़ावनपुर, जिला-वैशाली के निवासी हैं।

LPG आपूर्ति और सिटी गैस विस्तार की समीक्षा, लंबित मामलों पर सख्त निर्देश

लोकतंत्र की शान

सहरसा | मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता: जिला पदाधिकारी सहरसा की अध्यक्षता में जिले में रसोई गैस (LPG) की उपलब्धता एवं सिटी गैस पाइपलाइन (PNG) के विस्तार को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई। बैठक में तीनों तेल कंपनियों के क्षेत्रीय प्रबंधक, जिले की गैस वितरण एजेंसियों के संचालक, प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं सिटी गैस के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक के दौरान सिटी गैस पाइपलाइन विस्तार में आ रही बाधाओं पर विशेष चर्चा की गई। रेलवे से संबंधित अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) के लिए आवश्यक राशि अब तक जमा नहीं किए जाने पर जिला पदाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए Indian Oil Corporation (IOCL) के प्रतिनिधि को तत्काल राशि जमा करने का सख्त निर्देश दिया। वहीं, लाइसेंस से जुड़ी बाधाओं को 24 घंटे के भीतर दूर करने को कहा गया। सिटी गैस प्रतिनिधियों ने बताया कि जिन उपभोक्ताओं ने राशि जमा कर दी है, उनके घरों में कनेक्शन देने का कार्य तेजी से चल रहा है। LPG सिलेंडर वितरण व्यवस्था की समीक्षा के दौरान पाया गया कि जिले में कुल 18,182 बुकिंग लंबित हैं। कंपनीवार आंकड़ों के अनुसार इंडेन में 8,291, एचपी गैस में 7,387 तथा भारत गैस में 2,504 बुकिंग पेंडिंग हैं। जिला पदाधिकारी ने इन लंबित मामलों को जल्द से जल्द निपटाने के निर्देश दिए। खराब प्रदर्शन करने वाली एजेंसियों पर भी सख्ती दिखाई गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि प्रतिदिन प्राप्त होने वाले सिलेंडरों का शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित किया जाए और गोदाम में कोई भी स्टॉक लंबित न रहे। शहर की 'स्मार्ट इंडेन' एजेंसी को विशेष रूप से चेतावनी देते हुए वेंडरों की संख्या बढ़ाने और वितरण में सुधार लाने का निर्देश दिया गया। अन्यथा संबंधित तेल कंपनी को कार्रवाई की अनुशंसा की जाएगी। इसके अलावा सभी वितरकों को निर्देश दिया गया कि वे 'बैकलॉग डेज' को न्यूनतम स्तर पर लाएं ताकि उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध हो सके। जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि गैस आपूर्ति में किसी भी प्रकार की लापरवाही या कालाबाजारी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी नियमित रूप से वितरण केंद्रों का निरीक्षण करते रहेंगे।

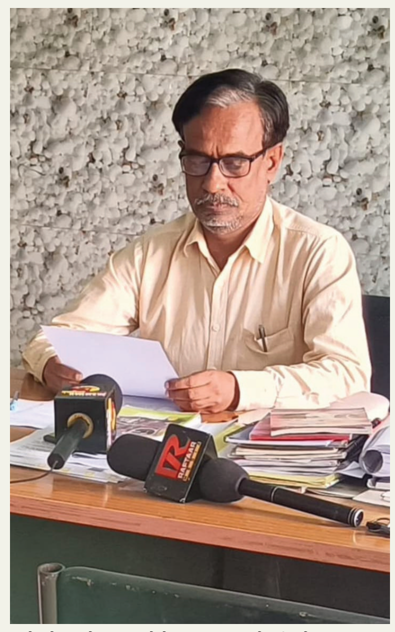

19 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट, बिजली गिरने की भी आशंका

लोकतंत्र की शान, पटना

बिहार में प्री-मानसून का सबसे खतरनाक सिस्टम 'काल वैशाखी' एक्टिव हो गया है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के लिए राज्य के अधिकांश हिस्सों, विशेषकर उत्तर और पूर्वी बिहार में ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। बुधवार रात से गुरुवार तक 40 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने, बिजली गिरने और ओलावृष्टि की आशंका है। बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी और उत्तर-पश्चिमी चक्रवातीय सिस्टम के मिलन से यह स्थिति बनी है, जिससे पारा 4 डिग्री तक लुढ़क सकता है। हालांकि, 10 अप्रैल के बाद से फिर से मौसम ठीक हो सकता है।

राज्य में मौसम के दो रंग दिखे। एक तरफ कैमूर (भभुआ) 38.1 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा, वहीं पटना में दोपहर बाद हुई हल्की बारिश से मौसम सुहावना हो गया। यहां का पारा 29 डिग्री दर्ज किया गया। सबसे ज्यादा बारिश औरंगाबाद के कुटुंबा (2.6 मिमी) में हुई।

बुधवार को 11 जिलों में हुई बारिश: बीते 24 घंटे में पटना पटना, बांका, गोपालगंज-बेगूसराय समेत 11 जिलों में बारिश हुई। पटना में सुबह हल्की बूंदाबांदी हुई, जबकि दोपहर बाद तेज बारिश ने मौसम को सुहावना बना दिया। वहीं, 34.3 डिग्री अधिकतम तापमान के साथ छपरा सबसे गर्म जिला रहा। बारिश और आंधी की वजह से अधिकतम तापमान में कमी आई है। हालांकि 11 अप्रैल बाद फिर गर्मी शुरू हो जाएगी।

मौसम विभाग के अनुसार, यह बदलाव अभी थमने वाला नहीं है। एक-दो दिन ऐसे ही हालात बने रहेंगे। इस दौरान कई जगहों पर तेज बारिश, आंधी और बिजली गिरने की घटनाएं हो सकती हैं, जिससे लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा का शुभारंभ, जन-जागरूकता पर जोर

लोकतंत्र की शान

सहरसा | मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता: जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आज राष्ट्रीय पोषण मिशन के अंतर्गत पोषण पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति में पोषण से जुड़ी गतिविधियों को जन-आंदोलन के रूप में संचालित करने पर बल दिया गया। इस वर्ष पोषण पखवाड़ा के तहत पाँच प्रमुख उद्देश्यों को निर्धारित किया गया है। इनमें माता एवं शिशु के समुचित पोषण पर विशेष ध्यान देते हुए संतुलित आहार सुनिश्चित करना, 0 से 3 वर्ष तक के बच्चों के मस्तिष्क विकास के लिए प्रारंभिक प्रोत्साहन देना, 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए खेल आधारित शिक्षा को बढ़ावा देना, बच्चों के स्क्रीन टाइम को कम करने में अभिभावकों की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करना तथा आंगनवाड़ी केंद्रों को मजबूत बनाने के लिए सामुदायिक सहयोग बढ़ाना शामिल है। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों—आईसीडीएस, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पंचायती राज विभाग, ग्रामीण विकास विभाग एवं कल्याण विभाग—को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने स्तर पर निर्धारित गतिविधियों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। साथ ही पोषण अभियान के डैशबोर्ड पर प्रतिदिन लक्ष्य के अनुरूप आंकड़ों की प्रविष्टि करने का भी निर्देश दिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त, पंचायत राज पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, श्रम अधीक्षक, निदेशक डीआरडीए, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला अल्पसंख्यक पदाधिकारी सहित सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

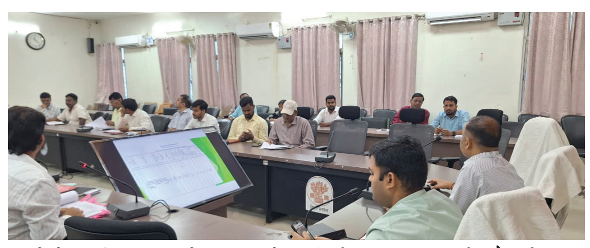

'बिहार में हो सम्राट सरकार' पोस्टर फाड़ा, फाड़ने से एक घंटे पहले ही लगा था बैनर

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना में भाजपा कार्यालय के बाहर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को सीएम बनाने की मांग वाला पोस्टर लगा था। पोस्टर लगने के मात्र 1 घंटे बाद ही उसे फाड़ दिया गया। पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पोस्टर हटाए। भाजपा कार्यालय के बाहर वाल्मीकि समाज संघ की ओर से यह पोस्टर लगाए गए थे, जिसमें सम्राट चौधरी को बिहार का अगला मुख्यमंत्री बनाने की मांग की गई थी। पोस्टर लगने के कुछ ही समय बाद कुछ भाजपा कार्यकर्ताओं ने फाड़ दिया।

भाजपा के मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल ने कहा कि पार्टी को इस पोस्टर के बारे में कोई जानकारी नहीं है। पोस्टर किसने लगाया और किसने फाड़ा, इसकी जानकारी भाजपा को नहीं है। यह किसी बाहरी व्यक्ति का काम हो सकता है और पार्टी का इससे कोई लेना-देना नहीं है। भाजपा एक बड़ी और अनुशासित पार्टी है, जहां किसी भी बड़े फैसले जैसे मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार तय करने का निर्णय सामूहिक रूप से लिया जाता है।

गुटबाजी की अटकलों को मिला बल: पोस्टर फाड़े जाने की घटना के बाद यह चर्चा तेज हो गई कि भाजपा में सम्राट चौधरी की सीएम दावेदारी को लेकर मतभेद उभर रहे हैं। एक ओर जहां कुछ वर्ग उन्हें मुख्यमंत्री पद के लिए मजबूत दावेदार के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर इस तरह के पोस्टरों का विरोध पार्टी के अंदरूनी मतभेद को उजागर कर रहे है।

भाजपा ने बता दिया, उसे पीछड़ा वर्ग की राजनीति नहीं चाहिए: राजद प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि पोस्टर बेजीपी के कर्मचारी से फड़वाया गया है।

आधारभूत संरचना विकास की समीक्षा बैठक, योजनाओं को समय पर पूरा करने के सख्त निर्देश

लोकतंत्र की शान

सहरसा | मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता: स्थानीय विकास भवन में जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार की अध्यक्षता में आधारभूत संरचना विकास से संबंधित एक महत्वपूर्ण समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न तकनीकी विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की वर्तमान प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक के दौरान बुडको द्वारा नगर निगम क्षेत्र में निर्माणाधीन शवदाह गृह के शेष कार्य को इस माह के अंत तक पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। साथ ही जलापूर्ति योजना की समीक्षा करते हुए आवश्यक मरम्मती कार्यों को अविलंब पूरा करने को कहा गया। बिहार पुलिस भवन निर्माण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा में बताया गया कि निर्माणाधीन पांच थाना भवनों में से चार का कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि एक में कार्य प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त यातायात थाना एवं लगभग सौ महिला सिपाहियों के लिए बनाए जा रहे बैरक सहित अन्य परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। कोशी तटबंध से जुड़े कार्यों की समीक्षा करते हुए पूर्वी एवं पश्चिमी कोशी तटबंधों (कोपरिया, सुपौल, निर्मली आदि) पर बाढ़ सुरक्षा से संबंधित सभी कार्यों को निर्धारित मानकों के अनुसार समय पर पूरा करने का निर्देश दिया गया। कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल को कर्पूरी ठाकुर छात्रावास में आवश्यक मरम्मती कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही तिलावे नदी की उड़ाही (सफाई) कार्य की प्रगति पर चर्चा करते हुए शेष कार्य को इस माह के अंत तक सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने को कहा गया। जिलाधिकारी ने सभी तकनीकी विभागों को योजनाओं के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में उप विकास आयुक्त श्री गौरव कुमार, जिला योजना पदाधिकारी श्री विशाल राघव, विभिन्न विभागों के कार्यपालक अभियंता एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

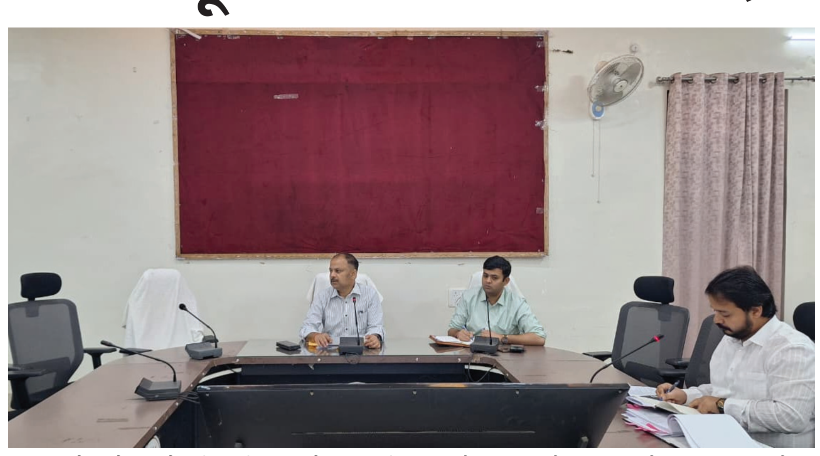

कांग्रेस के नेशनल टैलेंट हंट प्रोग्राम का आज समापन

लोकतंत्र की शान, पटना

कांग्रेस के नेशनल टैलेंट हंट प्रोग्राम का आज समापन होगा। दो महीने से चले आ रहे इस प्रोग्राम में तीन पदों के लिए प्रतियोगिता हुई। इसमें 9100 लोगों ने अप्लाई किया था, जिसमें 100 लोगों को शॉर्टलिस्ट करके फाइनल राउंड के लिए बुलाया गया था। बिहार में नेशनल टैलेंट हंट के प्रभारी अभय दुबे ने कहा कि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे चाहते हैं कि सभी को कांग्रेस पार्टी में समान अवसर मिले।

उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी के द्वार सभी जाति, धर्म, वर्ग के लोगों के लिए समान तरीके से खुले। इसलिए हमने राष्ट्रियव्यापी टैलेंट हंट प्रोग्राम की शुरुआत की थी और इसमें से 17 राज्यों में प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। बिहार में आज इस प्रोग्राम का समापन है। बिहार को हमने चार जोन- पटना, पूर्णिया, भागलपुर और मुजफ्फरपुर में बांटकर कार्यक्रम किया था। उसमें से चयनित लोगों को आज हम अंतिम रूप में विशेषज्ञों के साथ संवाद स्थापित करके प्रक्रिया को आकर दे रहे हैं।

इस पहल के अंतर्गत कांग्रेस पार्टी तीन प्रमुख क्षेत्रों में प्रतिभाओं की खोज कर रही थी। पहला मीडिया प्रवक्ता-पैनलिस्ट जो टीवी, डिजिटल प्लेटफॉर्म और सार्वजनिक मंचों पर स्पष्टता, विश्वसनीयता और अनुशासन के साथ पार्टी का पक्ष रख सकें।

शिक्षक भर्ती पर भ्रम फैलाकर झूठा क्रेडिट लूटने की कोशिश में तेजस्वीः उमेश कुशवाहा

लोकतंत्र की शान, पटना

बिहार जनता दल (यूनाइटेड) (जदयू) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव पर पलटवार करते हुए कहा कि शिक्षक भर्ती को लेकर वे भ्रम फैलाकर झूठा क्रेडिट लेने का प्रयास कर रहे हैं। सच्चाई यह है कि राजद कोटे से तत्कालीन शिक्षा मंत्री महीनों तक अपने विभागीय दफ्तर से नदारद रहे और भर्ती प्रक्रिया में लगातार अड़चनें पैदा करने की कोशिश की गई।<कुशवाहा ने गुरुवार को बयान जारी कर कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति के कारण ही शिक्षा विभाग में लाखों शिक्षकों की बहाली संभव हो सकी और युवाओं को बड़े पैमाने पर सरकारी नौकरियां दी गईं। कुशवाहा ने निशाना साधते हुए कहा कि झूठा श्रेय लेने की राजनीति करने वाले तेजस्वी यादव को यह बताना चाहिए कि उनके माता-पिता के 15 वर्षों के शासनकाल में कितने शिक्षकों की बहाली हुई थी? सच्चाई यह है कि उस दौर में शिक्षकों की नियुक्ति नाममात्र की रही और राज्य में छात्र-शिक्षक अनुपात बेहद दयनीय स्थिति में पहुंच गया था। उस समय जहां 65 विद्यार्थियों पर मात्र एक शिक्षक उपलब्ध था, वहीं वर्तमान में यह अनुपात घटकर लगभग 35 विद्यार्थियों पर एक शिक्षक हो गया है।

उन्होंने कहा कि नीतीश सरकार ने शिक्षक बहाली के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया, जिसकी चर्चा देशभर में होती है। वर्ष 2024 में बिहार लोक सेवा आयोग के माध्यम से 2,38,744 शिक्षकों की नियुक्ति की गई, वहीं वर्ष 2025 में 36,947 प्रधान शिक्षक एवं 5,971 प्रधानाध्यापकों की बहाली की गई। इसके अतिरिक्त वर्ष 2006 में स्थानीय निकायों से नियोजित 3,68,000 शिक्षकों को सक्षमता परीक्षा के माध्यम से नियमित करने की प्रक्रिया भी चल रही है।

पटना में असम के सीएम का कांग्रेस ने पुतला फूंका

लोकतंत्र की शान, पटना

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए 'पागल' शब्द का इस्तेमाल किया था, प्रदेश कमेटी ने शर्मनाक कहा

पटना में कांग्रेस विरोध प्रदर्शन कर रही है। असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के लिए 'पागल' और 'सठियाया' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने इसे अपमानजनक, दलित विरोधी और शर्मनाक बताया है। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में हिमंता बिस्वा सरमा का पुतला दहन किया गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है।

राजेश राम बोले- दलितों का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे: बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि यह बताते हुए काफी दुख हो रहा है कि हमारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जो दलित समाज से आते हैं, उनके खिलाफ असम के मुख्यमंत्री ने अपमानजनक टिप्पणियां दी है, जिससे पूरे देश के दलित आहत है। दलितों पर बीजेपी और आरएसएस अत्याचार करती है और कराती है। हिमंता बिस्वा सरमा जैसे पागल व्यक्ति ने जिस तरह से अभद्र टिप्पणियां की है, वह पूरे देश के दलित समाज को अपमानित करने वाला है। बिहार के दलितों ने इसे बहुत गंभीरता से लिया है।

आज भी दलितों पर अत्याचार घोड़ी पर चढ़कर शादी करने की परंपरा से घृणित रहती है। आज भी दलितों के मूंछ रखने पर आरएसएस वालों को प्रॉब्लम होती है। मगर हमारे दलित समाज के लोग खड़गे जी के अपमान को कभी जाया नहीं होने देगी। मल्लिकार्जुन खड़गे ने देश के दलितों को मार्गदर्शन दिया है। यह सभी बातें कोई भी सभ्य समाज में तभी बोल सकता है जो मानसिक रोग से विक्षिप्त हो।

अगर संविधान में शपथ लेने वाले लोग ऐसा बोलेंगे तो सोच लीजिए कि बीजेपी की मानसिकता क्या है। इसके अलावा जिस तरह से उन्होंने पवन खेड़ा पर टिप्पणी की उसकी भी चर्चा नहीं की जा सकती है। इसके अलावा राजेश राम ने ऐलान किया है कि इस मामले पर कल बिहार कांग्रेस पूरे जिले में असम के मुख्यमंत्री का पुतला दहन करके विरोध प्रदर्शन करेगी।

संक्षिप्त समाचार

यमुनानगरःफॉरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर करोड़ों की ठगी, पांच के खिलाफ मामला दर्ज

लोकतंत्र की शान : यमुनानगर। यमुनानगर शहर में फॉरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर बड़े पैमाने पर ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि फर्जी कंपनी और नकली ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए निवेशकों को भारी मुनाफे का झांसा देकर तीन करोड़ रुपये से अधिक की राशि हड़प ली गई। पुलिस ने इस मामले में पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में यमुनानगर निवासी अजय शर्मा और जितेंद्र पराशर ने बताया कि वर्ष 2023 में उनकी मुलाकात यमुनानगर निवासी अमित खेडा से हुई। जिन्होंने खुद को विदेशी मुद्रा व्यापार का विशेषज्ञ बताते हुए निवेश पर असामान्य लाभ का दावा किया। इसके लिए "बीएफएक्स प्रो"और "ट्रेड मास्टर नाइन"नामक प्लेटफॉर्म का उपयोग किया गया, जिसमें निवेश की राशि को कई गुना बढ़ाकर दिखाया जाता था। आरोप है कि विश्वास जीतने के लिए शुरुआत में कुछ निवेशकों को सीमित भुगतान भी किया गया, जबकि बाद में अधिक धनराशि जमा करवाई गई। निवेशकों को आरटीजीएस, नकद, यूपीआई और क्रिप्टो माध्यमों से अलग-अलग खातों में पैसे भेजने के लिए प्रेरित किया गया।शिकायतकर्ताओं ने बताया कि आरोपियों ने रिश्तेदारों और परिचितों को भी इस योजना में जोड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि अगस्त 2025 के बाद अधिकांश निवेशकों को भुगतान बंद कर दिया गया। बार-बार मांग करने पर टालमटोल की गई और तकनीकी प्रक्रियाओं का हवाला दिया गया। बाद में एक बैठक में किस्तों में राशि लौटाने का आश्वासन दिया गया, लेकिन वह भी पूरा नहीं किया गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच आर्थिक अपराध शाखा की निगरानी में जारी है।

रेवाड़ी-रोहतक रेलवे लाइन पर मिला युवक का शव

लोकतंत्र की शान : रेवाड़ी। रेवाड़ी-रोहतक रेलवे लाइन पर गुरुवार सुबह एक व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान गांव करनावास निवासी करीब 40 वर्षीय सुरेंद्र के रूप में हुई है, जो अपने गांव में सैलून की दुकान चलाता था। घटना स्थल के पास ही उसकी बाइक खड़ी मिली है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, सुरेंद्र बुधवार शाम अपनी दुकान बंद करके घर के लिए निकला था, लेकिन देर रात तक वह घर नहीं पहुंचा। परिजनों को जब उसकी कोई जानकारी नहीं मिली तो उन्होंने पहले अपने स्तर पर उसकी तलाश की। काफी खोजबीन के बावजूद जब उसका कोई सुराग नहीं लगा, तो मामले की सूचना पुलिस को दी गई। गुरुवार सुबह रोहतक रेलवे लाइन पर गोकलगढ़ गांव के नहर के समीप उसका शव पड़ा होने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की तो शव की पहचान सुरेंद्र के रूप में हुई। शव के पास ही उसकी बाइक खड़ी मिली, जिससे घटना को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह आत्महत्या का मामला है, हादसा है या फिर इसके पीछे कोई और कारण है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है, जिसकी रिपोर्ट के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और घटनास्थल के आस-पास के संभावित साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि हर पहलू को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

ओखा-शकूरबस्ती-ओखा सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा 14 अप्रेल से

लोकतंत्र की शान : अजमेर। रेलवे द्वारा ग्रीष्मावकाश पर अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के दृष्टिगत ओखा-शकूरबस्ती-ओखा सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा का संचालन 14 अप्रेल 26 से किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जन सम्पर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार गाड़ी संख्या 09523, ओखा-शकूरबस्ती सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल 14 अप्रेल 26 से 30 जून 26 तक (12 ट्रिप) ओखा से प्रत्येक मंगलवार को 10.20 बजे रवाना होकर बुधवार को जयपुर स्टेशन पर 04.10 बजे आगमन व 04.20 बजे प्रस्थान कर 10.35 बजे शकूरबस्ती पहुँचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09524, शकूरबस्ती-ओखा सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल 15 अप्रेल 26 से 01 जुलाई 26 तक (12 ट्रिप) शकूरबस्ती से प्रत्येक बुधवार को 13.15 बजे रवाना होकर जयपुर स्टेशन पर 18.20 बजे आगमन व 18.30 बजे प्रस्थान कर गुरुवार को 13.00 बजे ओखा पहुँचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में द्वारका, खंभालिया, जामनगर , हापा, राजकोट, वांकानेर, सुरेन्द्रनगर, विरमगाम, महेसाना, ऊंझा, सिद्धपुर, पालनपुर, आबूरोड, फालना, मारवाड़, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधीनगर जयपुर, दौसा, बांदीकुई, अलवर, रेवाडी, गुडगाँव व दिल्ली कैंट स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में 01 सैकण्ड एसी, 02 थर्ड एसी, 01 थर्ड एसी इकोनोमी, 06 द्वितीय शयनयान, 04 साधारण श्रेणी, 01 पॉवरकार व 01 गार्ड डिब्बों सहित कुल 16 डिब्बे होंगे।

अवैध हथियारों के साथ दो आरोपी गिरफ्तारःपिस्टल—रिवॉल्वर और जिंदा कारतूस बरामद

लोकतंत्र की शान : जयपुर। राजधानी जयपुर में अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत जामडोली थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो युवकों को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने आरोपियों के पास से पिस्टल, रिवॉल्वर और जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) रंजीता शर्मा ने बताया कि जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की ओ से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत जामडोली थाना पुलिस ने सूचना के आधार पर जामडोली इलाके में दबिश देकर हनुमान मीणा (22) निवासी सुमेल,आगरा रोड और शिवनारायण उर्फ करूवा (19) निवासी धौलपुर हाल जेडीए कॉलोनी पालड़ी मीणा—को गिरफ्तार किया। जहां पुलिस ने तलाशी के दौरान हनुमान मीणा के पास से एक अवैध देशी पिस्टल व कारतूस तथा शिवनारायण के पास से एक रिवॉल्वर व जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने हथियार बाहर से लाना स्वीकार किया है। पुलिस अब हथियारों की सप्लाई चेन और अन्य संभावित आरोपियों के संबंध में गहन जांच कर रही है।

कलेक्टर श्री तिवारी ने किया औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण

» कलेक्टर ने औद्योगिक इकाइयों के संचालकों से उत्पादों के निर्यात,रोजगार नियोजन के संबंध में जानकारी ली

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी,गत। जिले में औद्योगिक विकास को नई दिशा देने और स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने की पहल के तहत कलेक्टर आशीष तिवारी ने बुधवार को कटनी की प्रमुख औद्योगिक इकाइयों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने उत्पादन क्षमता, रोजगार सृजन, तकनीकी उन्नयन के संबंध में जानकारी लिया और सुरक्षा मानकों का बारीकी से निरीक्षण किया तथा इकाई संचालकों से निर्यात की संभावनाओं पर सार्थक चर्चा किया। निरीक्षण के दौरान जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक ज्योति सिंह चौहान एवं प्रबंधक राजेश पटेल भी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि जिले के उद्योग केवल उत्पादन तक सीमित न रहें, बल्कि गुणवत्ता और ब्रांडिंग के माध्यम से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी पहचान बनाएं।

स्थानीय से वैश्विक की ओर कदम–कलेक्टर के भ्रमण की शुरुआत ग्राम इमलिया स्थित मेसर्स राधे ट्रेडर्स से हुई। नमकीन और प्राइम्स उत्पादों के निर्माण में संलग्न इस इकाई में लगभग 2.50 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है और यह वर्तमान में 15 लोगों को रोजगार प्रदान कर रही है। कलेक्टर श्री तिवारी ने इकाई के विक्रय नेटवर्क, कच्चे माल की उपलब्धता और उत्पादन प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने सुझाव दिया कि स्थानीय मंडियों से कच्चे माल की खरीदी को प्राथमिकता दी जाए, जिससे स्थानीय किसानों और व्यापारियों को भी लाभ मिल सके। साथ ही खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन और अग्निशामक यंत्रों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शहर में अतिक्रमण के विरुद्ध प्रशासन की कार्रवाई, 5 दुकानदारों पर समन शुल्क

लोकतंत्र की शान(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार शहर में अतिक्रमण हटाने हेतु संयुक्त रूप से अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत डिप्टी कलेक्टर प्रिया पाठक प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी, अमन मिश्रा उप पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय), थाना प्रभारी कोतवाली तथा थाना प्रभारी यातायात द्वारा बुधवार की शाम शहर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सड़क पर अतिक्रमण करते पाए जाने पर 5 दुकानदारों के विरुद्ध नगरपालिका द्वारा समन शुल्क की कार्रवाई की गई। वहीं अन्य दुकानदारों एवं ठेला संचालकों को सख्त चेतावनी देते हुए सड़क पर ठेला न लगाने और दुकानों का सामान सड़क पर न रखने की समझाइश दी गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

इंटर डिस्ट्रिक्ट अंडर-22 लिमिटेड ओवर टूर्नामेंट में डीसीए सीधी बनी चैंपियन

लोकतंत्र की शान(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। रीवा संभाग के तत्वावधान में आयोजित इंटर डिस्ट्रिक्ट अंडर-22 लिमिटेड ओवर क्रिकेट टूर्नामेंट के फा इनल मुकाबले में जिला क्रिकेट संघ (DCA) सीधी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए डीसीए सतना को 5 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया।फाइनल मैच में डीसीए सीधी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। डीसीए सतना की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए मात्र 134 रनों पर ऑल आउट हो गई। सतना की ओर से स्वप्निल ने 36 रन एवं हर्षित ने 29 रन बनाकर संघर्ष किया। वहीं सीधी की ओर से शानदार गेंदबाजी करते हुए रवि तिवारी ने घातक प्रदर्शन कर 5 विकेट झटके, जबकि अगम्य ने 3 विकेट हासिल किए। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी डीसीए सीधी की टीम ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए मात्र 20 ओवर में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम की ओर से अंशुमान ने 33 रन, आर्यन ने 29 रन तथा कृष्णा ने 25 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस जीत के साथ ही डीसीए सीधी ने न सिर्फ टूर्नामेंट अपने नाम किया, बल्कि इस सीजन में लगातार तीसरी बार फाइनल जीतकर नया कीर्तिमान स्थापित किया। साथ ही टीम दो अन्य टूर्नामेंट में उपविजेता भी रही, जो उनके निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन को दर्शाता है। इस ऐतिहासिक सफलता पर डीसीए अध्यक्ष माननीय राव कृष्ण कुमार सिंह भंवर साहब ने खिलाड़ियों को वीडियो कॉल के माध्यम से बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं सचिव श्री उपेंद्र सिंह के मार्गदर्शन, मैनेजमेंट की सटीक रणनीति और खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत ने इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।खिलाड़ियों के जज्बे, अनुशासन और टीम मैनेजमेंट की बेहतरीन प्लानिंग ने मिलकर यह इतिहास रचा है।

दुनिया के सबसे बड़े छात्र संगठन एनएसयूआई के स्थापना दिवस पर विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम

» विद्यार्थियों को दिया शिक्षा, राष्ट्रभक्ति व पर्यावरण संरक्षण का संदेश

लोकतंत्र की शान(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। दुनिया के सबसे बड़े छात्र संगठन भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के 56वें स्थापना दिवस पर सीधी जिले के शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय, करौंदिया पानी टंकी में विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रदेश सचिव विक्रांत सिंह परिहार स्वयं विद्यार्थियों के बीच पहुँचे और उन्हें शिक्षा, राष्ट्रभक्ति एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन से हुई। इंदिरा गांधी, सुभाष चंद्र बोस एवं भगत सिंह के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर राष्ट्रनायकों को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। इसके पश्चात विद्यार्थियों के साथ पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया तथा बच्चों को मिठाई एवं फल वितरित किए गए। अपने संबोधन में विक्रांत सिंह परिहार ने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री नहीं — यह व्यक्तित्व निर्माण और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य के प्रति सजग रहने, अनुशासन का पालन करने एवं समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को इतिहास के प्रेरणादायक प्रसंगों से भी अवगत कराया गया। खानवा के युद्ध में राणा सांगा की वीरता, गिरी सुमेल के युद्ध में राव मालदेव राठौड़ का शौर्य तथा 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारतीय सेना के अदम्य पराक्रम के उदाहरणों से राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत की गई। जौहर और साका जैसी गौरवशाली परंपराओं का उल्लेख करते हुए त्याग एवं आत्मसम्मान का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सहित शिक्षक-शिक्षिकाएँ तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

कन्या महाविद्यालय में भी हुआ आयोजन–एनएसयूआई स्थापना दिवस पर कन्या महाविद्यालय, सीधी में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका नेतृत्व छात्र नेता अभिमन्यु सिंह चौहान ने किया। कार्यक्रम में अभिमन्यु सिंह चौहान, बादल विश्वकर्मा, स्वाति सिंह, रिया सिंह, ऋचा सिंह, प्रिया मिश्रा, प्रिया सिंह एवं रेशमा साकेत सहित एनएसयूआई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। एनएसयूआई इस प्रकार के जमीनी कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों में शिक्षा, जागरूकता, राष्ट्रभक्ति एवं पर्यावरण चेतना निरंतर विकसित कर रहा है और सीधी जिले में संगठन की पकड़ दिन-प्रतिदिन मजबूत होती जा रही है।

कटनी महिला कांग्रेस का जोरदार विरोध प्रदर्शन

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

विगत कटनी शहर महिला कांग्रेस की अध्यक्ष एवं प्रदेश महासचिव रजनी वर्मा के नेतृत्व में महिला कांग्रेस एवं सक्रिय कांग्रेस सदस्यों द्वारा असम के भाजपा से मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा का अखिल भारतीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय मल्लिकार्जुन खड़गे जी को लेकर दिए गए अमर्यादित बयान के विरोध में पुरानी कचहरी तहसील ऑफिस के पास पुतला दहन कर शानदार विरोध प्रदर्शन किया गया, हाल ही में हेमंत बिस्वा द्वारा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन जी की आयु को लेकर उन्हें पागल जैसे अमर्यादित शब्दों का उपयोग किया गया जिसका विरोध पूरे मध्य प्रदेश की महिला कांग्रेस के द्वारा पुतला दहन करके किया गया। कटनी की महिला जिला अध्यक्ष रजनी वर्मा ने कहा की भाजपा के पदासीन नेता एवं मंत्री मानसिक रूप से अपना संतुलन खोते जा रहे हैं और लगातार सत्ता के मद में चूर होकर मर्यादा को भूलकर कभी-कभी महिलाओं पर तो कभी वरिष्ठ जनों पर तो कभी धर्म के नाम पर विवादित बयान देते रहते हैं, हेमंत बिस्वा द्वारा खड़गे जी के लिए कहे गए अमर्यादित शब्द न केवल एक वरिष्ठ नेता का अपमान है बल्कि यह भाजपा जनता पार्टी के नेता द्वारा संपूर्ण दलित वर्ग का अपमान है जो इनकी संकुचित मानसिकता और दलितों के प्रति उनकी सोच को दर्शाता है। रजनी वर्मा ने कहा कि हेमंत विश्व का बयान निश्चित रूप से उसे प्रश्न की बौखलाहट का परिणाम है जो की कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा जी द्वारा उनकी पत्नी के तीन-तीन पासपोर्ट को लेकर किया गया है शहर जिला अध्यक्ष अमित शुक्ला ने कहा कि भाजपा के नेताओं द्वारा दिए जा रहे लगातार अब मर्यादित बयानों का जवाब जनता आने वाले चुनाव में उनको सत्ता से उतार कर देगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से शहर जिला अध्यक्ष अमित शुक्ला, पूर्व प्रदेश महासचिव प्रियदर्शन गौर, पूर्व कार्यवाहक अध्यक्ष राजा जगवानी,महिला उत्पीड़न प्रकोष्ठ अध्यक्ष रूपा तिवारी, महिला ब्लॉक अध्यक्ष सुमन रजक, कल्पना पाठक, महिला उपाध्यक्ष शोभा मंगलानी, वरिष्ठ नेत्री सरिता कटारे, श्वेता कटारे , शशि प्रभा यादव, दुर्गावती कोल,लता खरे, गीता निषाद,कमला निषाद, सेवादल अध्यक्ष मंगल सिंह, अजय जैसवानी, संजय गुप्ता, जालिम यादव,आफताब अहमद, मुन्ना कुशवाहा, नारायण निषाद, राजेश जाटव,मनोज वर्मा , रमेश अहिरवार, देवीदीन गुप्ता, अभय खरे, जॉर्ज डेविड ,विनोद अहिरवार,साहिल नामदेव ,सकील भाईजान ,मुकेश मिश्रा ,हर्षित मिश्रा, दिलदार खान,इमरान खान आदि अनेक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही

मृतक पुजारी के परिजनों को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान योजना से भेजी सहायता

लोकतंत्र की शान(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

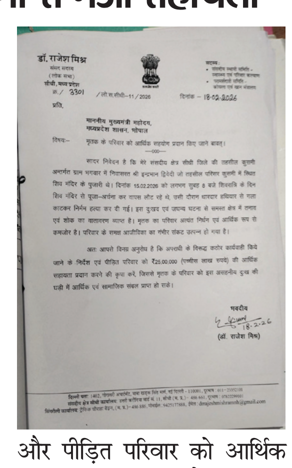
डॉ. राजेश मिश्र
संसद सदस्य
(लोक सभा)
सीधी, मध्य प्रदेश
क्र./ 3301 /लो.स.सीधी–11/2026 दिनांक – 18-02-2026
प्रति,
माननीय मुख्यमंत्री महोदय,
मध्यप्रदेश शासन, भोपाल
विषय:– मृतक के परिवार को आर्थिक सहयोग प्रदान किए जाने बाबत्।
सादर निवेदन है कि मेरे संसदीय क्षेत्र सीधी जिले की तहसील कुसमी अन्तर्गत ग्राम भगवार में निवासरत श्री इन्द्रभान द्विवेदी जो तहसील परिसर कुसमी में स्थित शिव मंदिर के पुजारी थे। दिनांक 15.02.2026 को लगभग सुबह 8 बजे शिवरात्रि के दिन शिव मंदिर से पूजा–अर्चना कर वापस लौट रहे थे, उसी दौरान धारदार हथियार से गला काटकर निर्मम हत्या कर दी गई। इस दुखद एवं जघन्य घटना से समस्त क्षेत्र में तनाव एवं शोक का वातावरण व्याप्त है। मृतक का परिवार अत्यंत निर्धन एवं आर्थिक रूप से कमजोर है। परिवार के समक्ष आजीविका का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है।
अतः आपसे विनम्र अनुरोध है कि अपराधी के विरुद्ध कठोर कार्यवाही किये जाने के निर्देश एवं पीड़ित परिवार को ₹25,00,000 (पच्चीस लाख रुपये) की आर्थिक सहायता प्रदान करने की कृपा करें, जिससे मृतक के परिवार को इस असहनीय दुःख की घड़ी में आर्थिक एवं सामाजिक संबल प्राप्त हो सके।
भवदीय
18.2.26
(डॉ. राजेश मिश्र)

सीधी। मध्यप्रदेश के सीधी जिले के कुसमी क्षेत्र में हुए बहुचर्चित पुजारी इन्द्रभान द्विवेदी हत्याकांड के बाद पीड़ित परिवार को बड़ी राहत मिली है। सीधी संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा के सतत प्रयासों के फलस्वरूप मृतक की पत्नी श्रीमती ललिता द्विवेदी को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मुख्यमंत्री स्वेच्छा अनुदान से आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। गौरतलब है कि कुसमी में 75 वर्षीय पुजारी इन्द्रभान द्विवेदी की निर्मम हत्या ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया था। घटना के बाद से ही सांसद डॉ. राजेश मिश्रा पीड़ित परिवार के संपर्क में रहे और लगातार शासन स्तर पर सहायता दिलाने के लिए प्रयासरत रहे। उन्होंने मुख्यमंत्री से भेंट कर इस मामले को प्रमुखता से उठाया और पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का आग्रह किया। उनके निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप अब यह राहत राशि स्वीकृत हो सकी है, जिससे परिवार को इस कठिन समय में संबल मिलेगा। इस अवसर पर सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति सहृदय आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

यमुनानगरःनशा व अपराध पर लगाम के लिए अभिभावक व युवा आगे आएंःएसपी

लोकतंत्र की शान

यमुनानगर। जिले में बढ़ती आपराधिक गतिविधियों और नशे की समस्या को लेकर पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने अभिभावकों और युवाओं से सजग रहने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि एक सुरक्षित और स्वस्थ समाज के निर्माण में परिवार की भूमिका सबसे अहम होती है। पुलिस अधीक्षक ने अभिभावकों से कहा कि वे अपने बच्चों की दिनचर्या, मित्रों और गतिविधियों पर सतत निगरानी रखें। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों के साथ नियमित संवाद बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है, ताकि वे किसी भी प्रकार की गलत संगति या दबाव में न आएं। डिजिटल माध्यमों के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए उन्होंने अभिभावकों को सचेत किया कि वे यह सुनिश्चित करें कि बच्चे इंटरनेट पर क्या देख रहे हैं और किन लोगों के संपर्क में हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल नियंत्रण पर्याप्त नहीं, बल्कि बच्चों को समय देना और उनकी समस्याओं को समझना भी जरूरी है। परिवार का सकारात्मक वातावरण ही बच्चों को सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। युवाओं से भी उन्होंने अपील की कि वे अपने अभिभावकों के विश्वास को बनाए रखें और जीवन में अनुशासन को अपनाएं। नशे और आपराधिक गतिविधियों से दूरी बनाकर अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने युवाओं को प्रेरणादायक व्यक्तित्वों से सीख लेने और मेहनत के बल पर आगे बढ़ने की सलाह दी।

स्मरण उत्सव के रूप में मनाया गया कर्मयोगी पंडित सत्येन्द्र पाठक की जन्म जयंती

» सेवक के रूप में किए गए कार्यों के आंकलन के लिए चुनाव से पहले लेंगे जनादेश

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी । गरीब पीड़ित शोषित समाज के उद्धार एवं जरूरत मन्दों गरीब कन्याओं के विवाह में सहयोग करने के लिए याद किए जाने वाले पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं कर्मयोगी स्वर्गीय पं.सत्येन्द्र पाठक की जन्म जयंती गत 7 अप्रैल को श्रद्धा और सम्मान के साथ स्मरण दिवस के रूप में विजयराघवगढ़ विधानसभा एवं कटनी में मनाई गई। इस अवसर पर पाठक वार्ड स्थित शांति निवास में उनके सुपुत्र, पूर्व मंत्री एवं विजयराघवगढ़ विधायक संजय सत्येंद्र पाठक ने जनता दरबार आयोजित कर आम नागरिकों की समस्याएं सुनीं और उनके निराकरण के लिए तत्परता दिखाई। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 11 बजे संजय सत्येन्द्र पाठक अपने पूज्य पिता पं सत्येन्द्र पाठक के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके पश्चात परिवारजनों, समर्थकों एवं शुभचिंतकों ने भी श्रद्धासुमन अर्पित कर समाज के लिए किए गए उनके योगदान याद किया। पूरे आयोजन में भावनात्मक माहौल देखने को मिला, जहां लोगों ने उनके जनसेवा से जुड़े कार्यों को स्मरण किया। जनता दरबार में बड़ी संख्या में पहुंचे क्षेत्रवासियों की समस्याओं को संजय पाठक ने गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों से समन्वय कर उनके समाधान के निर्देश दिए। यह क्रम दोपहर 5 बजे तक निरंतर जारी रहा। इसी क्रम में बरगवां के कटाए घाट मोड़ पर आरके मोटर्स के सामने शाम 6 बजे से प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की ।

जिले को जल्द मिलेगा सर्वसुविधायुक्त अस्पताल–मीडिया से चर्चा के दौरान संजय पाठक ने बताया कि उनके पूज्य पिता की स्मृति में जिला अस्पताल परिसर में बन रहा सर्वसुविधायुक्त अस्पताल भवन अब अंतिम चरण में है। निर्माण कार्य पूर्ण होते ही इसे अस्पताल प्रशासन को सौंप दिया जाएगा, जिसके बाद यह आधुनिक सुविधाओं से युक्त भवन आम जनता के लिए शीघ्र ही शुरू कर दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

रूस ने 1000 सैनिकों के शव यूक्रेन को सौंपे

मास्को। रूस ने युद्ध में शहीद हुए 1,000 सैनिकों के शव यूक्रेन को सौंपे। जबकि यूक्रेन ने 41 सैनिकों के शव रूस को सौंपे। यह कार्रवाई दोनों देशों के बीच चल रही नियमित मानवीय कोशिशों का हिस्सा है, जिनका उद्देश्य युद्ध में मारे गए सैनिकों को सम्मानपूर्वक उनके देश को लौटाना है। रूस के अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रूस टुडे के अनुसार रूस और यूक्रेन ने शहीद सैनिकों के शवों को वापस भेजने का अभियान चलाया है, जो पिछले वर्ष शुरू किए गए लगभग मासिक मानवीय अभियानों की श्रृंखला का हिस्सा है। इस श्रृंखला में 1,000 सैनिकों के शव यूक्रेन और 41 शव रूस के अधिकारियों को सौंपे गए। इससे पहले, अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस समिति द्वारा आयोजित इस तरह की घटना फरवरी के अंत में हुई थी, जबकि मार्च की शुरुआत में कीव और मॉस्को ने 300-300 युद्धबंदियों को वापस भेजा था। अंतिम संस्कार के लिए वापस भेजे गए सैनिकों का अनुपात पिछले कुछ महीनों में लगभग स्थिर रहा है, जो यूक्रेन संघर्ष के दोनों पक्षों द्वारा उठाए गए नुकसान में महत्वपूर्ण अंतर को दर्शाता है। रूस युद्ध क्षेत्र में हुए नुकसान की भरपाई के लिए अनिवार्य सैन्य भर्ती पर निर्भर है, जिसे कठोर तरीकों से लागू किया जाता है और यूक्रेनी जनता इसे लगातार अस्वीकार कर रही है। हाल के महीनों में भर्ती अधिकारियों और नागरिकों के बीच झड़पों के दौरान गंभीर चोटों और यहां तक कि मौत की घटनाओं में वृद्धि देखी गई है।

नेपाल के पूर्व स्पीकर महरा पर सोना तस्करी करने का मुकदमा दर्ज

काठमांडू। नेपाल के पूर्व स्पीकर तथा माओवादी के नेता कृष्ण बहादुर महरा और नेपाल सरकार के संयुक्त सचिव अरुण पोखरेल सहित अन्य के खिलाफ इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट (ई-सिगरेट) में छिपाकर सोना तस्करी करने के आरोप में भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया गया है। एंटी करप्शन ब्यूरो ने गुरुवार को महरा, पोखरेल और महरा के पुत्र राहुल महरा समेत अन्य के खिलाफ मामला दायर किया। इन सभी पर चीनी तस्करों के साथ मिलकर ई-सिगरेट के पैकेजिंग में छिपाकर अवैध रूप से सोना लाने का आरोप है। अदालत ने लगभग 7 करोड़ रुपये का जुर्माना भी निर्धारित किया है। आरोपपत्र के अनुसार महरा और उनके सहयोगी 25 दिसंबर, 2022 को एक चीनी गिरोह के साथ सोने की तस्करी में शामिल थे, जिसमें ई-सिगरेट के पैकेज को आवरण के रूप में इस्तेमाल किया गया था। इस खेप में 73 बॉक्स में 730 वेप पेन शामिल थे। त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर पहुंचने के बाद इस खेप को बिना जांच के कस्टम से पार कराने की योजना थी। बाद में पता चला कि इसमें करीब 9 किलोग्राम सोना था, लेकिन मामला तब और जटिल हो गया, जब बाद में यह सोना गायब हो गया। चीनी नागरिक ली हानसोंग (पासपोर्ट EJ 6350030) दुबई से फ्लाइट FZ 0587 के जरिए काठमांडू पहुंचे थे। उनके पास दो सूटकेस में छिपाकर 73 बॉक्स वेप पेन लाए गए थे। हानसोंग को यह सोना गिरोह के सरगना वांग को सौंपना था, जिसके पूर्व स्पीकर महरा से संबंध थे। हालांकि, कस्टम अधिकारियों ने उसी दिन खेप को संदिग्ध मानते हुए जब्त कर लिया, लेकिन कुछ दिनों बाद हानसोंग फरार हो गया। आरोप है कि उसने जब्त सोना छुड़ाने के लिए महरा और उनके बेटे राहुल की मदद मांगी। इस दौरान महरा और उनके बेटे ने कस्टम अधिकारियों और चीनी संपर्कों सहित विभिन्न लोगों से कथित तौर पर 256 बार संपर्क किया, ताकि जब्त सोना छुड़ाया जा सके।

तेलंगाना के वरिष्ठ नेता टी. जीवन रेड्डी बीआरएस में होंगे शामिल

हैदराबाद। तेलंगाना के पूर्व कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री टी. जीवन रेड्डी अब भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) में शामिल होंगे। गुरुवार दोपहर बाद जगतियाल में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) से मिलने के तुरंत बाद कांग्रेस नेता जीवन रेड्डी ने अपने अगले राजनीतिक जीवन का ऐलान कर दिया। टी. जीवन रेड्डी ने कांग्रेस के साथ अपने 42 साल के रिश्ते को तोड़ते हुए गत 25 अप्रैल को इस्तीफा दे दिया था। उनकी नाराजगी पार्टी नेतृत्व से थी। रेड्डी का कहना था कि कांग्रेस पार्टी में पुराने नेताओं को उपेक्षित-अपमानित किया जा रहा है और दल बदलुओं को प्रश्रय मिल रहा है। जीवन रड्डी ने आज बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर से मुलाकात के बाद बीआरएस ओं शामिल होने की घोषणा कर दी है। माना जा रहा है कि जीवन रेड्डी 13 अप्रैल को बड़ी आम सभा में समर्थकों के साथ बीआरएस में शामिल हो सकते हैं। गुरुवार को बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव से मुलाकात से पहले उन्होंने मीडिया से बातचीत में यह बयान दिया। तेलंगाना के वरिष्ठ राजनीतिक नेता और जगतियाल से 6 बार के विधायक रहे टी जीवन रेड्डी ने कहा है कि आगामी चुनावों में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की हार तय है। जीवन रेड्डी ने पूर्ववर्ती केसीआर सरकार की सराहना करते हुए कहा कि बीते 10 वर्षों का बीआरएस शासन, वर्तमान कांग्रेस सरकार के दो वर्षों के कार्यकाल से बेहतर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार हर क्षेत्र में विफल रही है। उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की कि आगामी चुनावों में बीआरएस जीत दर्ज कर सत्ता में वापसी करेगी। अब तक अपने राजनीतिक कदम को लेकर चुप्पी साधे रहे जीवन रेड्डी ने स्पष्ट किया कि उन्होंने बीआरएस में शामिल होने का निर्णय ले लिया है। बीआरएस नेता केटीआर से मुलाकात के बाद जीवन रेड्डी के समर्थकों ने जय तेलंगाना और जय केसीआर के साथ ही कांग्रेस मुर्दाबाद के नारे भी लगाए।

विश्व होम्योपैथी दिवस पर कल से दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

नई दिल्ली। विश्व होम्योपैथी दिवस के मौके पर आयुष मंत्रालय दो-दिवसीय संवादात्मक संगोष्ठी का आयोजन करने जा रहा है। शुक्रवार को विज्ञान भवन में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में प्रमुख नीति निर्माता, शोधकर्ता, चिकित्सक और प्रतिनिधि एक साथ आकर सतत स्वास्थ्य प्रणालियों के निर्माण में होम्योपैथी की उभरती भूमिका पर विचार-विमर्श करेंगे। इस संगोष्ठी का विषय "सतत स्वास्थ्य के लिए होम्योपैथी" है। इस कार्यक्रम में आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव और आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा के साथ-साथ देश भर के वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और प्रख्यात विशेषज्ञ उपस्थित रहेंगे। आयुष मंत्रालय ने बताया कि इस वर्ष का आयोजन होम्योपैथी के क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा के लिए एक समग्र, लागत प्रभावी और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार दृष्टिकोण प्रदान करती है। केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में होम्योपैथी के क्षेत्र में प्रमुख अनुसंधान उन्नयन, जन स्वास्थ्य पहल और नीतिगत विकास को प्रदर्शित किया जाएगा। इसमें वैज्ञानिक मान्यता, नैतिक मानकों को मजबूत करने और होम्योपैथी को स्वास्थ्य प्रणालियों के मुख्यधारा में एकीकृत करने पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। विशेष सत्रों में निवारक और संवर्धक स्वास्थ्य देखभाल, जीवनशैली संबंधी और पुराने रोगों के प्रबंधन में होम्योपैथी की भूमिका और पारंपरिक औषध चिकित्सा पर निर्भरता कम करने में इसके योगदान पर चर्चा की जाएगी। साथ ही, पर्यावरण के अनुकूल औषधीय पद्धतियों, जैव विविधता संरक्षण और आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान के साथ पारंपरिक ज्ञान को एकीकृत करने के महत्व पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

केंद्र सरकार ने कहा- देश में एलपीजी की सप्लाई स्थिर

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट के बीच केंद्र सरकार ने गुरुवार को कहा कि देश में एलपीजी की सप्लाई स्थिर बनी हुई है। बुधवार को 51 लाख से ज्यादा सिलेंडर आपूर्ति किए गए हैं। साथ ही कमर्शियल एलपीजी की सप्लाई लगभग 70 फीसदी तक बहाल कर दी गई है। पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव (मार्केटिंग और ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने गुरुवार को अंतर-मंत्रालयी प्रेसवार्ता में बताया कि मौजूदा वैश्विक भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच एलपीजी की लगभग 60 फीसदी जरूरत आयात पर निर्भर है, जिससे इसकी उपलब्धता प्रभावित हुई है। इसे संभालने के लिए घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी गई है, जिससे घरों के लिए 100 फीसदी सप्लाई सुनिश्चित हो सके और डिस्ट्रीब्यूटरों के पास किसी भी तरह की कमी की रिपोर्ट न हो।

उन्होंने कहा कि ऑनलाइन बुकिंग 98 फीसदी तक और ओटीपी आधारित डिलीवरी 92 फीसदी तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि कमर्शियल एलपीजी की सप्लाई लगभग 70 फीसदी तक बहाल कर दी गई है, जिसमें मुख्य क्षेत्रों के लिए थोक सप्लाई भी शामिल है। शर्मा ने कहा कि 14 मार्च से अब तक करीब एक लाख टन गैस सप्लाई की गई है, जिसमें कल सप्लाई किए गए 6,700 टन भी शामिल हैं। यह लगभग 3.5 लाख 19 किलो वाले गैस सिलेंडरों के बराबर है। सुजाता शर्मा ने बताया कि 5 किलो वाले रसोई गैस सिलेंडरों की उपलब्धता बढ़ा दी गई है। 23 मार्च से अब तक 10 लाख से ज्यादा सिलेंडर बेचे जा चुके हैं, जबकि कल 1.06 लाख सिलेंडर बेचे गए। उन्होंने कहा कि 2,000 से ज्यादा जागरूकता शिविर आयोजित किए गए हैं, जिनमें 20,000 सिलेंडर वितरित किए गए। शर्मा ने बताया कि उर्वरक संयंत्रों को प्राकृतिक गैस की सप्लाई बढ़ाकर 95 फीसदी कर दी गई है, जबकि सीजीडी कंपनियां प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को पूरी सप्लाई सुनिश्चित कर रही हैं। लगभग 3.97 लाख पीएनजी कनेक्शन चालू किए गए हैं, जबकि 4.3 लाख उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराया है और 18,000 से ज्यादा एलपीजी कनेक्शन वापस किए गए हैं।

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने बताया कि बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और भारतीय मिशनों के साथ मिलकर स्थिति पर सक्रिय रूप से नजर रख रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 24 घंटों में भारतीय ध्वज वाले जहाजों या नाविकों से जुड़ी किसी भी घटना की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। भारतीय ध्वज वाला एलपीजी जहाज 'ग्रीन आशा', होर्मुज जलडमरूमध्य को पार करने के बाद सुरक्षित रूप से जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी पहुंच गया है। मुकेश मंगल ने कहा कि डीजी शिपिंग कंट्रोल रूम ने अब तक लगभग 5,600 कॉल और 12,000 ईमेल संभाले हैं, जिनमें पिछले 24 घंटों के दौरान आए 166 कॉल और 317 ईमेल शामिल हैं। उन्होंने कहा कि 1,800 से अधिक भारतीय नाविकों को सुरक्षित रूप से स्वदेश वापस लाया गया है, जिनमें पिछले 24 घंटों में वापस लाए गए 49 नाविक भी शामिल हैं।

ट्रंप ने ग्रीनलैंड को लेकर नया मोर्चा खोलने के संकेत दिए, नाटो को धमकी

एजेंसी, वॉशिंगटन

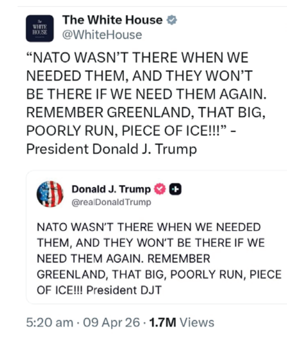

ईरान में युद्धविराम की घोषणा के साथ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ग्रीनलैंड पर कब्जे की मंशा जताते हुए उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) को धमकी दी है।। ट्रंप ने ईरान युद्ध में साथ नहीं दोने के लिए नाटो की कड़ी आलोचना की है। साथ ही ग्रीनलैंड को हासिल करने की अपनी इच्छा को दोहराया है।

ट्रंप की यह धमकी ऐसे समय में आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को नाटो के महासचिव मार्क रूटे के साथ बैठक कर ईरान युद्ध के दौरान नाटो से सहयोग ना मिलने को लेकर नाराजगी जताई। अमेरिकी राष्ट्रपति ने नाटो महासचिव मार्क रूट के साथ बंद कमरे में यह बैठक की थी, जिसके बाद उन्होंने नाटो के प्रति अपनी शिकायत दोहराई।

ट्रंप ने ट्रूथ सोशल की एक पोस्ट में लिखा, "जब हमें उनकी जरूरत थी, तब नाटो वहां नहीं था और अगर हमें उनकी दोबारा जरूरत पड़ी तो वे वहां नहीं होंगे।ग्रीनलैंड को याद करो, वह बड़ा, खराब तरीके से चलाया गया, बर्फ का टुकड़ा!!!"

इस बैठक से पहले जब ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को प्रभावी रूप से बंद कर दिया तो ट्रंप ने संकेत दिया था कि अगर नाटो देशों ने उनके आह्वान को नजरअंदाज किया तो अमेरिका नाटो से बाहर निकलने पर विचार कर सकता है। ट्रंप के बार-बार आह्वान पर भी यूरोपीय देश इस मुद्दे पर अमेरिका के साथ नहीं हैं, बल्कि कई नाटो देशों ने अमेरिकी हमलों का विरोध भी किया। जिसके बाद से ट्रंप नाटो पर हमलावर हैं।

ग्रीनलैंड नाटो सदस्य डेनमार्क का एक अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र है। इस साल की शुरुआत में ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर अमेरिकी नियंत्रण की मांग की थी लेकिन बाद में नाटो महासचिव मार्क रूट के साथ बातचीत के बाद पीछे हट गए थे।

नितिन गडकरी ने छत्रपति शिवाजी के बहुआयामी संग्रहालय का किया उद्घाटन

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को दिल्ली के कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया में स्थित छत्रपति शिवाजी भवन में एक 'बहुआयामी संग्रहालय' का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में दक्षिणी दिल्ली के सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी भी मौजूद रहे। इस मौके पर नितिन गडकरी ने छत्रपति शिवाजी महाराज भवन में अपने संबोधन में शिवाजी को आदर्श राजा, आदर्श पिता, आदर्श पुत्र और आदर्श प्रशासक बताया। उन्होंने कहा कि वह सभी आदर्शों से परिपूर्ण थे।

गडकरी ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित यह संग्रहालय आधुनिक तकनीक के उपयोग से बनाया गया है। छत्रपति शिवाजी महाराज का जाज्वल्य इतिहास आधुनिक तकनीक के माध्यम से आज की युवा पीढ़ी तक पहुंचाने में यह संग्रहालय महत्वपूर्ण योगदान देगा। उन्होंने कहा कि भूतकाल का इतिहास महत्वपूर्ण है, जिसका वर्तमान में स्मरण करने से ही भविष्य की नीतियां बनाई जा सकती हैं। छत्रपति शिवाजी महाराज समस्त भारतवर्ष के प्रेरणास्रोत हैं। उनके विचारों पर आधारित भविष्य के युवा का चरित्र निर्माण करने से ही आत्मनिर्भर और विश्वगुरु भारत का हमारा सपना और संकल्प साकार होगा। रामवीर सिंह बिधूड़ी ने बताया कि अपार वीरता, कुशल नेतृत्व और हिंदू स्वराज के संस्थापक के रूप में प्रतिबिंबित सभी के प्रेरणास्रोत छत्रपति शिवाजी के जीवन के बारे में इस संग्रहालय से अधिक जानने को मिलेगा।

दावा- हुमायूं कबीर की बीजेपी से 1000 करोड़ की डील, वायरल वीडियो में पीएमओ का जिक्र

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले आम जनता उन्नयन पार्टी (AJUP) के चेयरमैन हुमायूं कबीर के वायरल वीडियो से विवाद खड़ा हो गया है। इसमें वे बीजेपी नेताओं के साथ 1000 करोड़ की डील पर चर्चा कर रहे हैं। 19 मिनट के वीडियो में हुमायूं कबीर कह रहे हैं कि वे ममता बनर्जी को किसी भी कीमत पर सत्ता से हटाना चाहते हैं। अगर उनकी 60-70 सीटें आ गईं तो वे डिप्टी सीएम भी बन सकते हैं। हालांकि, भास्कर इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता।

TMC के कुणाल घोष ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस वीडियो का जिक्र कर कहा कि हुमायूं सुवेंदु अधिकारी, प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO), मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिसवा सरमा के करीबी हैं। घोष ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ED) चुप क्यों है। उसे इस मामले की जांच करनी चाहिए। बीजेपी ने हुमायूं के जरिए मतुआ, हिंदुओं और मुसलमानों को बेवकूफ बनाने के लिए 'B टीम' और 'C टीम' बनाई है। बंगाल चुनाव में हुमायूं की पार्टी विधानसभा की 294 सीटों में से 118 पर चुनाव लड़ रही है। उनका गठबंधन असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी AIMIM के साथ है। राज्य में 23 और 29 अप्रैल को दो फेज में वोटिंग होगी। नतीजे 4 मई को आएंगे।

> ♦ कहा- डिप्टी सीएम बनूंगा, टीएमसी बोली- ईडी चुप क्यों

कबीर ने कहा- चुनाव के बाद कोर्ट जाऊंगा: हुमायूं कबीर ने बताया, 'ये आरोप पूरी तरह फेक हैं। ये वीडियो AI से बनाया गया है। जिन लोगों ने इन्हें जारी किया है मैं उनके खिलाफ कोर्ट जाऊंगा। अभी मैं चुनाव प्रचार में व्यस्त हूं। समय मिलते ही केस करूंगा। हुमायूं कबीर ने कहा कि मैं सीएम हिमंता बिस्व सरमा, मोहन यादव से कभी नहीं मिला, न ही बात हुई।

गुरुग्राम में हड़ताली कर्मचारियों पर लाठीचार्ज, एक का सिर फूटा-20 घायल

एजेंसी, गुरुग्राम

हरियाणा के गुरुग्राम स्थित मानेसर में धारा 163 लागू होने के बावजूद वीरवार को हजारों की संख्या में हड़ताली कर्मचारी जुट गए। जिन्हें खदेड़ने के लिए पुलिस लाठीचार्ज किया। जिससे मामला भगदड़ की स्थिति बन गई। इस दौरान 20 से ज्यादा कर्मचारियों को चोटें आई हैं। एक के सिर पर गहरा जख्म है। काफी खून बहने के बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक महिला बेहोश हो गई। इससे भड़के हड़तालियों ने पुलिस की एक बाइक फूंक दी और गाड़ी पर पथराव किया, जिससे फ्रंट और बैक के शीशे टूट गए।

एक पुलिसकर्मी से महिलाओं ने लाठी भी छीनने की कोशिश की गई। इस पर पुलिस कर्मियों की महिलाओं से नोकझोंक और खींचतान भी हुई। कई घंटे तक झड़प चलती रही। एक पुलिस कर्म इस विवाद के बाद कई कंपनियों के बाहर सैलरी बढ़ाने संबंधी सरकार के ऑर्डर वाले नोटिस चिपका दिए गए। कुछ दिन पहले होंडा कंपनी में सैलरी बढ़ाने को लेकर स्ट्राइक हुई थी। इसके बाद 3 दिन से आधा दर्जन से अधिक बड़ी कंपनियों तक इसकीआंच पहुंच गई। हालांकि होंडा कंपनी के समझौते के बाद काम पर लौट गए। सत्यम, मुंजाल शोवा, रिको और अन्य कंपनियों के कर्मचारी 3 दिन से काम पर लौटने को तैयार नहीं हुए।

पुलिस से नोकझोंक, फिर लाठीचार्ज: पुलिस ने कर्मचारियों को समझाने का प्रयास किया तो नोकझोंक हुई। धक्का-मुक्की कर पुलिसकर्मियों का मोबाइल छीनने का प्रयास किया गया। कर्मचारियों का कहना था कि यह उनकी हक की लड़ाई है, जो प्रबंधन और उनके बीच का मामला है। पुलिस को बीच में नहीं आना चाहिए और न ही प्रबंधन की तरफदारी करनी चाहिए। उधर, डीसी अजय कुमार ने बीती शाम बयान जारी किया। कहा कि सरकार की तरफ से न्यूनतम वेतन (मिनिमम वेजेज) की दरों में वृद्धि की गई है। यह एक अप्रैल से लागू मानी जाएगी। बताया कि अकुशल श्रमिकों का वेतन 11275 से बढ़ कर 15220, अर्द्धकुशल श्रमिकों का वेतन 12430 से बढ़ कर 16780 रुपए और कुशल श्रमिकों का वेतन 13704 से बढ़ कर 18500 रुपए किया गया है। उच्च कुशल का वेतन 14389 से बढ़ कर 19425 रुपए हो जाएगा। यह बढ़ोतरी लगभग 35 प्रतिशत है।

भारतीय सेना ने उत्तरी सिक्किम के लाचेन में फंसे पर्यटकों को बचाने के लिए 'ऑपरेशन हिम सेतु' चलाया

एजेंसी, गंगटोक

भारतीय सेना की त्रिशक्ति कोर ने उत्तरी सिक्किम के लाचेन में फंसे पर्यटकों को बचाने के लिए 'ऑपरेशन हिम सेतु' चलाया है। भूस्खलन के कारण उत्तरी सिक्किम में लाचेन और चुंगथांग के बीच सड़क संपर्क बाधित हो गया है, जिससे क्षेत्र में यातायात प्रभावित हुआ है। इस स्थिति के मद्देनजर भारतीय सेना की पूर्वी कमान के तहत त्रिशक्ति कोर ने 'ऑपरेशन हिम सेतु' के साथ तेजी से प्रतिक्रिया दी है, जिसका उद्देश्य पहुंच बहाल करना और फंसे हुए पर्यटकों को बचाना है। सेना के पीआरओ ने आज प्रेस बयान में कहा कि खराब मौसम और भारी बर्फबारी के बावजूद सैनिकों ने महत्वपूर्ण मार्ग खोले हैं और बचाव को संभव बनाने के लिए वैकल्पिक मार्गों का संचालन किया है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ), त्रिशक्ति कोर के सैनिकों के साथ समन्वय में लगातार सड़कों को साफ कर रहा है, बर्फ को साफ कर कठिन मौसम और इलाके में सड़क संपर्क बहाल कर रहा है। बचाव अभियान चरणबद्ध तरीके से चलाया जा रहा है। अब तक 135 पर्यटकों को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि 32 हल्के वाहनों और 10 मोटरसाइकिलों को भी निकाला गया है। बयान में कहा गया है कि भारतीय सेना, नागरिक प्रशासन के साथ समन्वय में स्थिति के अनुसार मौके पर सहायता, स्वास्थ्य सेवा और निकासी प्रदान करने में सक्रिय रही है। वर्तमान में लगभग 1,000 पर्यटक लाचेन में हैं और उन्हें सुरक्षित रूप से निकाल्ने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

सेना के एक अधिकारी ने कहा, 'हमारी पहली प्राथमिकता प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा और कल्याण है। हमारी टीम मौके पर ही सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।' कठिन और बर्फ से ढंके ऊंचे मार्गों पर नागरिक वाहनों को खींचने के लिए सेना के वाहनों का उपयोग किया गया है। स्वास्थ्य आपात स्थितियों के साथ-साथ सहायता की आवश्यकता वाले नागरिकों को प्राथमिकता के आधार पर निकाला गया है।

विश्व शांति के लिए नवकार मंत्र का सामूहिक जाप प्रासंगिकः अमित शाह

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि जब विश्व के विभिन्न हिस्सों में अपने विचारों को स्थापित करने के लिए संघर्ष की स्थिति बनी हुई है, ऐसे समय में समस्त मानवता के कल्याण के लिए नवकार मंत्र का सामूहिक जाप अत्यंत सार्थक और प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि आज विश्व को शांति, सौहार्द और आपसी समझ की आवश्यकता है, जिसे इस प्रकार के आध्यात्मिक प्रयासों के माध्यम से सशक्त किया जा सकता है। गृह मंत्री गुरुवार को यहां आयोजित 'विश्व नवकार महामंत्र दिवस' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारतीय संस्कृति की आध्यात्मिक परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत विविध धर्मों और संप्रदायों का देश है, जहां प्रत्येक परंपरा में मंत्रों की विशेष महत्ता और आध्यात्मिक शक्ति का वर्णन मिलता है।

अमित शाह ने कहा कि मंत्र मानव जीवन को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। हमारे चैतन्य को जागृत करते हैं और शुभ संकल्पों को दृढ़ बनाते हैं। उन्होंने कहा कि जब श्रद्धा और एकाग्रता के साथ लोग सामूहिक रूप से एक ही मंत्र का जाप करते हैं, तो उसका प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समाज, राष्ट्र और पूरे विश्व पर सकारात्मक रूप से पड़ता है। उन्होंने कहा कि हमारे ऋषि-मुनियों और सिद्धों ने पीढ़ियों तक तप और साधना करके ऐसे मंत्रों की रचना की है, जो समस्त मानवता के कल्याण के लिए हैं। इन मंत्रों को केवल श्रद्धा से स्वीकार करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके आदर्शों को जीवन में अपनाना भी आवश्यक है।

गृह मंत्री ने नवकार मंत्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पूर्णतः निराकार, निरपेक्ष और सार्वभौमिक प्रार्थना है, जिसमें किसी प्रकार का भेदभाव नहीं है। यह मंत्र किसी विशेष जाति, धर्म, क्षेत्र या काल तक सीमित नहीं है, बल्कि संपूर्ण

मानवता के लिए समान रूप से उपयोगी है। यही कारण है कि इस प्रकार की समावेशी प्रार्थना विश्व में अत्यंत दुर्लभ है। अमित शाह ने बताया कि नवकार मंत्र में 'नमो' शब्द का अर्थ पूर्ण समर्पण है, जो साधक को अहंकार त्यागने और आत्मशुद्धि की दिशा में अग्रसर करता है। नमन करने की प्रक्रिया से ही व्यक्ति के भीतर अहंकार का क्षय प्रारंभ हो जाता है और वह आत्मिक उन्नति की ओर बढ़ता है।

उन्होंने 'अरिहंत' की व्याख्या करते हुए कहा कि अरिहंत वह होता है, जो अपने आंतरिक शत्रुओं जैसे क्रोध, मान, माया और लोभ पर विजय प्राप्त कर लेता है। ऐसे व्यक्ति को जैन शास्त्रों में उच्चतम स्थान दिया गया है। इसी प्रकार 'सिद्ध' वह आत्मा है, जो जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्त होकर पूर्ण अवस्था को प्राप्त कर लेती है। गृह मंत्री ने कहा कि नवकार मंत्र में आचार्य, उपाध्याय और साधुओं को भी नमन किया जाता है। आचार्य संघ के प्रमुख होते हैं और अनुशासन व मार्गदर्शन का कार्य करते हैं। उपाध्याय शास्त्रों के ज्ञाता और शिक्षक होते हैं, जबकि साधु तप, संयम और त्याग के माध्यम से आत्मशुद्धि का मार्ग अपनाते हैं। इन सभी को मिलाकर 'पंच परमेष्ठी' कहा जाता है। उन्होंने कहा कि नवकार मंत्र का मूल भाव इन पंच परमेष्ठियों के गुणों को आत्मसात करना है। यह मंत्र हमें सिखाता है कि हम महान आत्माओं के गुणों को अपने जीवन में उतारें और आत्मिक विकास की दिशा में आगे बढ़ें। इन पंच परमेष्ठियों में कुल 108 गुण निहित हैं, जिनका सामूहिक रूप से स्मरण और वंदन किया जाता है।

अमित शाह ने युवाओं से विशेष आग्रह करते हुए कहा कि भले ही नवकार मंत्र का गूढ़ अर्थ तुरंत समझ में न आए, फिर भी इसका नियमित अभ्यास जारी रखना चाहिए। मय के साथ इसकी गहराई को समझा जा सकता है, विशेषकर आचार्यों और विद्वान संतों के मार्गदर्शन में। उन्होंने कहा कि नवकार मंत्र की परंपरा हजारों वर्षों से चली आ रही है और इसमें 24 तीर्थंकरों तथा उनके अनुयायियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। प्रारंभ में यह मंत्र मौखिक परंपरा के माध्यम से आगे बढ़ा, बाद में शिलालेखों और ग्रंथों में इसका उल्लेख हुआ। गृह मंत्री ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में, जब अशांति और तनाव का वातावरण बना हुआ है, नवकार मंत्र का सामूहिक उच्चारण वातावरण की शुद्धि के साथ-साथ मानसिक शांति प्रदान करने में सहायक हो सकता है। इससे समाज में सौहार्द, संवेदनशीलता और आपसी सहयोग की भावना को भी बल मिले।

नारी शक्ति का उभार-महिला हेड कांस्टेबल रेवती को सैल्यूट! महिला आरक्षण कानून को लागू करने 16-18 अप्रैल 2026 को विशेष संसद सत्र-न्याय, साहस और राजनीतिक प्रतिनिधित्व की ऐतिहासिक दिशा में भारत का निर्णायक क्षण

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

» बदलते भारत में नारी शक्ति का बहुआयामी उदय- नारी शक्ति केवल भावनात्मक या प्रतीकात्मक नहीं है,बल्कि वास्तविक और प्रभावशाली अदम्य साहसिकता

» महिलाएं न केवल अन्याय के खिलाफ़ खड़ी हो रही हैं, बल्कि देश के भविष्य को भी दिशा दे रही हैं-नारी शक्ति अब केवल एक नारा नहीं,aबल्कि भारत की वास्तविक शक्ति बन चुकी है -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

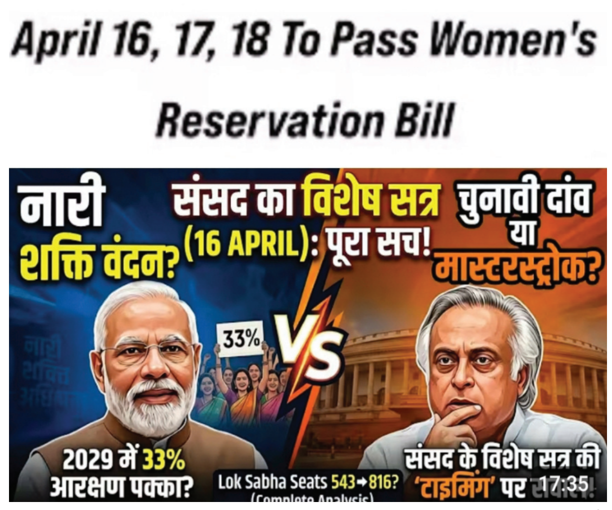

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत के सामाजिक, न्यायिक और राजनीतिक इतिहास में समय-समय पर नारी शक्ति ने अपने साहस,नेतृत्व और नैतिक दृढ़ता का परिचय दिया है। आज का भारत उस दौर में प्रवेश कर चुका है जहां महिलाएं केवल सहायक भूमिका तक सीमित नहीं हैं,बल्कि वे परिवर्तन की अग्रदूत बनकर उभर रही हैं।हाल ही में तमिलनाडु के मदुरै कोर्ट का एक ऐतिहासिक फैसला इस ऐतिहासिक फैसले के पीछे यदि किसी एक व्यक्ति की भूमिका को सबसे निर्णायक माना जाए, तो वह थीं महिला हेड कांस्टेबल रेवती उसकी हिम्मत और साहस को सैल्यूट !और इसके समानांतर संसद में महिला आरक्षण कानून को लागू करने के लिए 16 से 18 अप्रैल 2026 को बुलाया गया विशेष सत्र, इस परिवर्तन के दो सशक्त उदाहरण हैं।एक ओर जहां एक महिला कांस्टेबल की बहादुरी ने न्याय व्यवस्था को झकझोर कर रख दिया, वहीं दूसरी ओर देश की संसद महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने के लिए निर्णायक कदम उठाने जा रही है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्रि यह संयोग मात्र नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक परिवर्तन का संकेत है।

साथियों बात अगर हम सातानकुलम केस में महिला हेड कांस्टेबल रेवती के बहादुरी और साहस को समझने की करें तो,तमिलनाडु के थूथुकुडी जिले के सातानकुलम में वर्ष 2020 में हुई हिरासत में पिता-पुत्र की मौत ने पूरे देश को झकझोर दिया था। यह घटना केवल पुलिस अत्याचार का उदाहरण नहीं थी, बल्कि मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन का प्रतीक बन गई थी। वर्षों तक चली कानूनी प्रक्रिया के बाद 6 अप्रैल 2026 को मदुरै कोर्ट ने इस मामले में नौ पुलिसकर्मियों को दोषी ठहराते हुए उन्हें मृत्युदंड की सजा सुनाई।इस ऐतिहासिक फैसले के पीछे यदि किसी एक व्यक्ति की भूमिका को सबसे निर्णायक माना जाए, तो वह थीं महिला हेड कांस्टेबल रेवती। एक जूनियर अधिकारी होने के बावजूद उन्होंने अपने वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ गवाही देने का साहस दिखाया। यह निर्णय उनके लिए केवल पेशेवर जोखिम नहीं था, बल्कि उनके व्यक्तिगत जीवन, परिवार और सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा था।जब न्यायिक मजिस्ट्रेट जांच के लिए पहुंचे,तब रेवती ने जो शब्द कहे,वे आज भी न्यायिक इतिहास में गूंजते हैं,उन्होंने सच बताने की प्रतिबद्धता जताई, लेकिन साथ ही अपने बच्चों और नौकरी की सुरक्षा की चिंता भी व्यक्त की। यह क्षण केवल एक गवाह का बयान नहीं था,बल्कि एक मां, एक महिला और एक जिम्मेदार नागरिक के बीच के संघर्ष का जीवंत उदाहरण था।रेवती ने न केवल घटनाओं का विस्तार से विवरण दिया, बल्कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी गवाही ने केस को निर्णायक मोड़ दिया,जिसके बिना शायद यह मामला भी अन्य कई मामलों की तरह दब जाता।

साथियों यह सच्चाई न्याय और नारी शक्तिः एक प्रेरक प्रतीक बनकर उभरी है,रेवती की कहानी यह दर्शाती है कि नारी शक्ति केवल भावनात्मक या प्रतीकात्मक नहीं है,बल्कि वह वास्तविक और प्रभावशाली है। उन्होंने यह साबित किया कि यदि इच्छाशक्ति मजबूत हो, तो एक साधारण पद पर कार्यरत व्यक्ति भी व्यवस्था के सबसे शक्तिशाली तंत्र को चुनौती दे सकता है।उनकी बहादुरी ने न केवल दोषियों को सजा दिलाई, बल्कि यह संदेश भी दिया कि न्याय व्यवस्था में सत्य और साहस का स्थान सर्वोपरि है। आज रेवती केवल एक कांस्टेबल नहीं, बल्कि नारी सशक्तिकरण की जीवंत मिसाल बन चुकी हैं।

साथियों बात अगर हम राजनीतिक सशक्तिकरणः नारी शक्ति वंदन अधिनियम की ओर बढ़ता कदम इसको समझने की करें तो,जहां एक ओर न्यायिक व रक्षा क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका मजबूत हो रही है,वहीं राजनीतिक क्षेत्र में भी महिलाओं को समान प्रतिनिधित्व देने की दिशा में ऐतिहासिक पहल की जा रही है। केंद्र सरकार ने 16,17 और18 अप्रैल 2026 को संसद का विशेष सत्र बुलाया है, जिसका मुख्य उद्देश्य 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करना है।यह अधिनियम, जो 2023 में संविधान के 106 वें संशोधन के रूप में पारित हुआ था, लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करता है। हालांकि यह कानून पारित हो चुका है, लेकिन इसके कार्यान्वयन के लिए परिसीमन और अन्य संवैधानिक प्रक्रियाएं आवश्यक हैं, जिन पर इस विशेष सत्र में चर्चा की जाएगी।

साथियों बात अगर हम परिसीमन और सीटों का विस्तार : प्रतिनिधित्व का नया गणित इसको समझने की करें तो सरकार की योजना के अनुसार लोकसभा की कुल सीटों को 543 से बढ़ाकर 816 किया जा सकता है। इस प्रस्ताव के तहत लगभग 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। यह केवल संख्या में वृद्धि नहीं है, बल्कि यह प्रतिनिधित्व के स्वरूप को बदलने वाला कदम है।राज्यों के स्तर पर भी इसका व्यापक प्रभाव देखने को मिलेगा। उदाहरण के लिए, उत्तर प्रदेश में लोकसभा सीटों की संख्या 80 से बढ़कर 120 हो सकती है, जबकि महाराष्ट्र में यह संख्या 48 से बढ़कर 72 हो जाएगी। इन सीटों में एक-तिहाई महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी, जिससे महिला नेताओं की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि होगी।

साथियों बात कर हम राजनीतिक सहमति औरचुनौतियाँ इसको समझने की करें तो,इस महत्वपूर्ण विधेयक को पारित कराने के लिए सरकार को दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होगी।यही कारण है कि विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ व्यापक संवाद किया जा रहा है। गृहमंत्री द्वारा कई प्रमुख दलों के नेताओं से मुलाकात इस बात का संकेत है कि सरकार इस मुद्दे पर व्यापक सहमति बनाना चाहती है।हालांकि विपक्ष ने इस सत्र की टाइमिंग और मंशा पर सवाल उठाए हैं। उनका मानना है कि यह कदम राजनीतिक लाभ के लिए उठाया जा रहा है। लेकिन इसके बावजूद यह तथ्य भी महत्वपूर्ण है कि महिला आरक्षण का मुद्दा दशकों से लंबित रहा है और अब इसे लागू करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। साथियों बात अगर हम महिलाओं के लिए आरक्षण क्री ऐतिहासिक पृष्ठभूमिःलंबा संघर्ष और वर्तमान उपलब्धि को समझने की करें तो महिला आरक्षण का विचार नया नहीं है। इसका प्रारंभिक स्वरूप 1931 में भारतीयराष्ट्रीय आंदोलन के दौरान सामने आया था। इसके बाद 1993 में पंचायतों और नगर निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू किया गया, जिसने ग्रामीण और स्थानीय स्तर पर महिलाओं कीभागीदारी को बढ़ाया।1996 में पहली बार लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक पेश किया गया, लेकिन यह लंबे समय तक राजनीतिक सहमति के अभाव में अटका रहा। अंततः 2023 में इसे संविधान संशोधन के रूप में पारित किया गया,जो एक बहुत बड़ी सटीक ऐतिहासिक उपलब्धि है। साथियों बात अगर हम शक्ति और विकसित भारत क्रे लक्ष्य को समझने की करें तो सरकार ने इस कानून को 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य से भी जोड़ा है। यह स्पष्ट है कि बिना महिलाओं की सक्रिय भागीदारी के किसी भी राष्ट्र का समग्र विकास संभव नहीं है। शिक्षा, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और शासन,हर क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका निर्णायक होती जा रही है।महिला आरक्षण केवल एक राजनीतिक कदम नहीं है, बल्कि यह सामाजिक न्याय, समानता और समावेशिता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क्रि न्याय से राजनीति तक नारी शक्ति का निर्णायक प्रभाव, तमिलनाडु के सातानकुलम केस में महिला कांस्टेबल रेवती की बहादुरी और संसद में महिला आरक्षण कानून को लागू करने की दिशा में उठाए जा रहे कदम ये दोनों घटनाएं मिलकर यह स्पष्ट करती हैं कि भारत में नारी शक्ति एक नए युग की शुरुआत कर रही है।यह केवल व्यक्तिगत साहस की कहानी नहीं है,बल्कि यह एक व्यापक सामाजिक परिवर्तन का संकेत है, जहां महिलाएं न केवल अन्याय के खिलाफ खड़ी हो रही हैं, बल्कि देश के भविष्य को भी दिशा दे रही हैं।आने वाले वर्षों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि यह परिवर्तन किस प्रकार भारत के लोकतंत्र, न्याय व्यवस्था और सामाजिक संरचना को और अधिक सशक्त बनाता है।लेकिन इतना निश्चित है कि नारी शक्ति अब केवल एक नारा नहीं,बल्कि भारत की वास्तविक शक्ति बन चुकी है।

-संकलनकर्ता लेखक - क्रर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यम सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र 9284141425

उपचार में मदद करती होम्योपैथी

लेखक-संजय गोस्वामी

होम्योपैथी एक तरह की कॉम्प्लिमेंट्री या अल्टरनेटिव मेडिसिन है जो बहुत ज़्यादा डाइल्यूटेड चीज़ों के इस्तेमाल पर आधारित है,यदि मरीज को विश्वास है कि होम्योपैथी काम करेगी, तो उसका मस्तिष्क राहत महसूस कराता है, जिससे बीमारी के लक्षण कम हो जाते हैं।होम्योपैथी में लंबी परामर्श भी प्लेसीबो प्रभाव को बढ़ाता है, जो उपचार में मदद करता है।जहाँ आलोचक इसे केवल प्लेसीबो कहते हैं, वहीं होम्योपैथ और कुछ समर्थक मानते हैं कि यह ऊर्जा आधारित है और प्लेसीबो से अधिक काम करती है।होम्योपैथी एक तरह की कॉम्प्लिमेंट्री या अल्टरनेटिव मेडिसिन है जो बहुत ज़्यादा डाइल्यूटेड चीज़ों के इस्तेमाल पर निर्भर करती है, जो इसके प्रैक्टिशनर्स के अनुसार, शरीर की खुद को ठीक करने की क्षमता को बढ़ा सकती है। होम्योपैथी 1790 के दशक में जर्मन डॉक्टर सैमुअल हैनीमैन द्वारा डेवलप किए गए आइडिया पर आधारित है। हैनीमैन की सोच इस विश्वास पर आधारित थी कि जो चीज़ कुछ खास लक्षण पैदा करती है, वह उन्हें खत्म करने में भी मदद कर सकती है। दूसरी बुनियादी मान्यता सकशन नाम के डाइल्यूशन और हलचल के प्रोसेस पर आधारित है। होम्योपैथी की प्रैक्टिस करने वालों का मानना है कि किसी चीज़ को इस तरह से जितना ज़्यादा डाइल्यूट किया जाता है, लक्षणों का इलाज करने की उसकी ताकत उतनी ही ज़्यादा होती है। कई होम्योपैथिक इलाज में ऐसी चीज़ें होती हैं जिन्हें बार-बार पानी में तब तक डाइल्यूट किया जाता है जब तक कि असली चीज़ बहुत कम या बिल्कुल न बचे। होम्योपैथिक प्रैक्टिशनर दावा करते हैं कि यह कई तरह की बीमारियों का इलाज कर सकती है, जिसमें अस्थमा जैसी शारीरिक बीमारियाँ और डिप्रेशन जैसी मानसिक बीमारियाँ शामिल हैं। होम्योपैथी के असर पर कई स्टडी की गई हैं। किसी भी हेल्थ कंडीशन के इलाज के तौर पर इसके असर को दिखाने के लिए कोई पक्का सबूत नहीं है। होम्योपैथ के साथ आपके पहले कंसल्टेशन के दौरान, वे आम तौर पर किसी खास हेल्थ कंडीशन, आपकी पूरी सेहत, आपकी इमोशनल हालत, आपकी लाइफस्टाइल और आपके खाने-पीने के बारे में पूछेंगे। इस जानकारी के आधार पर, होम्योपैथ इलाज तय करेगा, जिसमें अक्सर होम्योपैथिक इलाज टैबलेट, कैप्सूल या टिंचर (सॉल्यूशन) के रूप में दिए जाते हैं। आपका होम्योपैथ आपकी सेहत पर इलाज के असर का अंदाज़ा लगाने के लिए एक या ज़्यादा फ़ॉलो-अप अपॉइंटमेंट की सलाह दे सकता है। इसका इस्तेमाल कई तरह की बीमारियों के लिए किया जाता है। कई डॉक्टरों का मानना है कि यह लगभग किसी भी बीमारी में मदद कर सकती है। जिन सबसे आम बीमारियों के लिए लोग होम्योपैथिक इलाज करवाते हैं, उनमें ये शामिल हैं: अस्थमा कान में इन्फेक्शन हे फीवर मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियां, जैसे डिप्रेशन, स्ट्रेस और एंग्जायटी एलर्जी, जैसे खाने की चीज़ों से एलर्जी डर्मेटाइटिस (त्वचा की एक एलर्जिक बीमारी) आर्थराइटिस हाई ब्लड प्रेशर होम्योपैथी इन या किसी दूसरी बीमारियों के लिए असरदार इलाज है। कुछ डॉक्टर यह भी दावा करते हैं कि होम्योपैथी मलेरिया या दूसरी बीमारियों को रोक सकती है। वॉलंटरी रेगुलेशन का मकसद मरीज़ की सुरक्षा को बचाना है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि इलाज के असर का साइंटिफिक सबूत है। होम्योपैथिक इलाज आम तौर पर सुरक्षित होते हैं, और गंभीर साइड इफ़ेक्ट का खतरा कम माना जाता है। कुछ होम्योपैथिक इलाज में ऐसे पदार्थ हो सकते हैं जो असुरक्षित हों या दूसरी दवाओं के असर में रुकावट डालें। अगर आप डॉक्टर की लिखी दवाएं ले रहे हैं और होम्योपैथी लेने के बारे में सोच रहे हैं, तो आपको अपने डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। अगर आप डॉक्टर के लिखे इलाज बंद करने या होम्योपैथी के लिए वैक्सीनेशन जैसे प्रोसीजर से बचने की सोच रहे हैं, तो भी आपको अपने डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। होम्योपैथी के असर पर सबूत होम्योपैथी के असर पर साइंटिफिक सबूतों के कई रिव्यू किए गए हैं। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि जो चीज़ें कुछ खास लक्षण पैदा करती हैं, वे उनके इलाज में भी मदद कर सकती हैं। न ही इस बात का कोई सबूत है कि चीज़ों को पानी में घोलकर और हिलाकर उन्हें दवा बनाया जा सकता है। होम्योपैथी के पीछे के आइडिया को पारंपरिक साइंस नहीं मानता और वे दुनिया के काम करने के तरीके के बारे में लंबे समय से माने गए सिद्धांतों से मेल नहीं खाते। उदाहरण के लिए, कई होम्योपैथिक इलाज में असली चीज़ का एक भी मॉलिक्यूल बचना मुश्किल होता है।

महापंडित राहुल सांकृत्यायनः जिन्होंने 20वीं सदी में भारतीय ज्ञान परंपरा को विश्व पटल पर पुनर्जीवित किया

लेखक - कुमार कृष्णन

महापंडित राहुल सांकृत्यायन... एक ऐसा व्यक्तित्व जिन्होंने 20वीं सदी में भारतीय ज्ञान परंपरा को विश्व पटल पर पुनर्जीवित किया। 09 अप्रैल को उनका जन्म हुआ था। महापंडित राहुल सांकृत्यायन (1896-1963) न केवल एक अथक यात्री थे, बल्कि एक विपुल लेखक भी थे जिन्होने 13 साल की उम्र में पहली बार घर छोड़कर अपनी यात्रा शुरु की। उन्होंने यात्रा वृतांत को साहित्यिक रूप दिया इसलिए राहुल सांकृत्यायन को हिंदी यात्रा साहित्य का जनक कहा जाता है। उन्होंने अपने जीवन के 45 वर्ष अपने घर से दूर अन्वेषण में बिताए। अपने जीवन के विभिन्न चरणों में राहुल सांकृत्यायन एक वैष्णव मठ के महंत, किसान आंदोलन कारी, बौद्ध भिक्षु, स्वतंत्रता सेनानी और क्रांतिकारी थे। हालांकि उनका सबसे बड़ा योगदान अपनी यात्राओं के माध्यम से भारत और तिब्बत के बीच प्राचीन संबंधों को फिर से उजागर करना और प्रचुर सामग्री भारत वापस लाना था। मिन्हाजू सिराज ने अपनी पुस्तक तबकात -ए-नासरी में 12वीं शताब्दी के अंत में नालंदा, विक्रमशिला और उदवंतपुरी के प्राचीन विश्वविद्यालयों के विध्वंश का वर्णन किया है। मुख्य रूप से बौद्ध शाक्य सम्प्रदाय के मठों में संग्रहित कई अमूल्य पांडुलिपियों को तिब्बत से वापस लाए। इन ग्रन्थों को पलायनकारी भिक्षु अपने साथ तिब्बत ले गए थे। तिब्बत के मौसम ने यह सुनिश्चित किया कि ये प्रकृति की अनिश्चितताओं से नष्ट न हो।महापंडित ने संस्कृत, पाली और अन्य भाषाओं में दुर्लभ पांडुलिपियों को प्राप्त करने के लिए तिब्बत में लगातार चार अभियानों का नेतृत्व किया और उनके प्रयासों ने बुद्ध की शिक्षाओं को पुनर्जीवित किया जो विलुप्तता के कगार पर थीं। अपने प्रयासों से वह न केवल इन दुर्लभ हिंदू और बौद्ध ग्रंथो की प्रतियां वापस लाए बल्कि उपमहाद्वीप की भूली हुई विरासत और इतिहास पर भी प्रकाश डाला। राहुल सांकृत्यायन ने स्वयं पाली सीखी और बौद्ध ग्रंथ "मध्यम निकाय" का अध्ययन किया जिसमें बौद्ध प्रवचनों का वर्णन है। राहुल सांकृत्यायन के अनुसार, तिब्बत की उनकी यात्राएं अच्छे और बुरे दोनों अनुभवों से पूर्ण थी। जहां उन्होंने भारी कठिनाइयों का सामना किया, वहीं कुछ अनुभव बहुत अच्छे थे। उन्हें प्राचीन ताड़ के पत्तों की पांडुलिपियों के साथ-साथ भारतीय शैली की अमूल्य स्क्रॉल पेंटिंग भी मिली। 1926 में राहुल जी ने अपनी पहली तिब्बत यात्रा ज्यादातर पैदल तय की। उस यात्रा में उनका साथी केवल एक कुत्ता था। तिब्बत की उनकी बाद की यात्राओं में घोड़े तथा खच्चर यात्रा के साधन थे। उन्होंने लिखा है कि उनके पास जो पैसे थे उनमें से ज्यादातर यात्रा खर्च के लिए भी पर्याप्त नहीं थे। वह आगे लिखते हैं कि उन्हें कभी दूसरों से पैसा उधार लेना पसंद नहीं था, लेकिन तिब्बत में उन्हें इस व्यक्तिगत प्रवृत्ति को छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। 1933-34 में अपनी दूसरी यात्रा के दौरान उन्होंने अपने उल्लेखनीय साथी, मित्र, दार्शनिक, कलाकार और भिक्षु 'गेदुन चोफेल' से मुलाकात की। राहुलजी के अनुसार तिब्बत एक सुनहरा पुल था जिस पर वे एक-दूसरे से मिले थे। उनकी दोस्ती पारस्परिक सम्मान पर आधारित थी और दोनों ने एक-दूसरे की सोच और दृष्टिकोण को प्रभावित किया। वह गेदुन चोफेल को लेकर भारत वापिस लौटे जिसे तिब्बती विद्वान ने अपने सपने का साकार होना बताया।भारत और तिब्बत के बीच के प्रगाढ़ संबंधों को उजागर करना है। उनकी तिब्बत से 22 खच्चर भर लाई गई पांडुलिपियां अनमोल हैं।महापंडित ने अपने गांव के स्कूल में केवल उर्दू का अध्ययन किया था, लेकिन 30 से अधिक भाषाओं में स्व-शिक्षित थे और 12 से अधिक में पारंगत थे। उन्होंने यात्रा वृतांत से लेकर उपन्यास तक 140 से अधिक ग्रंथ लिखे। उनका सबसे बड़ा योगदान आम जनता के लिए प्राचीन बौद्ध ग्रंथों का सरल हिंदी में अनुवाद करना रहा, जिससे यह सर्वसुलभ हो गया। उन्होंने तिब्बती-हिन्दी शब्दकोश भी लिखा। मूल बौद्ध सिद्धांतों को पढ़ने के लिए उन्होंने स्वयं पाली सीखी। बाद में वे श्रीलंका गये जहां उन्होंने संस्कृत पढ़ाई।राहुल सांकृत्यायन द्वारा लाई गईं अधिकांश पांडुलिपियां काशी प्रसाद जायसवाल संस्थान, पटना में संरक्षित हैं। श्री जयसवाल स्वयं एक प्रसिद्ध इतिहासकार और वकील थे जिन्होंने महापंडित को उनकी यात्राओं के वित्तपोषण और पांडुलिपियों के अनुवाद में सहायता की।राहुल सांकृत्यायन को साहित्य अकादमी और पद्म भूषण सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया । उन्होंने त्रिपटक ग्रंथ का गहन अध्ययन किया और उन्हें' त्रिपटकाचार्य' की उपाधि दी गई । उनकी रचनाएं मुख्य रूप से हिंदी में हैं, जिसके कारण अंग्रेजी भाषी अभिजात वर्ग द्वारा इसे नजरअंदाज कर दिया गया है। उनके समकालीन ज्ञानी उन्हें विलक्षण प्रतिभा का धनी मानते थे। पं. जवाहर लाल नेहरू ने कहा था, 'मैं केवल एक ही राहुल को जानता हूं जो विलक्षण हैं।'हमारा देश वर्तमान में 'सांस्कृतिक पुनरुद्धार' पर की ओर अग्रसर है। हमें महापंडित जैसे लोगों का अध्ययन करने और उनके योगदान से सीखने की जरूरत है। राहुल सांकृत्यायन ने जनमानस की चेतना से मिटाए गए ग्रंथों को फिर से खोजा। उनका लेखन भारत और तिब्बत के बौद्ध संबंधों और विरासत को समझने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।महापंडित का जीवन 'चरैवेति —चरैवेति' वाक्यांश में समाहित है, जिसका अर्थ है निरंतर चलते रहो। 'बदलाव' भी उनके जीवन का उपयुक्त वर्णन होगा। राहुल सांकृत्यायन भारतीय ज्ञान तथा परंपरा के प्रतीक हैं जिसे पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। उन्होंने अपना समय एवं ऊर्जा, हमारे प्राचीन ग्रंथों और संस्कृति के अध्ययन की पुनः खोज और उनके माध्यम से भारत और तिब्बत के बीच के संबंधों को और भी प्रगाढ़ करने में समर्पित किया जिसके लिये वह साधुवाद के भागी हैं।करीब 100 साल पहले राहुल सांकृत्यायन द्वारा तिब्बत से लाई गई विश्व प्रसिद्ध पांडुलिपियां आज भी अपने पूर्ण संरक्षण और अनुवाद की प्रतीक्षा कर रही हैं। यह धरोहर न केवल धार्मिक है, बल्कि प्राचीन भारत-चीन और तिब्बत संबंधों का सबसे बड़ा ऐतिहासिक प्रमाण भी है।राहुल सांकृत्यायन ने वर्ष 1929 से 1938 के बीच चार बार तिब्बत की दुर्गम यात्राएं की थीं। उन यात्राओं के दौरान उन्होंने मठों और गांवों का सघन सर्वेक्षण कर करीब 10 हजार ग्रंथ एकत्र किए थे। इस विशाल संग्रह का मुख्य हिस्सा उन्होंने बिहार एंड ओडिशा रिसर्च सोसाइटी, पटना को सौंपा था, जबकि दुर्लभ पांडुलिपियों का एक विशेष हिस्सा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण दिल्ली को दिया गया। दिल्ली के धरोहर भवन में रखी इन पांडुलिपियों में सबसे अद्भुत 'सेरडे' संस्करण है, जिसमें 108 पोथियां शामिल हैं। ये पांडुलिपियां हस्तनिर्मित कागज पर शुद्ध सोने की स्याही से लिखी गई हैं, जिन्हें 'कंजूर' यानी बुद्ध के प्रत्यक्ष वचन कहा जाता है। 'भोट' लिपि में लिखे गए इन 845 ग्रंथों को 20वीं शताब्दी की सबसे महत्वपूर्ण विश्व धरोहरों में गिना जाता है।

गरमियों की छुट्टियाँ और रंगमंचः बच्चों के समग्र विकास की एक सार्थक दिशा

सुमन कुमार

गरमियों की छुट्टियाँ बच्चों के जीवन में केवल विश्राम का समय नहीं होतीं, बल्कि यह वह महत्वपूर्ण अवसर भी होता है जब उनके व्यक्तित्व, संवेदना और रचनात्मकता को नई दिशा दी जा सकती है। आज के समय में, जब शिक्षा का स्वरूप अधिकतर प्रतिस्पर्धात्मक और परिणाम-केंद्रित हो गया है, यह प्रश्न अत्यंत प्रासंगिक हो उठता है कि बच्चों के भीतर के मनुष्य को विकसित करने के लिए हम क्या कर रहे हैं। ऐसे में रंगमंच एक अत्यंत प्रभावी और जीवंत माध्यम के रूप में हमारे सामने उपस्थित होता है। रंगमंच मानव सभ्यता की सबसे प्राचीन सामाजिक विधाओं में से एक है। यह केवल एक कला रूप नहीं, बल्कि जीवन के अनुभवों को साझा करने, समझने और अभिव्यक्त करने की एक सामूहिक प्रक्रिया है। प्राचीन काल से लेकर आज तक रंगमंच ने साहित्य, दर्शन, समाज और लोकतांत्रिक विचारों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह जीवन के सबसे निकट रहता है—यह न तो कृत्रिम भव्यता पर निर्भर करता है और न ही महंगे संसाधनों पर। यह स्थानीयता, सरलता और मानवीय संवेदना पर आधारित होता है। आज के डिजिटल युग में, जहाँ बच्चों का अधिकांश समय स्क्रीन के सामने बीतता है, रंगमंच उन्हें उनके वास्तविक अस्तित्व से पुनः जोड़ने का कार्य करता है। मोबाइल, इंटरनेट और आभासी दुनिया ने बच्चों को जानकारी तो दी है, परंतु उनके अनुभवों को सीमित भी कर दिया है। वे बहुत कुछ "देखते" हैं, परंतु कम "जीते" हैं। रंगमंच इस कमी को पूरा करता है, क्योंकि यह बच्चों को सक्रिय भागीदारी के माध्यम से सीखने और अनुभव करने का अवसर देता है। रंगमंच का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि यह बच्चों के "जैविक संसाधनों" को विकसित करता है—उनकी आवाज़, उनका शरीर और उनकी आंतरिक संवेदना। एक बच्चे की आवाज़, जो अक्सर संकोच या भय के कारण दब जाती है, मंच पर खुलकर अभिव्यक्त होती है। वह सीखता है कि कैसे अपनी बात स्पष्ट, प्रभावी और आत्मविश्वास के साथ कही जाए। यह कौशल जीवन के हर क्षेत्र में उसके काम आता है। इसी प्रकार, रंगमंच बच्चों को उनके शरीर के प्रति सजग बनाता है। आज की जीवनशैली में, जहाँ शारीरिक गतिविधियाँ कम होती जा रही हैं, रंगमंच उन्हें गति, लय और अभिव्यक्ति का अनुभव कराता है। वे समझते हैं कि उनका शरीर केवल एक जैविक संरचना नहीं, बल्कि एक सशक्त अभिव्यक्ति का माध्यम है। सबसे महत्वपूर्ण है—संवेदनशीलता का विकास। रंगमंच बच्चों को विभिन्न पात्रों के माध्यम से "दूसरे" के जीवन को जीने का अवसर देता है। जब वे किसी पात्र की भूमिका निभाते हैं, तो वे उसके दुख, सुख, संघर्ष और दृष्टिकोण को समझते हैं। यह अनुभव उनके भीतर सहानुभूति (empathy) को विकसित करता है, जो एक संवेदनशील समाज के निर्माण के लिए अनिवार्य है। रंगमंच बच्चों में आत्मविश्वास और संप्रेषण कौशल के साथ-साथ सामूहिकता की भावना भी विकसित करता है। एक नाटक का निर्माण एक सामूहिक प्रक्रिया है, जिसमें हर व्यक्ति का योगदान महत्वपूर्ण होता है। बच्चे सीखते हैं कि कैसे एक टीम के रूप में कार्य किया जाए, दूसरों की बात सुनी जाए, और मिलकर एक साझा लक्ष्य की ओर बढ़ा जाए। यह अनुभव उन्हें लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक बनाता है। वर्तमान समय में, जब समाज तेजी से बाजार-केंद्रित होता जा रहा है, और मनुष्य को एक उपभोक्ता के रूप में देखा जाने लगा है, रंगमंच एक सांस्कृतिक प्रतिरोध के रूप में भी उभरता है। यह बच्चों को यह समझने में मदद करता है कि जीवन का मूल्य केवल उपभोग में नहीं, बल्कि सृजन, संवेदना और सहभागिता में है। यह उन्हें "मैं" से "हम" की ओर ले जाता है। रंगमंच की एक और महत्वपूर्ण विशेषता उसकी स्थानीयता है। यह बच्चों को उनकी जड़ों से जोड़ता है—उनकी भाषा, उनके लोकजीवन, उनकी परंपराओं और सांस्कृतिक स्मृतियों से। वैश्वीकरण के इस दौर में, जब स्थानीय पहचान धीरे-धीरे क्षीण होती जा रही है, रंगमंच उसे पुनः जीवित करने का कार्य करता है। यह बच्चों को यह सिखाता है कि सृजन के लिए बाहरी संसाधनों की नहीं, बल्कि आंतरिक कल्पना और अनुभव की आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त, रंगमंच का अभ्यास बच्चों की भाषा दक्षता, स्मरण शक्ति, एकाग्रता और समस्या-समाधान की क्षमता को भी बढ़ाता है। वे संवाद याद करना, परिस्थिति के अनुसार प्रतिक्रिया देना और मंच पर उपस्थित चुनौतियों का समाधान करना सीखते हैं। ये सभी कौशल उनके शैक्षणिक और व्यक्तिगत जीवन में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते हैं। गरमियों की छुट्टियाँ इस प्रकार के प्रशिक्षण के लिए अत्यंत उपयुक्त समय हैं। इस दौरान बच्चे नियमित शैक्षणिक दबाव से मुक्त होते हैं और नई चीजें सीखने के लिए अधिक उत्साहित रहते हैं। यदि इस समय का उपयोग रंगमंच जैसे सृजनात्मक अभ्यास में किया जाए, तो यह उनके व्यक्तित्व के विकास में दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकता है। अभिभावकों की भूमिका यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्हें यह समझना होगा कि बच्चों का विकास केवल अंकों और प्रमाणपत्रों से नहीं होता, बल्कि उनके अनुभवों, संवेदनाओं और अभिव्यक्ति की क्षमता से भी होता है। रंगमंच उन्हें यह अवसर प्रदान करता है कि वे स्वयं को खोजें, समझें और व्यक्त करें। रंगमंच बच्चों को केवल एक कला नहीं सिखाता, बल्कि उन्हें जीवन जीने की कला से परिचित कराता है। यह उन्हें आत्मविश्वासी, संवेदनशील और जागरूक नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करता है। गरमियों में, जब हमारे पास समय और अवसर दोनों हैं, आइए हम बच्चों को रंगमंच से जोड़ें—ताकि वे केवल ज्ञान अर्जित न करें, बल्कि जीवन को गहराई से समझें और उसे सृजनात्मक रूप से जी सकें।

किंग कोहली से तुलना पर भड़के बाबर आजम, बोली ये बड़ी बात

पेशावर (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम का एक वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है. जिसमें वो पत्रकार से कोहली से तुलना करने से रोक रहे है और साथ में ये भी कह रहे हैं कि मैं ने भी बहुत से मैच फिनिश किए हैं। दरअसल बाबर आजम की ये वीडियो पीएसएल 2026 के मैच (हैदराबाद किंग्समेन बनाम पेशावर जालमी) के बाद की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस की है. उस मैच में जालमी ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया और हैदराबाद किंग्समेन को 145 के मामूली टोटल पर रोक दिया. लक्ष्य का पीछा करते हुए, बाबर ने 37 गेंदों पर 43 रन बनाकर पारी को संभाला, लेकिन मैच फिनिश करने से पहले ही आउट हो गए. उसके बाद बाबर की टीम ने आखिरी गेंद पर जीत हासिल की।

विराट से तुलना पर भड़के बाबर

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक पत्रकार ने बाबर से उनकी फिनिशिंग काबिलियत को लेकर हो रही चर्चा के बारे में पूछा, और उनकी तुलना भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली से की। पत्रकार ने पूछा, आपसे बहुत उम्मीदें हैं, आप इनिंग को आगे बढ़ाते हैं लेकिन गेम फिनिश नहीं करते. आपकी तुलना अक्सर विराट कोहली से की जाती है, क्या आपको लगता है कि यह तुलना सही है? हालांकि, बाबर ने सवाल को बीच में ही रोकते हुए तुलना को तुरंत बंद कर दिया. बाबर ने कहा, खत्म कर दें आप, जिस वजह से आप सवाल

पेशावर जालमी का प्रदर्शन

पाकिस्तान सुपर लीग के 11वें सीजन में बाबर आजम की टीम पेशावर जालमी ने अब तक शानदार खेल का प्रदर्शन किया है. तीन मैच में दो जीत और एक मैच रद्द होने से वो 5 अंको के साथ पॉइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर हैं. जबकि मुल्तान सुल्तान पांच मैच के बाद 8 अंको के साथ पहले स्थान पर है, वहीं कराची किंग और इस्लामाबाद यूनाइटेड दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं।

आईपीएल 2026 के बीच अफगानिस्तान को बड़ा झटका

दिग्गज स्पिनर भारत टेस्ट से हो सकते हैं बाहर

नईदिल्ली (एजेंसी)। राशिद खान के भारत के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट से बाहर रहने की संभावना ने अफगानिस्तान टीम को बड़ा झटका दिया है। जून में खेले जाने वाले इस मुकाबले से पहले राशिद ने खुद साफ संकेत दे दिए हैं कि वह इस मैच में शायद हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

डॉक्टर की सलाह बनी बड़ी वजह– राशिद खान ने खुलासा किया कि उनकी पीठ की चोट (बैक इंजरी) को लेकर डॉक्टर ने उन्हें साफ तौर पर रेड–बॉल क्रिकेट से दूर रहने की सलाह दी है। लगातार लंबे स्पेल फेंकने से उनकी चोट बढ़ सकती है, जिससे उनके करियर पर भी असर पड़ सकता है।

राशिद खान का बड़ा बयान– राशिद ने अपने फैसले पर खुलकर कहा, रेड–बॉल क्रिकेट मेरे लिए थोड़ा मुश्किल है क्योंकि डॉक्टर ने साफ कहा है कि इससे दूर रहो। मैंने पहले भी खेला, लेकिन सर्जरी के बाद जब मैंने 67 ओवर डाले तो डॉक्टर हैरान रह गए। उन्होंने कहा कि अगर लंबा करियर चाहिए तो इस फॉर्मेट से दूरी बनानी होगी। अफगानिस्तान के टेस्ट खेलने वाला देश बनने के बाद से राशिद ने इस फॉर्मेट में बहुत कम मैच खेले हैं। उन्होंने संकेत दिया कि वह साल में एक टेस्ट तक ही खुद को सीमित रख सकते हैं, क्योंकि लगातार लंबे स्पेल उनके शरीर पर ज्यादा दबाव डालते हैं।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप

कोटा की बेटी अरुंधति ने जीता गोल्ड

कजाकिस्तान की टॉप बॉक्सर को 4-1 से हराया

कोटा (एजेंसी)। मंगोलिया की राजधानी उलानबटार में 28 मार्च से बॉक्सिंग की एशियन चैंपियनशिप शुरू हुई थी. इसमें भारतीय बॉक्सिंग टीम में कोटा की बॉक्सर अरुंधति चौधरी भी शामिल है, जिसने गुरुवार को गोल्डन पंच मारा. अरुंधति ने फाइनल मुकाबला खेलते हुए 4-1 से अपने प्रतिद्वंद्वी कजाकिस्तान की टॉप बॉक्सर बकित सेइडिश को हराया.

अरुंधति के शुरुआती कोच कोटा महाबली स्पोर्ट्स एकेडमी कोटा के अशोक गौतम ने बताया कि पूरी तरह से तीन राउंड में एक तरफा मुकाबले जैसा ही रहा है और पूरे मुकाबले में प्रतिद्वंदी बॉक्सर बकित सेइडिश पर भारी रही है. अरुंधति ने सीनियर वर्ग में 70 किलोग्राम भार वर्ग में खेलते हुए स्वर्ण पदक जीता है. बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया से लेकर कई लोगों ने उसे बधाई दी है।

कोटा की बॉक्सर अरुंधति के पिता और जिला मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष सुरेश चौधरी ने कहा कि उन्हें बेटी पर गर्व है. वह लगातार भारत का नाम ऊंचा कर रही है. आने वाले दिनों में वह ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम में भी भारत का प्रतिनिधित्व करेगी और भारत को यहां भी गोल्ड मेडल दिलाएगी. उनकी मां सुनीता चौधरी ने भी खुशी जताई है. अपनी बेटी के बारे में कहा है कि वह हमारा ही नहीं, कोटा और राजस्थान का नाम ऊंचा कर रही है. इसके पहले अरुंधति ने सेमी फाइनल मुकाबले में उज्बेकिस्तान की बॉक्सर ओयसिया थिरोव को 4-1 के अंतर से मात दी थी।

सीनियर वर्ग में अरुंधति का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह दूसरा बड़ा मुकाबला है. इससे पूर्व में वह वर्ल्ड कप 2025 नवंबर में स्वर्ण पदक जीत चुकी है. इसके पहले अरुंधति जूनियर का यूथ वर्ग के अंदर कई बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीत चुकी है. इसमें यूथ वर्ल्ड चैंपियनशिप, नेशन कप सर्बिया, फीमेल बॉक्स कप आयरलैंड, जूनियर एशियाई चैंपियनशिप, इंटरनेशनल मेमोरियल कप यूक्रेन, बोक्सएम कप, यूथ एशियाई चैंपियनशिप मंगोलिया, अट्रैक्टिव पर्ल मॉन्टेंगरो, यूथ वर्ल्ड चैंपियनशिप पोलैंड, स्ट्रेंजर कप बुल्गारिया में पदक जीत चुकी है. जबकि एशियन गेम 2022 में पार्टिसिपेट किया. साथ ही भारत में आयोजित वर्ल्ड कप 2026 में गोल्ड मेडल जीता है. इसके साथ जूनियर एशियाई बेस्ट बॉक्सर भी रही है।

अरुंधति मंगोलिया में है. उनके पिता सुरेश चौधरी ने अरुंधती से ईटीवी भारत की वीडियो कॉल पर बातचीत करवाई, जिसमें अरुंधति ने कहा कि मैं बहुत खुश हूं कि मैं अच्छा परफॉर्म कर पाई हूं. इसके लिए बॉक्सिंग फेडरेशन, कोच अशोक गौतम व उनके पेरेंट्स का धन्यवाद है. पूरे भारत के लोगों का जिन्होंने मदद की और उन्हें आगे बढ़ाने की प्रार्थना की है. उनका अगला टारगेट ग्लॉसगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम है. उन्होंने लड़कियों के लिए कहा कि सपने देखने में कोई कंजूसी नहीं करनी चाहिए. सपना देखेंगे तो वह जरूर पूरे होंगे. सपने देखने की हिम्मत करनी चाहिए। अरुंधति चौधरी ने कहा कि मैं 3 महीने से घर नहीं आई हूं. अभी एक महीना से विदेश में हूं और मुझे घर आना है. घर का खाना खाना है. विदेश में एक महीने में भारत जैसा खाना नहीं मिला है. घर

में अपनी मां के हाथ की सब्जी और रोटी खानी है. इसके साथ ही मां और पूरे परिवार से उन्हें प्यार लेना है, फिर वापस कॉमनवेल्थ की तैयारी में जाना है।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप

लक्ष्य के बाद सिंधु भी टूर्नामेंट से हुई बाहर

भारत को लगा बड़ा झटका

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के दो स्टार शटलर 'लक्ष्य सेन' और 'पीवी सिंधु' का बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 में सफर खत्म हो गया. चीन के निंगबो ओलंपिक स्पोर्ट सेंटर में खेली जा रही चैंपियनशिप में आज (गुरुवार, 9 अप्रैल) राउंड ऑफ 16 में सिंधू को वर्ल्ड की नंबर दो वांग झी यी से हार का सामना करना पड़ा. वांग झी ने सिंधु को सीधे गेम में 21-18, 21-8 से हरा दिया, जिससे टूर्नामेंट में उनका सफर खत्म हो गया।

सिंधु ने पहले गेम में कड़ा मुकाबला किया. जिसकी वजह से वो 18 पॉइंट तक बराबरी पर रहीं लेकिन उसके बाद वो कुछ रैलियों को अपने पक्ष में नहीं कर पाई.

जिससे उन्हें पहला गेम 18-21 से हारना पड़ा. लेकिन, दूसरे गेम में वांग पूरी तरह से अपना दबदबा बनाई रखीं, सिंधु को आगे ही नहीं निकलने दी. जिसकी वजह से वो दूसरे गेम को भी बड़े अंतर 21-8 से अपने नाम करने में सफल रहीं।

लक्ष्य सेन पहले दौर में ही हारे

सिंधू के बाहर होने से सिंगल्स मुकाबलों में भारत के लिए चैंपियनशिप में मुश्किलें और बढ़ गई हैं. इससे पहले टूर्नामेंट में लक्ष्य सेन को पहले ही दौर में हांगकांग के ली चेउक यियू के हाथों हार का सामना करना पड़ा था. लक्ष्य, जो ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन के बाद इस टूर्नामेंट में उतरे थे, 41 मिनट चले मुकाबले में 12–21, 19–21 से हार गए।

दूसरे शटलरों से भारत को उम्मीद

दोनों स्टार शटलर के जल्दी बाहर हो जाने से सिंगल्स कैटेगरी में भारत की उम्मीदों को झटका लगा है. हालांकि, भारत का प्रतिनिधित्व अभी भी दूसरी कैटेगरी में राउंड ऑफ 16 में बना हुआ है। मेंस सिंगल्स में एच.एस. प्रणॉय का मुकाबला वेंग होंग यांग से होगा, जबकि मिक्स्ड डबल्स में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी का सामना चेन तांग जी और तोह ई वेई से होगा। विमेंस डबल्स में, ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद का मुकाबला आज बाद में यूकी फुकुशिमा और मायु मात्सुमोतो से होगा, वहीं वुमेंस सिंगल्स में आकर्षी कश्यप भी एक्शन में होंगी।

बेंगलुरु और राजस्थान के मुकाबले में शीर्षक्रम के बल्लेबाजों पर रहेगी नजरें

गुवाहाटी (एजेंसी)। यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी से मिल रही आक्रामक शुरूआत के साथ राजस्थान रॉयल्स शुक्रवार को यहां गत चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ आईपीएल के मैच में अपना दबदबा कायम रखना चाहेगी जबकि आरसीबी की उम्मीदें फॉर्म में चल रहे देवदत्त पडिक्कल पर टिकी होंगी।

दो साल पहले टी20 क्रिकेट से विदा लेने के बावजूद आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के प्रदर्शन में कमी नहीं आई है। उनके मार्गदर्शन में आरसीबी ने संतुलित शीर्षक्रम तैयार कर लिया है और पिछले मैच में फिल साल्ट ने भी उम्दा पारी खेली थी। तीसरे नंबर पर उतर रहे पडिक्कल ने घरेलू क्रिकेट का अपना फॉर्म कायम रखते हुए संतुलित आक्रामकता के साथ बल्लेबाजी की है।

आईपीएल में अपने पदार्पण सत्र में आरसीबी के लिए 473 रन बनाने वाले पडिक्कल बाद में राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जाइंट्स के साथ उस सफलता को दोहरा नहीं सके थे। पिछले सत्र में वह आरसीबी में लौटे और पहली बार उसे आईपीएल खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

व्यापार

पड़ोसी देशों में पेट्रोल-डीजल 128 प्रतिशत तक महंगा

नईदिल्ली, एजेंसी। ईरान युद्ध के बाद जब कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ीं, तो इसका असर दुनिया के अधिकतर देशों पर पड़ा। पड़ोसी म्यांमार में डीजल के रेट में 128.50 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई तो पेट्रोल का दाम 93.9 प्रतिशत बढ़ गया, लेकिन भारत एक दिलचस्प स्थिति में है। आज भी दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपये और डीजल 87.67 रुपये लीटर है। एक तरफ यह दुनिया का बड़ा तेल आयातक देश है, वहीं दूसरी तरफ यहां सरकार कीमतों को पूरी तरह बाजार पर नहीं छोड़ती। यही कारण है कि वैश्विक उछाल के बावजूद भारत में फिलहाल पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर दिखाई दे रही हैं।

म्यांमार से पाकिस्तान तक पेट्रोल-डीजल हुआ महंगा

ग्लोबल पेट्रोल प्राइसेज डॉट कॉम के 6 अप्रैल तक के जारी आंकड़ों के मुताबिक पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाने वाले टॉप-10 देशों में म्यांमार, फिलीपींस, मलेशिया, कंबोडिया, पाकिस्तान, लाओस, जिमबाब्वे, यूएई, वियतनाम और पनामा हैं। यहां युद्ध के बाद से पेट्रोल 38.5 प्रतिशत से लेकर 93.9 प्रतिशत महंगा हुआ है।

चांदी के भाव 2 प्रतिशत टूटे, सोना भी दबाव में

कच्चे तेल की कीमतों में फिर से तेजी

नईदिल्ली, एजेंसी। कमोडिटी मार्केट में गुरुवार, 9 अप्रैल को सोना और चांदी दोनों में कमजोरी देखने को मिली। स्क्ष्ङ्ग पर चांदी करीब 2 प्रतिशत गिरकर 2,35,133 प्रति किलो पर आ गई, जबकि सोना 0.7 प्रतिशत यानी 1,129 टूटकर 2,39,918 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इंटरनेशनल मार्केट में भी यही ट्रेंड देखने को मिला। स्पॉट सिल्वर 73.83 डॉलर प्रति औंस पर फिसल गई, जबकि सोना 4,715 डॉलर प्रति औंस के आसपास स्थिर, लेकिन दबाव में रहा।

सोना-चांदी के भाव में गिरावट की सबसे बड़ी वजह अमेरिका और ईरान के बीच घोषित युद्धविराम पर बढ़ती अनिश्चितता है। हालात, पूरी तरह शांत नहीं हैं। इजरायल द्वारा लेबनान में बड़े हमले और ईरान की चेतावनी ने बाजार की चिंता बढ़ा दी है। इसके अलावा होर्मुज स्ट्रेट अब भी पूरी तरह सामान्य नहीं हुआ है, जिससे ग्लोबल सप्लाई को लेकर डर बना हुआ है। कच्चे तेल की कीमतों में फिर से तेजी देखने को मिली है। ब्रेंट और क्रूड दोनों 97 प्रति बैरल के ऊपर कारोबार कर रहे हैं। तेल महंगा होने से महंगाई बढ़ने का खतरा बढ़ता है, जिससे केंद्रीय बैंक ब्याज दरें ऊंची रख सकते हैं। यही वजह है कि सोना और चांदी जैसे बिना ब्याज वाले निवेश दबाव में आ जाते हैं।

डॉलर और फेड की नीति का असर: डॉलर इंडेक्स में स्थिरता भी कीमती धातुओं पर दबाव बना रही है। मजबूत डॉलर से सोना-चांदी महंगे हो जाते हैं, जिससे उनकी मांग कम होती है। वहीं, फेडरल रिजर्व के संकेत भी बाजार को प्रभावित कर रहे हैं। अगर महंगाई उम्मीद से ज्यादा रहती है, तो ब्याज दरों में कटौती टल सकती है या बढ़ोतरी भी हो सकती है।

निवेशकों की नजर अहम डेटा पर:

बाजार अब अमेरिकी महंगाई डेटा और जॉब्लेस क्लेम्स पर टिकी है। ये आंकड़े तय करेंगे कि आगे फेड की नीति क्या रहेगी और सोना-चांदी का रुख किस दिशा में जाएगा।

क्या यह खरीदारी का सही समय है: मौजूदा हालात में बाजार पूरी तरह खबरों पर आधारित है। ऐसे में जल्दबाजी में बड़े निवेश से बचना बेहतर माना जा रहा है।

डीए के ऐलान में हो रही देरी, 1.2 करोड़ कर्मचारियों की नजर सरकार के फैसले पर

नईदिल्ली, एजेंसी। जनवरी-जून 2026 के महंगाई भत्ते बढ़ोतरी का इंतजार इस बार लंबा हो गया है। अप्रैल शुरू होने के बावजूद सरकार ने अभी तक कोई घोषणा नहीं की है। पिछले 10 सालों के ट्रेंड को देखें तो जनवरी साइकिल का आमतौर पर मार्च तक घोषित हो जाता था, लेकिन 2026 में पहली बार ऐसा हुआ है कि मार्च गुजर गया और फैसला नहीं आया। इस देरी के चलते 1.2 करोड़ से ज्यादा केंद्रीय कर्मचारी और पेंशनर्स अब सरकार के अगले कदम पर नजर बनाए हुए हैं। वजह से नहीं, बल्कि प्रक्रियात्मक कारणों से हो रही है। डीए अब 60 प्रतिशत के करीब पहुंच रहा है, इसलिए वित्तीय मंजूरी और कैलकुलेशन में ज्यादा सावधानी बरती जा रही है। इसके अलावा 1 जनवरी 2026 से लागू हो रहे 8वें वेतन आयोग के ट्रांजिशन का भी असर इस टाइमिंग पर पड़ रहा है। सरकार इस बार डीए ऐलान को नए वित्तीय वर्ष (2026-27) के साथ जोड़कर जारी कर सकती है। फिलहाल केंद्रीय कर्मचारियों को 58 प्रतिशत डीए मिल रहा है। इस बार करीब 2 प्रतिशत बढ़ोतरी की उम्मीद है, जिससे बढ़कर 60 प्रतिशत हो सकता है। यह एक महत्वपूर्ण स्तर माना जाता है और 7वें वेतन आयोग के बाद का पहला बड़ा बदलाव भी होगा। इस देरी से कर्मचारियों के अधिकारों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। डीए बढ़ोतरी का मूल नियम वही है, महंगाई के आधार पर साल में दो बार संशोधन। यानी जब भी घोषणा होगी, डीए 1 जनवरी 2026 से लागू माना जाएगा और कर्मचारियों को पूरा एरियर मिलेगा। हालांकि, एरियर मिल जाएगा, लेकिन देरी का असर फिलहाल कर्मचारियों की जेब पर पड़ रहा है। कर्मचारी अभी पुरानी सैलरी के आधार पर बढ़ती महंगाई का सामना कर रहे हैं।

विश्व बैंक ने बढ़ा दिया ग्रोथ का अनुमान, दे दी शाबाशी

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर होते ही भारत के लिए गुड न्यूज आई है। विश्व बैंक ने बुधवार को भारत के ग्रोथ के अनुमानों को बढ़ा दिया है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए ऐसा किया गया है। उसने पिछले अक्टूबर को भारत के विकास अनुमान को 6.3 प्रतिशत रखा था। अब इसे बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। इसका कारण मजबूत घरेलू मांग और निर्यात में शानदार प्रदर्शन बताया गया है। हालांकि, विश्व बैंक ने यह भी कहा कि मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष से पैदा हुई मुश्किलों के कारण पिछले वर्षों की तुलना में विकास की रफ्तार थोड़ी धीमी रहने की उम्मीद है। गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) में कटौती से वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में उपभोक्ता मांग को बढ़ावा मिलने की संभावना है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर ऊर्जा की ऊंची कीमतें महंगाई बढ़ा सकती हैं। साथ ही इसके चलते परिवारों की खर्च करने की क्षमता भी सीमित होने का डर है।

पूरे दक्षिण एशिया के लिए अनुमान घटाया

लंबे समय में मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से व्यापार में बढ़ोतरी को सहारा मिलने की उम्मीद है। विश्व बैंक ने इस बात पर जोर दिया कि ईयू और ब्रिटेन के साथ भारत के स्न्नञ्ज सभी आय वर्गों के लोगों के बीच उपभोग और वास्तविक आय को बढ़ा सकते हैं। पूरे दक्षिण एशिया में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 2025 के 7 प्रतिशत से घटकर 2026 में 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसका मुख्य कारण वैश्विक ऊर्जा बाजारों में आई रुकावटें हैं।

फ्रांजिस्का ओन्सॉर्गे, मुख्य अर्थशास्त्री, विश्व बैंक समूह (दक्षिण एशिया)

इस अल्पकालिक मंदी के बावजूद क्षेत्र के अन्य उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से आगे निकलने का अनुमान है। इसमें भारत विकास का मुख्य इंजन बना रहेगा। मजबूत घरेलू मांग, टैरिफ में कटौती और हाल ही में हुए व्यापार समझौते इस अनुमान के प्रमुख आधार हैं। विश्व बैंक के दक्षिण एशिया के उपाध्यक्ष जोहान्स जुट ने कहा, 'मुश्किल वैश्विक माहौल के बावजूद दक्षिण एशिया के विकास की संभावनाएं मजबूत बनी हुई हैं।'

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)